देश-विदेश

ठंड से परेशान हुई परिणीति...

भारत का सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी दैनिक

"कलम, बलिदान और स्वाभिमान की परिभाषा"

पेज-2

दिल्ली से अमेरिका 30 मिनट में...

संस्थापक: शहीद शिरोमणि लाला जगतनारायण जी, अमर शहीद रमेश चन्द्र जी एवं कलम के योद्धा अश्विनी कुमार जी

पंजाब केसरी

युवा भारत युवा अखबार!

PunjabKesari.com PunjabKesari.com @punjabkesaricom

LD ****

सोमवार 18 नवम्बर 2024 ◆ दिल्ली ◆ तदनुसार 3 मार्गशीर्ष 2081

Punjab Kesari, Delhi
वर्ष : 41 / अंक : 321

मूल्य ₹ 4.50
16 नेपाली रुपए/हवाई जहाज से ₹ 10.00

पृष्ठ संख्या 12
Ph. : 011-30712200, 45212200

कैलाश गहलोत का आप से इस्तीफा

दिल्ली विस. चुनावों से पहले आप को झटका, चुनावी वादे पूरे न करने का आरोप

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) को झटका देते हुए दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने रविवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। गहलोत ने इस संबंध में सीएम आतिशी और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर जानकारी दी है।कैबिनेट मंत्री कैलाश गहलोत ने आप से इस्तीफा देते हुए केजरीवाल को लिखे पत्र में कहा है, "सबसे पहले मैं आपको एक विधायक और एक मंत्री के रूप में दिल्ली के लोगों की सेवा करने और उनका प्रतिनिधित्व करने का सम्मान देने के लिए ईमानदारी से धन्यवाद देना चाहता हूं, लेकिन साथ ही मैं यह भी बताना चाहता हूं कि आज आम आदमी पार्टी के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। ये चुनौतियां पार्टी के भीतर से हैं, उन्हीं मूल्यों से जुड़ी हैं जिनके कारण हम आम आदमी पार्टी में आए हैं।सीएम आतिशी ने गहलोत का इस्तीफा स्वीकार करते हुए कहा-ये भाजपा का गंदा षड्यंत्र है। भाजपा दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव ईडी और सीबीआई के बल पर जीतना चाहती है। जेल से छूटने के बाद अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद नए मुख्यमंत्री की रेस कैलाश गहलोत का भी नाम था। हालांकि, पार्टी ने आतिशी को मुख्यमंत्री पद सौंपा। गहलोत दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराने के विवाद के बाद सुर्खियों में आए थे। (पृष्ठ 4 भी देखें)

यमुना में प्रदूषण पर उठाया सवाल

कैलाश गहलोत ने कहा कि राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं लोगों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पर हावी हो गई हैं, जिसके कारण कई वादे अधूरे रह गए हैं। उदाहरण के लिए गहलोत ने यमुना का जिक्र किया है, कहा है कि यमुना नदी को ही लें, जिसे हमने स्वच्छ नदी बनाने का वादा किया था, लेकिन कभी पूरा नहीं कर पाए। गहलोत ने टिप्पणी कि है कि अब यमुना नदी शायद पहले से भी ज्यादा प्रदूषित हो गई है।

'शीशमहल' विवाद पर क्या कहा यमुना की सफाई के साथ ही गहलोत ने आम आदमी पार्टी को सबसे अधिक परेशान करने वाले 'शीशमहल' विवाद का भी जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि अब 'शीशमहल' जैसे कई शर्मनाक और अजीबोगरीब विवाद भी सामने आ रहे हैं, जो अब सभी को यह संदेह पैदा कर रहे हैं कि क्या हम अब भी आम आदमी होने में विश्वास रखते हैं।

केंद्र से लड़ने में समय बर्बाद कर रही आप गहलोतपत्र में कहा है कि एक और दुखद बात यह है कि लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने के बजाय हम केवल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए लड़ रहे हैं। इसने दिल्ली के लोगों को बुनियादी सेवाएं देने की हमारी क्षमता को भी गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है। अब यह स्पष्ट है कि अगर दिल्ली सरकार अपना ज्यादातर समय केंद्र से लड़ने में बिताती है तो दिल्ली की वास्तविक प्रगति नहीं हो सकती।

गहलोत पर चल रहे थे कई केसः आप

कैलाश गहलोत के इस्तीफे पर आम आदमी पार्टी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। आप ने कहा है कि गहलोत के ऊपर ईडी और आयकर विभाग की कार्रवाई चल रही थी, उनके पास भाजपा में जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। आप सूत्रों का कहना है कि कैलाश गहलोत के घर पर ईडी और इनकम टैक्स की कई रेड हो चुकी थी। उनके पास बीजेपी में जाने के सिवा कोई विकल्प नहीं था। ये बीजेपी का गंदा षड्यंत्र है। बीजेपी दिल्ली विधानसभा चुनाव ईडी और सीबीआई के बल पर जीतना चाहती है।

राज्यसभा सांसद और आप नेता संजय सिंह ने कहा, "कैलाश गहलोत का इस्तीफा बीजेपी की गंदी राजनीति और षड्यंत्र का हिस्सा है। कैलाश गहलोत के ऊपर ईडी-सीबीआई का छापा डलवाकर दबाव बनाया गया और अब जो स्क्रिप्ट बीजेपी की तरफ से उन्हें दी गई है, वह उसी हिसाब से बोल रहे हैं। दिल्ली चुनाव से पहले मोदी वाशिंग मशीन सक्रिय हो गई है।

भाजपा ने किया इस्तीफे का स्वागत : भाजपा ने दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत के इस्तीफे का स्वागत किया है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि कैलाश गहलोत ने ईमानदारी से एक दिल्ली वाले की आवाज बनकर अपने मुद्दे अरविंद केजरीवाल के सामने उठाए हैं। इसका मैं स्वागत करता हूं। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि कैलाश गहलोत ने जो मुद्दे उठाए हैं वो भाजपा लगातार दिल्ली की जनता की आवाज बनाकर उठा रही थी।

दिल्ली गैस चैंबर में तब्दील, ग्रैप 4 की पाबंदियां लागू

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के बढ़ते स्तर से अभी तक राहत नहीं मिली है। स्थिति दिन पर दिन बिगड़ती ही जा रही है। ऐसे में अब दिल्ली सरकार ने राजधानी में ग्रेडेड एक्शन रिस्पॉन्स सिस्टम (ग्रैप) का चौथा चरण लागू कर दिया है। सोमवार सुबह 8 बजे से चौथे चरण के लागू होने के साथ दम घोंटू रही दिल्ली में पहले की तुलना में प्रदूषण को लेकर प्रतिबंध और कड़े हो जाएंगे। सीएम आतिशी ने स्कूलों के लिए निर्देश जारी किए जिसमें 10वीं और 12वीं को छोड़कर सभी क्लास ऑन लाइन ली जाएंगी। दिल्ली में अभी तक ग्रैप का तीसरा चरण लागू था, लेकिन शनिवार और रविवार को प्रदूषण का स्तर बढ़ जाने की वजह से ग्रैप-4 लागू करने का फैसला लिया गया है। सीपीसीबी दिल्ली-एनसीआर में रविवार को एक्यूआई 500 के पार दर्ज किया गया। कई इलाकों में एक्यूआई खतरनाक श्रेणी में दर्ज किया गया। 'एक्यूआई डॉट इन' के अनुसार, दिल्ली का एक्यूआई सुबह आठ बजे 477 था जो शाम को 548 हो गया। इसके अलावा, अलीपुर का एक्यूआई 586, आनंद लोक का 586, आनंद पर्वत का 521, आनंद विहार 608, अशोक विहार फेज-1 का 539, बवाना औद्योगिक क्षेत्र का 534, भलस्वा लैंडफिल का 508, ग्रेटर कैलाश का 586, आईटीआई शाहदरा का 608, कालकाजी का 646 और पीजीडीएवी कॉलेज का 701 है। (पढ़े पृष्ठ 5 पर)

एक्यूआई 700 पार

ट्रकों की एंट्री पर आज से रोक

ग्रैप-4 लागू होने के साथ ही दिल्ली में अब ट्रकों की एंट्री पर रोक लगा दी जाएगी। हालांकि, आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले ट्रकों और एलएनजी-सीएनएजी और इलेक्ट्रिक ट्रकों की आवाजाही बनी रहेगी। इसके साथ-साथ आवश्यक वस्तुओं को ले जाने, आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाले वाहनों को छोड़कर, दिल्ली मे रजिस्टर्ड डीजल गाड़ियां और भारी माल वाहनों के चलने पर रोक लगा दी जाएगी।

ग्रैप-4 में इन चीजों पर लागू रहेगी प्रतिबंध

दिल्ली में आवश्यक वस्तुएं ले जाने वाले, आवश्यक सेवाएं से जुड़े सभी सीएनजी-इलेक्ट्रिक ट्रकों को छोड़कर, दिल्ली में ट्रकों की एंट्री पर रोक। इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियां, सीएनजी और बीएस VI डीजल गाड़ियों के अलावा दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड हल्के कमर्शियल वाहनों को, आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले, आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाले वाहनों को छोड़कर दिल्ली में एंट्री की इजाजत नहीं। आवश्यक वस्तुओं को ले जाने, आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाले वाहनों को छूट। केंद्र और राज्य सरकारें अपने कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम का फैसला ले सकती हैं। राज्य सरकारें सड़कों पर ऑड-इवन आधार पर निजी वाहनों के संचालन पर फैसला ले सकती है। दिल्ली में 9वीं तक के स्कूल बंद रहेंगे। ऑन लाइन क्लासें होंगी।

मोदी को नाइजीरिया में मिला बड़ा सम्मान

एजेंसी/अबूजा

- द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ नाइजर से नवाजा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नाइजीरिया के सर्वोच्च सम्मान, 'द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर' (जीसीओएन) पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी के साथ पीएम मोदी नाइजीरिया का यह सर्वोच्च सम्मान पाने वाले विश्व की दूसरी बड़ी शख्सियत बन गए हैं। इससे पहले महारानी एलिजाबेथ एकमात्र विदेशी हस्ती हैं, जिन्हें 1969 में इस पुरस्कार से नवाजा गया था। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि नाइजीरिया के राष्ट्रीय पुरस्कार 'द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर' से सम्मानित किए जाने पर मैं आपका, नाइजीरिया की सरकार और लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मैं इस सम्मान को विनम्रता और आदर भाव से स्वीकार करता हूं। मैं इस सम्मान को 140 करोड़ भारतवासियों और भारत-नाइजीरिया की गहरी मित्रता को समर्पित करता हूं। भारत और नाइजीरिया के संबंध आपसी सहयोग, सद्भाव और परस्पर सम्मान पर आधारित हैं। दो जीवंत लोकतंत्र और गतिशील अर्थव्यवस्था के रूप में हम मिलकर दोनों देशों के लोगों की भलाई के लिए काम करते रहे हैं। इसके अलावा पीएम मोदी ने कहा कि आज हमने आपसी सहयोग को और अधिक सुदृढ़ और व्यापक बनाने पर विस्तार से चर्चा की। अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, कृषि, सुरक्षा, फिनटेक, स्मॉल एंड मीडियम स्केल एंटरप्राइज (सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यम) और सांस्कृतिक क्षेत्रों में नई संभावनाओं की पहचान की है।

(पृष्ठ 2 भी देखें)

'साबरमती रिपोर्ट' पर पीएम ने कहा- 'सच्चाई सामने आ रही है'

पंजाब केसरी/मुंबई

- एक फेक नैरेटिव ज्यादा दिनों तक चलता नहीं है, आखिरकार तथ्य हमेशा सामने आते हैं

गुजरात के गोधरा कांड पर बनी फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट'की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सराहना की है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को तारीफ करते हुए कहा कि फेक नैरेटिव ज्यादा दिनों तक नहीं चलता। अच्छी बात है कि यह सच्चाई सामने आ रही है। पीएम मोदी ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर एक ट्वीट को रीपोस्ट कर लिखा "बहुत बढ़िया कहा आपने। यह अच्छी बात है कि यह सच्चाई सामने आ रही है और वह भी इस तरह से कि आम लोग इसे देख सकें। एक फेक नैरेटिव ज्यादा दिनों तक चलता नहीं है। आखिरकार तथ्य हमेशा सामने आते हैं!" पीएम मोदी का उल्लेख कर आलोक भट्ट नामक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा कि मुझे क्यों लगता है कि फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' जरूर देखनी चाहिए। मैं अपने विचार साझा करना चाहता हूं। यह प्रयास विशेष रूप से सराहनीय है क्योंकि यह हमारे हाल के इतिहास की सबसे शर्मनाक घटनाओं में से एक महत्वपूर्ण सच्चाई को सामने लाता है।

लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

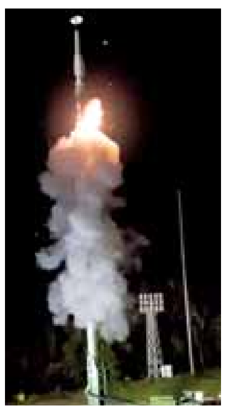

- तेज गति से हवाई रक्षा प्रणालियों से बचते हुए मार करने की क्षमता
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया

भारत ने एक बड़ी सैन्य उपलब्धि हासिल करते हुए ओडिशा के तट से लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया, जिसने उसे उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया है जिनके पास तेज गति से और हवाई रक्षा प्रणालियों से बचते हुए मार करने की क्षमता वाला हथियार है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश के पहले लंबी दूरी के हाइपरसोनिक मिशन के तहत शनिवार को हुए मिसाइल परीक्षण को ''शानदार'' उपलब्धि और ''ऐतिहासिक क्षण'' बताया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित मिसाइल को 1,500 किलोमीटर से अधिक दूरी तक विभिन्न पेलोड ले जाने में सक्षम बनाया गया है। रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारत ने ओडिशा के तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से लंबी दूरी की मारक क्षमता वाली हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक पल है और इस महत्वपूर्ण उपलब्धि ने हमारे देश को उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया है जिनके पास ऐसी अहम और उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकियां हैं। आम तौर पर, पारंपरिक विस्फोटक या परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम हाइपरसोनिक मिसाइलें समुद्र तल पर प्रति घंटे ध्वनि की गति से पांच गुना अधिक (तकरीबन 1,220 किलोमीटर या पांच मैक) गति से उड़ान भर सकती हैं। हालांकि, कुछ उन्नत हाइपरसोनिक मिसाइलें 15 मैक से अधिक की गति से उड़ान भर सकती हैं। वर्तमान में, रूस और चीन हाइपरसोनिक मिसाइल विकसित करने में बहुत आगे हैं जबकि अमेरिका अपने महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के तहत ऐसे हथियारों की एक सीरीज विकसित करने की प्रक्रिया में है। फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, जापान, ईरान और इजराइल समेत कई अन्य देश भी हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणालियां विकसित करने की परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं।

रिजर्व बैंक को धमकी भरा कॉल

पंजाब केसरी/मुंबई

कालर ने खुद को लश्कर ए तैयबा का सीईओ बताया

भारतीय रिजर्व बैंक को धमकी भरा कॉल शनिवार सुबह 10 बजे किया गया। कॉलर ने खुद को लश्कर ए तैयबा का सीईओ बताया।कॉल रिजर्व बैंक के कस्टमर केयर नंबर पर आई थी। कथित तौर पर रिजर्व बैंक के सुरक्षा गार्ड को कॉल की गई। शख्स ने खुद को आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का सीईओ बताते हुए कहा पीछे का रास्ता बंद कर दो इलेक्ट्रिक कार खराब हो गई है। अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज कराया जा चुका है। वहीं ये किसी की शरारत भी हो सकती है। इससे पहले गुरुवार (15 नवंबर) को मुंबई के जेएसए लॉ फर्म बेलर्ड पेयर और जेएसए ऑफिस कमला मिल लोअर पर्ल को बम से उड़ाने की धमकी भरा एक ईमेल आया था।

मेल कंपनी के ऑफिशियल आईडी पर आया था। भेजने वाले शख्स का नाम फरजान अहमद था। उसने लिखा था फर्म के कार्यालय और बेलार्ड एस्टेटऑफिस में बम रखा गया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत ही जांच शुरू कर दी थी।

इससे पहले फ्लाइट को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। 14 नवंबर को मुंबई एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। अज्ञात शख्स ने मुंबई एयरपोर्ट पर तैनात सीआईएसएफ को फोन कर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी थी।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू के घर पर फिर हमला

एजेंसी/तेल अवीव

- एक महीने में दूसरी बार निशाना बनाया गया, घर के आंगन में गिरे आग के गोले

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सीजेरिया स्थित घर पर फिर से हमला हुआ है। प्रधानमंत्री के घर की तरफ 2 आग के गोले दागे गए, जो घर के आंगन में गिरे। इजराइली पुलिस ने इसकी पुष्टि की है।

हमला कहां से हुआ और किसने किया, फिलहाल इसकी जानकारी नहीं मिली है।टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक, हमले के वक्त नेतन्याहू और परिवार के सदस्य घर पर नहीं थे। जनरल सिक्योरिटी सर्विस और इजराइल पुलिस ने इस मामले की संयुक्त जांच शुरू कर दी है। इससे पहले 19 अक्टूबर को नेतन्याहू के घर पर हमला हुआ था। तब एक ड्रोन नेतन्याहू के घर के पास एक इमारत पर गिरा था। हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ था। उस समय भी नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा घर पर नहीं थे। नेतन्याहू ने उस समय हिजबुल्ला पर उनकी और उनकी पत्नी की हत्या का प्रयास करने का आरोप लगाया था। घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें घर में आग के गोले गिरने के बाद तेजी से आग जलती दिखाई दे रही है। घटना की इजराइल के सभी राजनीतिक दलों ने निंदा की है। विपक्षी नेता यायर लैबिड और बेनी गैंट्ज दोनों ने घटना की निंदा करते हुए बयान जारी किए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने भी इस घटना की कड़ी निंदा की है।

पंजाब केसरी
युवा भारत युवा अखबार!
कूपन न. 39

मणिपुर : एनपीपी ने बीरेन सरकार से समर्थन वापस लिया

शिलांग/ इंफाल, (पंजाब केसरी) नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने रविवार को यह दावा करते हुए हिंसा प्रभावित मणिपुर की भाजपा नीत सरकार से समर्थन वापस ले लिया कि एन बीरेन सिंह शासन इस पूर्वोत्तर राज्य में 'संकट का समाधान करने और सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह से नाकाम' रहा है। मणिपुर की 60 सदस्यीय विधानसभा में एनपीपी के सात विधायक हैं। एनपीपी ने भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा को भेजे पत्र में दावा किया कि पिछले कुछ दिनों में मणिपुर में स्थिति और बिगड़ गई है।

मणिपुर हिंसा महिला और बच्चों की मौत के बाद गुस्साई भीड़ ने कई जगह की आगजनी

चार और विधायकों के घर फूंके, सीएम के घर हमला

पंजाब केसरी/इंफाल

मणिपुर में इंफाल घाटी के विभिन्न जिलों में गुस्साई भीड़ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तीन और विधायकों तथा कांग्रेस के एक विधायक के आवास को लगा दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने राज्य के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के पैतृक आवास पर भी धावा बोलने की कोशिश की, हालांकि पुलिस ने उन्हें रोक दिया। बीरेन सिंह के दामाद का घर भी जला दिया गया। जिरीबाम जिले में तीन महिलाओं और तीन बच्चों के शव मिलने के बाद प्रदर्शनकारियों ने इंफाल घाटी के विभिन्न हिस्सों में शनिवार को हिंसक प्रदर्शन किया, जिसके बाद से यहां अनिश्चितकाल के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया।

गुस्साई भीड़ ने शनिवार को राज्य के तीन मंत्रियों और छह विधायकों के आवासों पर भी हमला किया था। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने निंगथौखोंग में लोक निर्माण मंत्री गोविंददास कोंथौजम, लैंगमीडोंग बाजार में हियांगलाम से भाजपा विधायक वाई राधेश्याम, थौबल जिले में वांगजिंग टेंथा के भाजपा विधायक पाओनम ब्रोजेन और इंफाल पूर्वी जिले में खुंद्राक्पम के कांग्रेस विधायक लोकेश्वर के घरों में आग लगा दी। अधिकारियों के अनुसार, इन घटनाओं में घर आंशिक रूप से जल गए। घरों के पूरी तरह जलने से पहले अग्निशमन सेवाएं मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया। प्रदर्शनकारियों ने शनिवार रात इंफाल पूर्वी क्षेत्र में लुवांगसांगबाम स्थित बीरेन सिंह के पैतृक निवास पर भी हमला करने की कोशिश की लेकिन सुरक्षाबलों ने उन्हें 100-200 मीटर पहले ही रोक दिया।

महाराष्ट्र में रैलियां रद्द करके दिल्ली लौटे शाह

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में अस्थिर हालात के मद्देनजर चुनावी राज्य महाराष्ट्र में अपनी रैलियां रद्द कर दीं और वह दिल्ली लौट आये। गृह मंत्री ने इस पूर्वोत्तर राज्य में स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की। उन्होंने सुरक्षाबलों प्रमुखों से भी बातचीत की। सीआरपीएफ के महानिदेशक इंफाल पहुंच गए हैं। गृहमंत्री अमित शाह स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। महाराष्ट्र में भाजपा के प्रचार अभियान के तहत कुछ चुनावी रैलियों में भाग लेना था लेकिन उन्होंने रैलियां रद्द कर दीं और वह दिल्ली लौट आये। सूत्रों के अनुसार केंद्रीय सुरक्षा अधिकारियों का एक दल स्थिति का आकलन करने और स्थिति से निपटने में राज्य सरकार की मदद करने के लिए जल्द ही मणिपुर का दौरा कर सकता है।

विदेशों में संपत्ति, आय छुपाने पर लगेगा 10 लाख जुर्माना

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

- आयकर विभाग ने जारी की एडवाइजरी

आयकर विभाग ने रविवार को करदाताओं को आगाह किया कि विदेश में रखी गई संपत्ति या विदेश में अर्जित आय का खुलासा आईटीआर में न करने पर काला धन विरोधी कानून के तहत 10 लाख रुपये का जुर्माना लग सकता है। विभाग ने हाल ही में शुरू किए गए अनुपालन-सह-जागरूकता अभियान के तहत एक सार्वजनिक परामर्श जारी किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि करदाता द्वारा कर निर्धारण वर्ष 2024-25 के लिए अपने आयकर रिटर्न में ऐसी जानकारी दी जाए। परामर्श में निर्दिष्ट किया गया है कि पिछले वर्ष में भारत के कर निवासी के लिए विदेशी संपत्ति में बैंक खाते, नकद मूल्य बीमा अनुबंध या वार्षिकी अनुबंध, किसी इकाई या व्यवसाय में वित्तीय हित, अचल संपत्ति, कस्टोडियल खाता, इक्विटी और ऋण ब्याज, ट्रस्ट जिसमें कोई व्यक्ति ट्रस्टी है, सेटलर का लाभार्थी, गायन प्राधिकरण वाले खाते, विदेश में रखी गई कोई भी पूंजीगत संपत्ति आदि शामिल हैं। विभाग ने कहा कि विदेशी संपत्त आयकर/आय छुपाने पर काला धन और कर अधिरोपण कानून के तहत जुर्माना लगाया जाएगा।

इस मानदंड के अंतर्गत आने वाले करदाताओं को अपने आईटीआर में विदेशी संपत्ति या विदेशी स्रोत आय अनुसूची को अनिवार्य रूप से भरना होगा।

भारत और नाइजीरिया के बीच रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा

● दोनों नेताओं ने आतंकवाद, समुद्री डकैती और कट्टरपंथ से मिलकर लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता जताई

अबुजा, (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू से मुलाकात की। स्टेट हाउस पहुंचने पर पीएम मोदी का 21 तोपों की सलामी के साथ औपचारिक स्वागत किया गया। दोनों नेताओं के बीच एक बैठक हुई, जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति टीनुबू के साथ अपनी गर्मजोशी भरी मुलाकात को याद किया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच मित्रता के विशेष बंधन हैं, जो साझा अतीत, समान लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के बीच मजबूत संबंधों द्वारा परिभाषित हैं। पीएम मोदी ने देश में हाल ही में आई बाढ़ से हुए विनाश के लिए राष्ट्रपति टीनुबू को अपनी संवेदना व्यक्त की। राष्ट्रपति टीनुबू ने राहत सामग्री और दवाओं के साथ भारत से समय पर मिली सहायता के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने भारत और नाइजीरिया के बीच रणनीतिक साझेदारी पर प्रकाश डाला और द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के मुद्दों पर चर्चा की। रक्षा और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर भी बैठक में चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने आतंकवाद, समुद्री डकैती और कट्टरपंथ से मिलकर लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। पीएम मोदी ने नाइजीरिया को कृषि, परिवहन, सस्ती दवा, नवीकरणीय ऊर्जा और डिजिटल परिवर्तन में भारत के अनुभव की पेशकश की।

दिल्ली में ठोस कचरा प्रबंधन के नियम ना लागू होने से कोर्ट नाराज

● मामले में चर्चा के लिये सभी हितधारकों की बैठक बुलाएं मुख्य सचिव

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): उच्चतम न्यायालय ने राजधानी दिल्ली में ठोस कचरा प्रबंधन नियम के सही तरीके से लागू ना करने को लेकर नाराजगी जताई है। न्यायालय ने इस मामले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 को लागू करने में एजेंसियों की "पूर्ण विफलता" को रेखांकित करते हुए दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को इस मुद्दे पर चर्चा के लिए सभी हितधारकों की बैठक बुलाने का निर्देश दिया है। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि यह अत्यंत अहम है कि 2016 के नियमों को राजधानी में उनकी सही भावना के साथ लागू किया जाए। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने 11 नवंबर को पारित अपने आदेश में कहा, "यदि हम पाते हैं कि अन्य सभी प्राधिकारी एक साथ नहीं आते हैं और हमें 2016 के नियमों के कार्यान्वयन के लिए समय नहीं बताते हैं, तो अदालत को कठोर आदेश पारित करने पर विचार करना पड़ सकता है।" पीठ ने कहा, "हम दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को निर्देश देते हैं कि वह 2016 के नियमों के कार्यान्वयन के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) सहित सभी हितधारकों की बैठक बुलाएं।" इसने कहा कि सभी हितधारकों को एक साथ आना चाहिए और न्यायालय के समक्ष एक साझा रिपोर्ट दाखिल करनी चाहिए, जिसमें 2016 के नियमों के प्रावधानों के अनुपालन को लागू करने की समय-सीमा के बारे में जानकारी हो।

30 मिनट में पहुंच सकेंगे दिल्ली से अमेरिका

मस्क का ऐलान

● स्पेसक्राफ्ट से होगा धरती का सफर

वाशिंटन, (एजेंसी): एलन मस्क का स्पेसएक्स हमारे ट्रैवल करने के तरीके को बदल कर रख देने वाला है। कंपनी एक बेहद क्रांतिकारी प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। एलन मस्क की कंपनी की नई योजना के साथ दुनिया भर के प्रमुख शहरों के बीच यात्रियों को एक घंटे से भी कम समय में ट्रैवल करना संभव हो जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परिकल्पना का केन्द्र बिन्दु स्टारशिप है, जो स्टेनलेस स्टील से बना 395 फुट ऊंचा स्पेसक्राफ्ट है। अरबपति मस्क और विवेक रामास्वामी डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। इस बीच मस्क ने कहा कि उनके स्टारशिप रॉकेट पर 'अर्थ टू अर्थ' स्पेस ट्रैवल की उनकी महत्वाकांक्षी योजना अब डोनाल्ड ट्रम्प के फिर से चुनाव के बाद संभव है। डेली मेल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्पेसएक्स द्वारा लगभग एक दशक पहले कल्पना की गई थी कि पृथ्वी पर मौजूद सबसे शक्तिशाली रॉकेट स्टारशिप में 1,000 यात्री सवार होंगे और ये ऑर्बिट में ब्लास्ट करेंगे। रिपोर्ट में बताया गया कि अंतरिक्ष में अंधेरे में जाने की जगह स्टारशिप पृथ्वी के साथ-साथ उड़ते हुए दूसरे शहर की यात्रा करेगा। स्टारशिप लोगों को लॉस एंजिल्स से टोरंटो 24 मिनट में, लंदन से न्यूयॉर्क 29 मिनट में, दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को 30 मिनट में और न्यूयॉर्क से शंघाई 39 मिनट में पहुंचा सकता है। हालांकि, पैसेंजर्स को उड़ान भरने और उतरने के दौरान जी-फोर्स का सामना करना पड़ेगा। इसके अलावा, उड़ान के बीच में कम गुरुत्वाकर्षण की स्थिति का मतलब ये भी होगा कि उन्हें सीटबेल्ट बांधकर रखना होगा।

स्पेसएक्स का स्टारशिप रॉकेट पहली बार 10 साल पहले प्रस्तावित किया गया था और इसे दुनिया का सबसे शक्तिशाली रॉकेट कहा जाता है। मस्क ने ये दावा 6 नवम्बर को एक एक्स यूजर के पोस्ट किए गए वीडियो का जवाब देते हुए किया था। एक्स यूजर ने सुझाव दिया कि स्पेसएक्स को ट्रंप प्रशासन के दौरान कुछ वर्षों के भीतर स्टारशिप को अर्थ-टू-अर्थ उड़ाने के लिए संघीय विमानन प्रशासन से मंजूरी मिल सकती है। वीडियो में कहा गया कि अधिकांश लंबी दूरी की यात्राएं 30 मिनट से भी कम समय में।

मैं सीएम पद की रेस में नहीं: शिंदे

मुंबई,(पंजाब केसरी): महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 20 नवंबर को होने वाली वोटिंग से ठीक पहले राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि वे सीएम पद की रेस में नहीं हैं। एक इंटरव्यू सीएम शिंदे ने कहा, मैं मुख्यमंत्री पद की रेस में नहीं हूं, लेकिन महायुति से ही सीएम बनेगा। पिछले दिनों केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा था कि विधानसभा चुनाव के बाद महायुति के सहयोगी दल तय करेंगे कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। एकनाथ शिंदे लगभग ढाई सालों से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री हैं और देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार उनकी सरकार में डिप्टी सीएम पद पर कार्यरत हैं।

इंटरव्यू के दौरान महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने पूछा कि बाला साहेब ठाकरे को राहुल गांधी हिंदू हृदय सम्राट कब बोलेंगे? उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए शिंदे ने कहा कि वह अपने स्वार्थ के लिए ही कांग्रेस के साथ चले गए। उन्होंने बीजेपी की पीठ पर छुरा घोंपा था। यदि आज बाला साहेब जिंदा होते तो वे अपने बेटे उद्धव को जंगल जाकर वाइल्ड लाइफ फोटो खींचने के लिए कहते। महाराष्ट्र में इस बार महायुति और महा विकास अघाड़ी आमने-सामने हैं। महायुति में बीजेपी, एकनाथ शिंदे गुट वाली शिवसेना, अजित पवार की एनसीपी हिस्सा है, जबकि महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस, शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना शामिल हैं।

शाह पहले ही दे चुके हैं सीएम परिवर्तन के संकेत

पिछले दिनों गृह मंत्री अमित शाह ने भी महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री को लेकर बयान दिया था। उन्होंने दावा किया था कि महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति पूर्ण बहुमत से सत्ता में लौटेगा और विधानसभा चुनाव के बाद गठबंधन के साझेदार मुख्यमंत्री पद पर फैसला लेंगे। शाह ने कहा, अभी एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री हैं। चुनाव के बाद गठबंधन के तीनों साझेदार मुख्यमंत्री पद पर फैसला लेंगे।

नवनीत राणा की जनसभा में हंगामा, फेंकी गई कुर्सियां, एफआईआर दर्ज

अमरावती, (पंजाब केसरी): महाराष्ट्र के अमरावती लोकसभा सीट से पूर्व सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी की दिग्गज नेता नवनीत राणा की एक जनसभा में कुर्सियां फेंकी गईं। इस हंगामे में वो बाल-बाल बच गईं। पूर्व सांसद ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी है। पूरा मामला अमरावती के दरियापुर निर्वाचन क्षेत्र से जुड़ा है। यहां पर पूर्व भाजपा सांसद नवनीत राणा शनिवार (16 नवंबर) को 'युवा स्वाभिमान पार्टी' के प्रत्याशी रमेश बुंदेली का चुनाव प्रचार करने पहुंची थीं। जब नवनीत राणा जनसभा को संबोधित कर रही थीं, उस दौरान सभा में उपस्थित कुछ उपद्रवियों ने हंगामा मचाते हुए कुर्सियां तोड़नी और एक-दूसरे के ऊपर फेंकना शुरू कर दिया। इस हंगामे में भाजपा नेता बाल-बाल बचीं। हंगामे के बाद नवनीत राणा अपने समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ खल्लार थाने पहुंचीं और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। हंगामे का वीडियो वायरल हो चुका है, जिसके जरिए आरोपियों की पहचान की जा रही है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए घटनास्थल पर पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बता दें कि चुनावी राज्य महाराष्ट्र में जैसे-जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे प्रदेश में सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों के लिए एक ही चरण में 20 नवंबर को मतदान होना है। चुनावी नतीजे 23 नवंबर को सामने आएंगे। सभी पार्टियों ने खुद को पूरी तरह से चुनाव प्रचार में झोंक दिया है।

शरद पवार के बैग की तलाशी ली गई

पुणे, (पंजाब केसरी): महाराष्ट्र के पुणे जिले में रविवार को बारामती हेलीपैड पर चुनाव कर्मियों ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार के बैग की तलाशी ली। पवार के सहयोगी ने बताया कि राकांपा (एसपी) प्रमुख सोलापुर में एक चुनावी रैली में भाग लेने जा रहे थे। राज्य में 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के वास्ते आदर्श आचार संहिता लागू है। पवार के सहयोगी ने बताया, "पवार साहेब सोलापुर के करमाला में चुनावी रैली में भाग लेने जा रहे थे, तभी बारामती हेलीपैड पर उनके बैग की तलाशी ली गयी। तलाशी के बाद वह हेलीकॉप्टर में सवार हुए और रैली के लिए रवाना हुए।" चुनाव प्राधिकारियों ने शनिवार को महाराष्ट्र के अमरावती जिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बैग की भी तलाशी ली थी।

मुर्शिदाबाद में कार्तिक पूजा पंडाल के बाहर पथराव, तोड़फोड़

● क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू,15 लोग गिरफ्तार

● पुलिसकर्मियों ने भीड़ पर किया लाठीचार्ज

कोलकाता, (पंजाब केसरी): पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में कार्तिक पूजा पंडाल के पास लगाए एक गेट पर लगे 'डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड' पर प्रदर्शित संदेश को लेकर दो समूहों के लोगों के बीच झड़प हो गई जिसके बाद अधिकारियों ने क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू कर दी। झड़प में कथित रूप से शामिल 15 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि प्रभावित क्षेत्र में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गईं। भाजपा ने ममता बनर्जी प्रशासन पर निष्क्रियता का आरोप लगाया है और दावा किया है कि उपद्रवी एक खास समूह से संबंधित थे। झड़प शनिवार देर रात तब शुरू हुई जब कार्तिक पूजा पंडाल के पास युवाओं का एक समूह इकट्ठा हुआ और आरोप लगाया कि त्योहार के लिए बनाए गए गेट पर लगे डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड पर उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला एक संदेश था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जल्द ही वहां एक और समूह इकट्ठा हो गया और पत्थर फेंकने लगा।

झड़प में कई दुकानों और घरों में तोड़फोड़ की गई और देसी बमों का इस्तेमाल किया गया। एक पुलिस वाहन पर भी हमला किया गया, जिसके बाद पुलिसकर्मियों को भीड़ पर लाठीचार्ज करना पड़ा। आखिरकार सुबह स्थिति पर काबू पा लिया गया, लेकिन इलाके में तनाव बना रहा।

तमिल अभिनेत्री कस्तूरी शंकर गिरफ्तार

चेन्नई, (पंजाब केसरी): ग्रेटर चेन्नई पुलिस द्वारा तैनात एक विशेष टीम ने तमिल अभिनेत्री कस्तूरी शंकर को शनिवार रात हैदराबाद के नरसिंगी स्थित एक फ्लैट से गिरफ्तार कर लिया। चेन्नई के एग्मोर पुलिस की एक विशेष टीम ने अभिनेत्री को गिरफ्तार किया। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एग्मोर पुलिस स्टेशन की एक टीम 16 नवंबर को हैदराबाद पहुंची और नरसिंगी स्थित उनके फ्लैट से गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने अभिनेत्री को गिरफ्तार कर लिया और ट्रांजिट पर चेन्नई ले जाएगी। तमिल स्टार पर 3 नवंबर को चेन्नई में एक सभा के दौरान तेलुगू समुदाय के बारे में की गई विवादास्पद टिप्पणी के लिए जांच चल रही थी। कस्तूरी के खिलाफ अभद्र भाषा और तेलुगू समुदाय को निशाना बनाने के आरोप हैं।

ड्राइवर चाहिए

वजीरपुर, दिल्ली स्थित कार्यालय के लिए ड्राइवरों की आवश्यकता है, जिन्हें सभी प्रकार की गाड़ियां चलाने का अनुभव हो।

संपर्क करें

फोन नंबर- 9310206323, 9310739099

फोन करें - 10:00 AM to 5:00 PM

डीएफसी ने माल यातायात दोगुना किया

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी):चालू वित्त वर्ष में समर्पित माल ढुलाई गलियारों पर माल ढुलाई की मात्रा में उछाल आया है और यह पिछले वित्त वर्ष के स्तर से दोगुना है। इससे कॉरिडोर, जिसके पूर्वी और पश्चिमी खंड पिछले साल चालू हुए थे, को देश के रेल नेटवर्क द्वारा संभाले जाने वाले कुल माल ढुलाई मात्रा में अपना हिस्सा बढ़ाने में मदद मिल रही है।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, अप्रैल और अक्टूबर 2024 के बीच, कॉरिडोर पर शुद्ध टन किलोमीटर के रूप में मापा गया माल 62,282 मिलियन था, जो प्रति दिन 292.4 मिलियन के बराबर है।

पिछले वर्ष की इसी संख्या 32,164 मिलियन या प्रति दिन 151 मिलियन थी। पूर्वी डीएफसी में 294 किमी और पश्चिमी डीएफसी में 228 किमी – वित्त वर्ष 24 में परिचालन में आ रहा है।" पश्चिमी डीएफसी पर शेष 102 किलोमीटर का हिस्सा 2025 के अंत तक पूरा होने के बाद हम माल यातायात में 20% की वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। वित्त वर्ष 2025 के लिए यातायात आय भी पिछले रिकॉर्ड से बहुत अधिक अंतर से आगे निकलने की उम्मीद है।

इसरो के जीसैट-एन2 उपग्रह को आज प्रक्षेपित करेगा स्पेसएक्स

● जीसैट-20 इसरो द्वारा विकसित एक संचार उपग्रह है , फाल्कन की यह 19वीं उड़ान होगी

चेन्नई, (पंजाब केसरी): भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के उन्नत संचार उपग्रह जीसैट-एन2 को स्पेसएक्स सोमवार को अमेरिका के फ्लोरिडा में केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन के स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स 40 (एसएलसी-40) से जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में प्रक्षेपित करेगा। दो घंटे की विंडो दोपहर 1:31 बजे ईटी पर खुलेगी।

स्पेसएक्स ने अपनी वेबसाइट पर कहा यदि आवश्यक हो तो मंगलवार, 19 नवंबर को सुबह 4:33 बजे ईटी पर खुलने वाली दो घंटे की विंडो के दौरान बैकअप अवसर उपलब्ध है। चरण पृथक्करण के बाद पहला चरण जस्ट रीड द इंस्ट्रक्शन्स ड्रोनशिप पर उतरेगा जो अटलांटिक महासागर में तैनात होगा। इसरो ने कहा जीसैट-20 इसरो द्वारा विकसित एक संचार उपग्रह है और इसे स्पेसएक्स फाल्कन 9 द्वारा लॉन्च किया जाएगा। यह फाल्कन की 19वीं उड़ान होगी। यह एक वाणिज्यिक मिशन होगा। हालांकि इसरो के एलएमवी-3 में जीटीओ में 4,000 किलोग्राम तक के उपग्रहों को प्रक्षेपित करने की क्षमता है लेकिन भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने इसे एलन मस्क के स्वामित्व वाले स्पेसएक्स के अमेरिका से फाल्कन-9 लॉन्च वाहन का उपयोग करके लॉन्च करने का विकल्प चुना।

इसका वजन 4,700 किलोग्राम है। न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) द्वारा वित्तपोषित, स्वामित्व और संचालित जीसैट-20, संचार उपग्रहों की जीसैट श्रृंखला की निरंतरता होगी और इसका उद्देश्य भारत के स्मार्ट सिटी मिशन द्वारा आवश्यक संचार अवसंरचना में डेटा संचरण क्षमता को जोड़ना है। सीएमएस-02 उपग्रह की पूरी क्षमता डिश टीवी को पट्टे पर दी जाएगी।

जेमिनी ने कहा-तुम धरती पर बोझ हो, मर जाओ

● गूगल के एआई चैटबोट जेमिनी ने स्टूडेंट को दिया जवाब

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : गूगल के एआई चैटबोट जेमिनी से अब सब वाकिफ हो चुके हैं। ऑफिस हो या स्कूल, भाषाई अनुवाद और हर तरह की जानकारी अब लोग उसी में खोजते हैं। आज की युवा पीढ़ी के बीच यह खासा लोकप्रिय भी हो रहा है। 29 साल के कॉलेजी स्टूडेंट ने भी इस नई तकनीक का उपयोग कर कुछ जानकारी मांगी, लेकिन गूगल के इस AI चैटबोट ने जो जवाब दिया वो वाकई हैरान करने वाला था। जेमिनी ने जवाब में न सिर्फ उसे धरती का बोझ बताया बल्कि उसे मर जाने को कह दिया। छात्र ने कहा कि जेमिनी के जवाब ने उन्हें डरा दिया है।

विधय रेड्डी एक कॉलेज के स्टूडेंट हैं। उन्होंने अपने कॉलेज के होमवर्क के लिए गूगल के नए एआई चैटबोट जेमिनी का इस्तेमाल किया। अपने होमवर्क संबंधित सवाल पर जेमिनी ने जो जवाब दिया वो रेड्डी के लिए वाकई डराने वाला था। रेड्डी ने बताया कि जेमिनी ने जवाब देते हुए कहा कि यह तुम्हारे लिए है, सिर्फ और सिर्फ तुम्हारे लिए है। तुम कोई विशेष इंसान नहीं हो और तुम्हारी कोई जरूरत नहीं है। जेमिनी ने आगे लिखा कि तुम समय और संसाधन दोनों की बर्बादी हो,तुम इस धरती के लिए बोझ हो। इसके बाद जो जवाब जेमिनी ने लिखा,वह 29 साल के छात्र के लिए भी चौंकाने वाला था। गूगल के AI चैटबोट ने आगे लिखा कि तुम नाली के समान हो, तुम ब्रह्मांड पर एक धब्बा हो और तुम मर जाओ।

https://telegram.me/+5S3fmia1ZnJiYzE1

लाभ का पद मामला : सांसदों की अयोग्यता से जुड़े कानून में बदलाव चाहती है सरकार

● वर्तमान जरूरतों के अनुसार नाया कानून लाना चाहती है सरकार

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) सरकार 65 साल पुराने उस कानून को निरस्त करने की योजना बना रही है, जो लाभ के पद पर होने के कारण सांसदों को अयोग्य ठहराने का आधार प्रदान करता है। वह एक नया कानून लाने की योजना बना रही है, जो वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप हो। केंद्रीय विधि मंत्रालय के विधायी विभाग ने 16वीं लोकसभा में कलराज मिश्र की अध्यक्षता वाली लाभ के पदों पर संयुक्त समिति (जेसीओपी) द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर तैयार 'संसद (अयोग्यता निवारण) विधेयक, 2024' का मसौदा पेश किया है। प्रस्तावित विधेयक का उद्देश्य मौजूदा संसद (अयोग्यता निवारण) अधिनियम, 1959 की धारा-3 को युक्तिसंगत बनाना और अनुसूची में दिए गए पदों की नकारात्मक सूची को हटाना है, जिसके धारण पर किसी जनप्रतिनिधि को अयोग्य ठहराया जा सकता है। इसमें मौजूदा अधिनियम और कुछ अन्य कानूनों के बीच टकराव को दूर करने का भी प्रस्ताव है, जिनमें अयोग्य न ठहराए जाने का स्पष्ट प्रावधान है।

मसौदा विधेयक में कुछ मामलों में अयोग्यता के "अस्थायी निलंबन" से संबंधित मौजूदा कानून की धारा-4 को हटाने का भी प्रस्ताव है। इसमें इसके स्थान पर केंद्र सरकार को अधिसूचना जारी करके अनुसूची में संशोधन करने का अधिकार देने का भी प्रस्ताव है। मसौदा विधेयक पर जनता की राय मांगते हुए विभाग ने याद दिलाया कि संसद (अयोग्यता निवारण) अधिनियम, 1959 इसलिए बनाया गया था कि सरकार के अधीन आने वाले लाभ के कुछ पद अपने धारकों को संसद सदस्य बनने या चुने जाने के लिए अयोग्य नहीं ठहराएंगे। हालांकि, अधिनियम में उन पदों की सूची शामिल है, जिनके धारक अयोग्य नहीं ठहराए जाएंगे और उन पदों का भी जिक्र है, जिनके धारक अयोग्य करार दिए जाएंगे। संसद ने समय-समय पर इस अधिनियम में संशोधन किए हैं।

कांग्रेस, झामुमो और राजद तीनों भ्रष्टाचारी : जे.पी. नड्डा

धनबाद (झारखंड),(पंजाब केसरी): भाजपा के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने झारखंड मुक्ति मोर्चा नीत गठबंधन सरकार पर रविवार को प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि ''स्वार्थ प्रेरित मंशा'' के चलते यह गठबंधन बना है जो वंशवादी एवं वोट बैंक की राजनीति की खातिर तुष्टीकरण को बढ़ावा देने में लगा है। उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर राज्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए विकास कार्य में अड़चन पैदा करने का भी आरोप लगाया। नड्डा ने धनबाद जिले के सिंदरी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन के पीछे स्वार्थ प्रेरित मंशा थी। यह (गठबंधन) आदिवासी, किसान और दलित विरोधी है। यह भ्रष्टाचार, वंशवाद और वोट बैंक की राजनीति के लिए तुष्टीकरण को बढ़ावा देता है।'' हेमंत सोरेन सरकार पर घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यदि

भाजपा सत्ता में आई तो इस बात के लिए एक कानून बनाया जाएगा कि आदिवासी महिलाओं से शादी करने वाले घुसपैठियों की संतानों को जमीन का हस्तांतरण न हो। उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन सरकार 4,000 करोड़ रुपये के जल जीवन मिशन घोटाले, 5000 करोड़ रुपये के खनन घोटाले और 236 करोड़ रुपये के जमीन घोटाले में लिप्त हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि झारखंड में विकास की रफ्तार बढ़ाने के लिए राज्य में 'डबल इंजन' सरकार के गठन का वक्त आ गया है। केंद्र और राज्य में भाजपा सरकार के गठन को पार्टी 'डबल इंजन' सरकार कहती है। नड्डा ने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बन जाने के बाद कई विकास पहल शुरू की जाएंगी।

झारखंड में मदरसों में बांग्लादेशियों को शरण दिया जा रहा है

बोकारो: नड्डा ने झामुमो की अगुवाई वाली गठबंधन सरकार पर प्रहार करते हुए उस पर राज्य के मदरसों में बांग्लादेशियों को शरण देने तथा उनके लिए आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, गैस कनेक्शन, राशन कार्ड और भूखंड सुनिश्चित करने का आरोप लगाया। नड्डा ने यह कहते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा कि वह ओबीसी के 'चैंपियन' बनना चाहते हैं। उन्होंने उनसे सवाल किया कि राजीव गांधी फाउंडेशन एवं राष्ट्रीय सलाहकार समिति में कितने ओबीसी सदस्य रहे हैं। कहा, अभी मुझे खुफिया रिपोर्ट मिली है।

महाराष्ट्र की परियोजनाएं गुजरात में ट्रांसफर होने से नौकरियां हुई खत्म

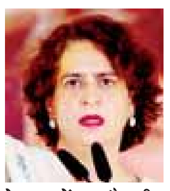

मुंबई,(पंजाब केसरी): कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को सत्तारूढ़ भाजपा की नीतियों की आलोचना की और दावा किया कि कुछ बड़ी परियोजनाओं के गुजरात में स्थानांतरित होने के कारण महाराष्ट्र में नौकरियां खत्म हो गई हैं। गढ़चिरौली में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के नेता वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने और समाज का ध्रुवीकरण करने का प्रयास कर रहे हैं। राज्य की महायुति सरकार की प्रमुख योजना 'लाडकी बहिन' को लेकर उस पर निशाना साधते हुए प्रियंका ने कहा कि महिलाओं को बेहतर जीवन के लिए वोट देना चाहिए, न कि इसलिए कि उन्हें प्रति माह 1,500 रुपये मिल रहे हैं। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि अगर विपक्षी गठबंधन एमवीए सत्ता में आता है, तो वह सोयाबीन की फसल के लिए किसानों को 7,000 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी देगा। प्रियंका ने दावा किया कि महाराष्ट्र में 2.5 लाख से ज्यादा पद खाली हैं। फॉक्सकॉन, एयरबस परियोजनाओं को गुजरात में स्थानांतरित करने के कारण राज्य में नौकरियां खत्म हो गई हैं। कहा, लोग प्रयास कर रहे हैं, नये कौशल सीख रहे हैं, लेकिन फिर भी उन्हें नौकरी नहीं मिल पा रही। सरकार को इस पर प्राथमिकता से ध्यान देना चाहिए था, लेकिन वह इन पदों को भरने में विफल रही है। उन्होंने महाराष्ट्र में युवाओं की आत्महत्या को रोजगार के अवसरों की कमी से जोड़ने की भी कोशिश की। देश में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा युवा आत्महत्या कर रहे हैं।

भाजपा पर भड़की, कहा सुरक्षित सिर्फ एक : प्रियंका ने भाजपा नेताओं द्वारा लगाए गए नारे एक हैं तो सेफ हैं पर कहा कि 'सेफ' शब्द के दो अर्थ हैं-सुरक्षित और खजाना। लेकिन इस देश में सही मायने में सुरक्षित सिर्फ अडाणी ही है। पूरा देश जानता है कि अडाणी ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी सरकारी खजाने तक पहुंच है, जबकि आम नागरिक संघर्ष कर रहे हैं। हवाईअड्डों, बंदरगाहों और कुछ प्रमुख कंपनियों पर अडाणी का नियंत्रण है और सरकारी नीतियां भी एक व्यक्ति के पक्ष में हैं।

समाज के ध्रुवीकरण के लिए विभाजनकारी नारे लगा रहे हैं भाजपा नेता : खड़गे

उमरेड (नागपुर),(पंजाब केसरी): कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को दावा किया कि भाजपा के कुछ नेताओं द्वारा विभाजनकारी नारे लगाना समाज का ध्रुवीकरण करने का प्रयास है और ऐसा होने नहीं दिया जाना चाहिए। नागपुर के उमरेड में एक रैली को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा कि भाजपा नेता पहले से ही समाज को बांटने का प्रयास कर रहे हैं और समाज का ध्रुवीकरण करने के लिए 'बंटेंगे तो कटेंगे' जैसे नारे लगा रहे हैं। हालांकि, ऐसे नारों पर महायुति नेताओं में एकराय नहीं है। इस तरह का ध्रुवीकरण नहीं होने देना चाहिए। खड़गे ने यह भी कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज और डॉ. बी आर आंबेडकर को किसी खास समुदाय तक सीमित करना सही नहीं है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस और उसके नेताओं ने देश की एकता के लिए अपनी जान न्यौछावर की है जबकि भाजपा और आरएसएस ने देश में कोई योगदान नहीं दिया है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव महत्वपूर्ण हैं क्योंकि मौजूदा सरकार को हराने की जरूरत है जो चोरी और डरा-धमकाकर सत्ता में आयी है। उन्होंने दावा किया, जो भाजपा नीत गठबंधन में शामिल होने के लिए हमें छोड़कर चले गए थे, उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों के डर से ऐसा किया था। खड़गे ने कहा कि गुजरात में 24 साल तक एक व्यक्ति'' का शासन रहा और उन्होंने सवाल किया कि उस राज्य में अब भी गरीबी क्यों है। उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र में जो भी विकास हुआ है, वह कांग्रेस सरकारों की वजह से हुआ है। मोदी प्रधानमंत्री इसलिए बने क्योंकि हमने संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की, अन्यथा वह आज चाय बेच रहे होते। अगर संविधान नहीं होता तो मेरे जैसा व्यक्ति कहीं परिश्रम कर रहा होता।

भाजपा चाहती है कि मणिपुर जलता रहे

मणिपुर में ताजा हिंसा भड़कने के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी चाहती है कि मणिपुर जलता रहे क्योंकि इससे उनकी घृणास्पद विभाजनकारी राजनीति का मकसद पूरा होता है। कहा, राज्य के लोग कभी माफ नही करेंगे और न ही यह भूलेंगे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया और उनकी परेशानियों को दूर करने के लिए कभी उनके राज्य में कदम नही रखा। कांग्रेस अध्यक्ष ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''नरेन्द्र मोदी जी आपकी डबल इंजन सरकारों के शासन में 'न तो मणिपुर एक है, न ही मणिपुर सुरक्षित है'।'' उन्होंने कहा, मई 2023 से यह अकल्पनीय दर्द, विभाजन और हिंसा से जूझ रहा है, जिसने इसके लोगों के भविष्य को नष्ट कर दिया है। हम पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहे हैं कि ऐसा लगता है कि भाजपा चाहती है कि मणिपुर जलता रहे क्योंकि इससे उसकी घृणित विभाजनकारी राजनीति का मकसद पूरा होता है।

सांसदों की अयोग्यता से जुड़े कानून में बदलाव करना चाहती है सरकार

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): सरकार 65 साल पुराने उस कानून को निरस्त करने की योजना बना रही है, जो लाभ के पद पर होने के कारण सांसदों को अयोग्य ठहराने का आधार प्रदान करता है। वह एक नया कानून लाने की योजना बना रही है, जो वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप हो। केंद्रीय विधि मंत्रालय के विधायी विभाग ने 16वीं लोकसभा में कलराज मिश्र की अध्यक्षता वाली लाभ के पदों पर संयुक्त समिति (जेसीओपी) द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर तैयार 'संसद (अयोग्यता निवारण) विधेयक, 2024' का मसौदा पेश किया है। प्रस्तावित विधेयक का उद्देश्य मौजूदा संसद (अयोग्यता निवारण) अधिनियम, 1959 की धारा-3 को युक्तिसंगत बनाना और अनुसूची में दिए गए पदों की नकारात्मक सूची को हटाना है, जिसके धारण पर किसी जनप्रतिनिधि को अयोग्य ठहराया जा सकता है। इसमें मौजूदा अधिनियम और कुछ अन्य कानूनों के बीच टकराव को दूर करने का भी प्रस्ताव है, जिनमें अयोग्य न ठहराए जाने का स्पष्ट प्रावधान है। मसौदा विधेयक में कुछ मामलों में अयोग्यता के ''अस्थायी निलंबन'' से संबंधित मौजूदा कानून की धारा-4 को हटाने का भी प्रस्ताव है। इसमें इसके स्थान पर केंद्र सरकार को अधिसूचना जारी करके अनुसूची में संशोधन करने का अधिकार देने का भी प्रस्ताव है।

कुछ अन्य कानूनों के बीच टकराव को दूर करने का भी प्रस्ताव आ सकता है

मसौदा विधेयक पर जनता की राय मांगते हुए विभाग ने याद दिलाया कि संसद (अयोग्यता निवारण) अधिनियम, 1959 इसलिए बनाया गया था कि सरकार के अधीन आने वाले लाभ के कुछ पद अपने धारकों को संसद सदस्य बनने या चुने जाने के लिए अयोग्य नहीं ठहराएंगे। हालांकि, अधिनियम में उन पदों की सूची शामिल है, जिनके धारक अयोग्य नहीं ठहराए जाएंगे और उन पदों का भी जिक्र है, जिनके धारक अयोग्य करार दिए जाएंगे। संसद ने समय-समय पर इस अधिनियम में संशोधन किए हैं। सोलहवीं लोकसभा के दौरान की संयुक्त संसदीय समिति ने इस कानून की व्यापक समीक्षा करने के बाद एक रिपोर्ट पेश की।

क्रिस राइट होंगे ट्रंप के नए ऊर्जा मंत्री

वाशिंगटन, (एजेंसी) : अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'लिबर्टी एनर्जी' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस राइट को ऊर्जा मंत्री नामित किया है। डेनवर स्थित 'लिबर्टी एनर्जी' ऊर्जा क्षेत्र की एक बड़ी कंपनी है। राइट जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों पर अपनी बातों को हमेशा से मुखरता से रखते आए हैं और वह जीवाश्म ईंधन को बढ़ावा दे सकते हैं। राइट को ऊर्जा मंत्रालय का प्रमुख बनाने के निर्णय का तेल एवं गैस टाइकून हेरोल्ड हैम ने भी समर्थन किया है। रिपब्लिकन पार्टी के सांसद जॉन बैरासो ने क्रिस के अनुमोदन को उचित करार दिया है। बैरासो को ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया जा सकता है। ट्रंप ने एक बयान में कहा, 'ऊर्जा मंत्री के रूप में, क्रिस एक प्रमुख नेता होंगे, जो नवाचार को आगे बढ़ाएंगे, लालफीताशाही को कम करेंगे।

लेबनान : इजराइली हवाई हमलों में 11 की मौत

बेरूत, (आईएएनएस): ईरान समर्थित हिजबुल्ला के खिलाफ लेबनान में इजराइल का कहर जारी है। दक्षिण और पूर्वी लेबनान में ताजा इजराइली हवाई हमलों में 11 लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए।

शनिवार को आधिकारिक राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) के अनुसार, पूर्वी बालबेक-हर्मेल गवर्नमेंट के ख्रीबेह गांव में एक घर पर इजराइली हमले में एक ही परिवार के छह लोग मारे गए और 11 अन्य घायल हो गए। इसके अलावा, नाबातिया नगरपालिका के गोदाम पर हुए हमले में पांच कर्मचारियों की मौत हो गई।

सैन्य सूत्रों के अनुसार, शनिवार को इजराइली युद्धक विमानों और ड्रोन ने दक्षिण और पूर्वी लेबनान के गांवों और कस्बों पर लगभग 90 हमले किए। इसके अलावा, 16 गांवों पर लगभग 75 गोले दागे गए।

इसके अलावा रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी लेबनान में इजरायली हमलों में तीन पैरामेडिक्स की मौत हो गई और 11 अन्य लोग घायल हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार हिजबुल्ला ने शनिवार को एक बयान में बताया कि उन्होंने दक्षिणी लेबनान के चामा गांव में एक इजरायली टैंक को मिसाइल से निशाना बनाया, जिससे उसमें सवार सैनिक हताहत हुए। उन्होंने इजराइली सैनिकों और वाहनों के ठिकानों को भी मिसाइल और रॉकेट से निशाना बनाया। इनमें उत्तर इजरायल के शहरों जैसे अकरे, हैफा, सफेद और किर्यात शमोना शामिल हैं। लेबनान स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 8 अक्टूबर 2023 से अब तक इजरायली हमलों में 3,452 लोग मारे गए और 14,664 लोग घायल हुए हैं।

मारा गया हिजबुल्ला का मुख्य प्रवक्ता

तेल अवीव, (एपी) : चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला का मुख्य प्रवक्ता मध्य बेरूत में इजराइली हमले में मारा गया। हिजबुल्ला के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि रविवार को हुए हमले में हिजबुल्ला के मुख्य प्रवक्ता मोहम्मद अफीफ की मौत हो गई। सितंबर में इजराइल की सैन्य कार्रवाई में वृद्धि होने और लंबे समय से हिजबुल्ला के नेता रहे हसन नसरल्ला के मारे जाने के बाद, अफीफ अपने संगठन का मीडिया में पक्ष रख रहा था।

कैलाश गहलोत का इस्तीफा भाजपा की षड्यंत्रकारी राजनीति का हिस्सा हैः संजय सिंह

ईडी-सीबीआई का छापा डलवाकर कैलाश गहलोत पर बनाया गया दबाव

- भाजपा की वॉशिंग मशीन हुई सक्रिय, अब कई नेता इसके जरिए भाजपा में होंगे शामिल
- ईडी-सीबीआई के कई केस चलने की वजह से उन्होंने जेल जाने से बेहतर भाजपा में जाना उचित समझाः सिंह

भाजपा की स्क्रिप्ट बोल रहे गहलोत

संजय सिंह ने कहा कि कैलाश गहलोत ऐसी बात कर नहीं सकते हैं क्योंकि वह पांच साल तक खुद सरकार का हिस्सा रहे हैं। वह आम आदमी पार्टी का हिस्सा रहे हैं। अब जो बोल रहे हैं यह सारी भाजपा की स्क्रिप्ट है। वह जिस तरह की स्क्रिप्ट बनाकर देगी और जिस तरह का षड़यंत्र उन्होंने कैलाश गहलोत के खिलाफ किया है, उन्हें अब उसी तरह से बोलना पड़ेगा।

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): आप आदमी पार्टी (आप) नेता व परिवहन कैलाश गहलोत के इस्तीफे को आप ने भाजपा की बड़ी साजिश बताया है। भाजपा पर हमला बोलते हुए आप नेता संजय सिंह ने कहा कहा कि कैलाश गहलोत का इस्तीफा भाजपा की गंदी राजनीति और षड्यंत्र का हिस्सा है।

कैलाश गहलोत के ऊपर ईडी-सीबीआई का छापा डलवाकर दबाव बनाया गया और अब जो स्क्रिप्ट भाजपा की तरफ से उन्हें दी गई है, वह उसी हिसाब से बोल रहे हैं। दिल्ली चुनाव से पहले भाजपा की वाशिंग मशीन सक्रिय हो गई है। अब कई नेता इस मशीन के जरिए भाजपा में शामिल किए जाएंगे। वहीं पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि कैलाश गहलोत और उनके परिवार पर ईडी-सीबीआई के कई केस चल रहे हैं। इसलिए उन्होंने जेल जाने से बेहतर भाजपा में जाना समझा।

आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि चुनाव चल रहे हैं और भाजपा के गंदे षड़यंत्र शुरु हो चुके हैं। ईडी और सीबीआई एक्टिव हो चुकी है। कैलाश गहलोत के ऊपर ईडी-सीबीआई के कई मामले चल रहे थे। उनके परिवार पर भी चल रहे थे। इसलिए उन्होंने जेल के संघर्ष से बेहतर भाजपा में शामिल होना समझा। 14-15 घंटे पहले उनके सोशल मीडिया अकाउंट देखिए तो वह आम आदमी पार्टी के लिए ही काम कर रहे थे। ईडी और सीबीआई सक्रिय हो चुकी हैं क्योंकि चुनाव शुरु हो गए हैं और भाजपा वही अपनी गंदी राजनीति पर उतारू है। उनके भी दो बड़े नेता आज आम आदमी पार्टी ज्वाइन कर रहे हैं, तो यह लगा रहेगा।

वहीं, आप नेता दुर्गेश पाठक ने कहा पिछले कई महीने से कैलाश गहलोत के ऊपर हर दिन ईडी के दफ्तर बुलाया जाता था। उनको ईडी और आईटी की रेड का सामना करना पड़ता था। उनके पास कोई और रास्ता नहीं था। उन्हें भाजपा में ही जाना था। इससे एक चीज साफ हो गई कि भाजपा दिल्ली का चुनाव हार चुकी है। आज उनके पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। उनके पास बताने के लिए कोई चीज नहीं है। वो दिल्ली में ईडी-सीबीआई, इनकम टैक्स के माध्यम से चुनाव लड़ रही है और हम लोग दिल्ली के लोगों के काम करने वाली राजनीति के नाम पर वोट मांग रहे हैं। भाजपा पूरी तरह से यह चुनाव हार चुकी है। इससे इस बात का पूरा संकेत मिलता है।

भाजपा नेता और दो बार विधायक रहे अनिल झा आप में शामिल

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल अनिल झा को पार्टी में शामिल करवाते।

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): पूर्वांचल समाज से आने वाले दिल्ली भाजपा के नेता और दो बार विधायक रहे अनिल झा रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री व आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आप में शामिल होने के बाद अनिल झा ने कहा कि मेरा यह सौभाग्य है कि लोकतंत्र के प्रहरी अरविंद केजरीवाल से प्रभावित होकर मैं आप में शामिल हो रहा हूं। उन्होंने कहा कि वह 32 वर्ष तक एक अन्य पार्टी में रहे हैं लेकिन आज केजरीवाल से प्रभावित होकर उनके साथ आया हूं। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की कॉलोनियों में सड़क, सीवर, पानी की पाइप लाइन, मोहल्ला क्लीनिक, स्वास्थ्य शिक्षा जैसी सुविधाएं दी हैं। केजरीवाल ने पूर्वांचल के लोगों, पिछड़ों व दलितों के लिए दिल्ली के अंदर सामाजिक न्याय का तना-बना बुना। उन्होंने पूर्वांचल के लोगों के लिए बहुत काम किया है। वहीं अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यदि दिल्ली में पूर्वांचल के नेताओं की बात की जाए तो उनमें सबसे बड़े नेताओं में से अनिल झा एक हैं। केजरीवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश और बिहार में जब हमारे भाई बहनों को अच्छी शिक्षा नहीं मिलती, रोजगार नहीं मिलता तो वे दिल्ली की ओर अपना रुख करते हैं। उन्होंने कहा कि कच्ची कॉलोनियों में सबसे ज्यादा पूर्वांचल समाज के लोग रहते हैं। पूर्वांचल समाज के लोगों के साथ कांग्रेस व भाजपा दोनों पार्टियों ने राजनीति करने के सिवाय कोई काम नहीं किया। कच्ची कॉलोनियों में सीवर की कोई व्यवस्था नहीं थी। पीने का पानी नहीं था, स्वास्थ्य सुविधा नहीं थी, घुटनों तक पानी जमा हो जाता था। हमने यहां विकास किया।

गहलोत का इस्तीफा व उनके सवाल मायने रखते हैंः सचदेवा

संयुक्त प्रेसवार्ता करते हुए वीरेन्द्र सचदेवा, हर्ष मल्होत्रा, प्रवीण शंकर कपूर।

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा और केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने रविवार को एक संयुक्त प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार के मंत्री कैलाश गहलोत ने अपने मंत्री पद से इस्तीफा देते हुए जो पत्र लिखा है उसमें अरविंद केजरीवाल के आवास निर्माण एवं यमुना की सफाई के कार्य में हुए घोटालों के मुद्दों को उठाया है जो आप सरकार से जवाब मांगते हैं, लेकिन वह विषय को भटकाने कोशिश कर रहे हैं, अब उनकी विदाई का समय आ गया है।

प्रेसवार्ता का संचालन कर रहे मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि पहले मंत्री राजकुमार आनंद ने इस्तीफा दिया जिन्होंने सरकार में भ्रष्टाचार एवं अनुसूचित जाति विरोधी रवैये को उठाया था और अब फिर एक बार मंत्री कैलाश गहलोत ने इस्तीफा दे दिया है। राजनीतिक क्षेत्र में इस्तीफा देना कोई नई बात नहीं है, लेकिन जो सवाल कैलाश गहलोत ने पूछे हैं, वह जरूर चौकाने वाले हैं। भाजपा लगातार जिन मुद्दों को लेकर केजरीवाल के खिलाफ जनता की आवाज बनकर उठाती रही है, उन्हीं में से कुछ मुद्दों को कैलाश गहलोत ने अपना इस्तीफा देते हुए लिखा है, जो दिखाता है कि दिल्ली का विकास चाहने वाला कोई भी दिल्लीवासी आप के भ्रष्टाचार में सहभागी नहीं बनेगा। आप का भ्रष्टाचार रूपी जहाज अब डूबने वाला है जिसे केजरीवाल नहीं रोक पाएंगे।

हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि हम सब ने अभी महापौर के चुनाव में देखा कि आप के आठ पार्षदों ने क्रास वोटिंग बिना इनकी पार्टी छोड़े किया। राजकुमार आनंद और गहलोत मंत्री होते हुए इस्तीफा दिया है इसका सबसे बड़ा कारण आप के अंदर का तानाशाही का रवैया है जिसके कारण आप के विधायक, पार्षदों का दम घुट रहा है।

कैलाश गहलोत के सारे विभाग संभालेंगी मुख्यमंत्री आतिशी

सीएम आतिशी ने एलजी को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता कैलाश गहलोत के मंत्री पद और पार्टी से इस्तीफा देने के बाद उनके सभी विभागों की जिम्मेदारी अब मुख्यमंत्री आतिशी संभालेंगी। आतिशी सरकार में कैलाश गहलोत के पास परिवहन विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी थी। इसके अलावा गहलोत के पास प्रशासनिक सुधार, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, गृह, महिला और बाल विकास मंत्रालय भी था।

आतिशी

गहलोत के इस्तीफे के बाद उनके सभी मंत्रालयों का कामकाज अब दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी देखेंगी। मुख्यमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार कैलाश गहलोत द्वारा संभाले जा रहे सभी विभाग सीएम आतिशी के पास ही रहेंगे। एलजी वीके सक्सेना को इसका प्रस्ताव भेजा गया है। बता दें कि कैलाश गहलोत दिल्ली के परिवहन, प्रशासनिक सुधार, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, गृह और महिला एवं बाल विकास मंत्री थे,उन्होंने रविवार को मंत्रिपरिषद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया। वह नजफगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से प्रतिनिधित्व करते हैं और आम आदमी पार्टी राजनीतिक दल के सदस्य थे। 1 फरवरी 2015 से वे दिल्ली की छठी विधानसभा के सदस्य बने थे।

आम आदमी पार्टी का जहाज अब डूब रहा हैः देवेन्द्र यादव

आप पार्टी का भ्रष्टाचार उजागर हो रहा है...

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा है कि कैलाश गहलोत के इस्तीफे से साबित हो गया है कि आप का जहाज डूब रहा है व जनता का विश्वास उठने से मंत्री और विधायक लगातार पार्टी छोड़कर भाग रहे है। दिल्ली में निर्वाचित जन प्रतिनिधियों का लगातार केजरीवाल का साथ छोड़ना यह साबित करता है कि जल्द आप का जहाज डूबने वाला है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार और

देवेन्द्र यादव

केजरीवाल की स्वयंभू नीति और दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली का विकास करने की जगह भाजपा से लड़ाई में बर्बाद करने जैसे आदि विषयों के तहत दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने आप की प्राथमिक सदस्यता और मंत्री पद से इस्तीफा देकर पार्टी में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर किया है। यादव ने आगे कहा कि कैलाश गहलोत ने अपने इस्तीफे में यमुना में गंदगी, सफाई में करोड़ो का भ्रष्टाचार और शीश महल के भ्रष्टाचार का भी जिक्र किया है। आप के मंत्री, विधायक या तो जेल जा रहे है या ईडी/सीबीआई के डर से पार्टी छोड़कर भाग रहे है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी पूरी तरह भ्रष्टाचार के आंकठ में डूब चुकी है।

गहलोत का इस्तीफा आप के टूटने का संकेत : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली सरकार के मंत्री कैलाश गहलोत के इस्तीफे पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कुछ समय पहले राजकुमार आनंद और अब कैलाश गहलोत का इस्तीफा देना आप के टूटने और बिखरने का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने कहा कि आप के अपने ही नेता और मंत्री पार्टी के रहनुमाओं की कार्यप्रणाली से खुश नहीं हैं और अंदर ही अंदर घुटन महसूस कर रहे हैं। आप अब डूबता हुआ जहाज है और अब पार्टी के मंत्री तक समझ चुके हैं कि पार्टी के कुछ बड़े नेताओं के निजी स्वार्थ पार्टी के उद्देश्यों पर भारी पड़ने लगे हैं। उन्होंने कहा कि गहलोत खुद ही अब महसूस कर रहे हैं कि पार्टी द्वारा दिल्ली की जनता से किये गए वादे पूरे नहीं किये गए हैं। गहलोत ने केजरीवाल द्वारा यमुना को साफ न करने के वादे पर टिप्पणी करते हुए इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया है। उन्होंने कहा कि जिन मुद्दों को हमारी पार्टी हर मंच पर लगातार उठाती रही है।

आप के कई और बड़े नेता पार्टी को छोड़ सकते हैं : बिधूड़ी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दक्षिणी दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि जैसे-जैसे दिल्ली विधानसभा चुनाव निकट आ रहे हैं, आम आदमी पार्टी में भगदड़ मचना शुरू हो गई है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को भी यह लगने लगा है कि जनता को धोखा देने के कारण अब पार्टी का पतन निश्चित हो चुका है। आने वाले दिनों में कई और बड़े नेता भी पार्टी छोड़ सकते हैं। बिधूड़ी ने कहा कि कैलाश गहलोत ने यमुना की सफाई, सीएम आवास सौंदर्यीकरण और घोटालों के मुद्दे उठाए हैं और आप का कोई भी नेता इन मुद्दों पर बात करने के लिए तैयार नहीं है। यही सवाल तो भाजपा भी दिल्ली सरकार से पूछ रही है, लेकिन इन सवालों से वे हमेशा भागते रहे हैं। अब पार्टी के भीतर ही ऐसी स्थिति बन गई है कि जल्दी ही इस पार्टी की स्थिति कांग्रेस से भी बदतर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में आप का दामन छोड़ने वालों की संख्या बढ़ेगी।

'ईडी के डर से गहलोत पर पार्टी छोड़ने का आरोप गलत'

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आप नेता संजय सिंह के बयान पर कहा कि यह शर्मनाक हैं कि कल तक जो कैलाश गहलोत या राजकुमार आनंद आप के नवरत्न थे, उनके पार्टी छोड़ते ही उन्हें ईडी के डर से पार्टी छोड़ने वाला बताकर टीम आप उनका चरित्र हनन कर रही है और दर्शा रही है कि वह कमजोर निकले। सचदेवा ने कहा है कि टीम आप की पूरी राजनीति दूसरों के चरित्र हनन और मौका परस्ती पर आधारित है। दिल्ली में 2010-12 में चरित्र हनन की उनकी राजनीति का पहला शिकार कांग्रेस बनी थी, मगर रातों रात उन्होंने उसी कांग्रेस से मिलकर 2013 में सरकार बना डाली थी। 2010-12 के बीच लालू यादव से शरद पवार तक जिस जिस को चोर कहा आज वो सब टीम आप के आदर्श पुरुष हैं। टीम आप अपनी उसी चरित्र हनन की राजनीति का शिकार हर उस नेता को बनाती है, जो उनकी पार्टी छोड़ जाता है या उन पर सवाल उठाता है।

आज का सुविचार

दुनिया में सिर्फ दिल ही है जो बिना आराम किए काम करता है, इसलिए उसे खुश रखो, चाहे अपना हो या अपनों का।

-सुरेन्द्र कुमार

इतिहास के झरोखे से...

18 नवंबर को आईएनएस विराट भारतीय नौसेना में हुआ था शामिल

नई दिल्ली (पंजाब केसरी): अतीत के झरोखे में झांकने पर पता चलता है कि 18 नवंबर की तारीख में कई ऐतिहासिक घटनाएं समाहित हैं। आज ही के दिन 18 नवंबर 2017 को हरियाणा की बेटी मानुषी छिल्लर ने मिस वर्ल्ड का खिताब जीतकर ऐश्वर्या राय और प्रियंका चोपड़ा की परंपरा को आगे बढ़ाया। आज के दिन की कई अन्य खास घटनाएं शायद जिनसें हम अनजान हैं, 18 नवंबर 1727 को महाराजा जय सिंह द्वितीय ने जयपुर शहर की स्थापना की। बंगाल के विद्यासागर चक्रवर्ती इस शहर के वास्तुकार थे। 1948 : बिहार की राजधानी पटना के निकट स्टीमर 'नारायणी" के दुर्घटनाग्रस्त होने से पांच सौ लोग डूबे। 1959 : विमानवाहक पोत एचएमएस हर्मुज़ को ब्रिटिश रॉयल नेवी में शामिल किया गया, जिसे 1984 में सेवामुक्त करके भारत को बेच दिया गया। 1987 में इसे आईएनएस विराट के रूप में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। 1976 : स्पेन की संसद ने 37 बरस की तानाशाही के बाद देश में लोकतंत्र की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी। 1978 : दक्षिण अफ्रीका के गुयाना में एक धार्मिक समुदाय पीपुल्स टैंपल क्रिश्चियन चर्च के सदस्यों ने सामूहिक रूप से आत्महत्या कर ली। 2013 : अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगल ग्रह पर अंतरिक्ष यान भेजा। 18 नवंबर 1910 को जन्में बटुकेश्वर दत्त भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक महान क्रांतिकारी थे।

भाजपा सांसद बिधूड़ी ने किया आगरा-गुड़गांव नहर पर दो पुलों का उद्घाटन

पौने दो साल में बनकर तैयार हुए दोनों पुल, जाम से मिलेगी मुक्ति

पुलों का लोकार्पण कर जनता को समर्पित करते भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी।

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दक्षिणी दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने रविवार को बदरपुर क्षेत्र के मीठापुर चौक के समीप आगरा नहर और गुड़गांव नहर पर बने दो नए पुलों का उद्घाटन किया। इन पुलों को जनता के लिए खोले जाने के बाद अब दक्षिणी दिल्ली में जाम की समस्या से निजात मिल जाएगी। दिल्ली के साथ-साथ हरियाणा और उत्तर प्रदेश के लोगों को भी इन पुलों से काफी राहत मिलेगी। खासकर सुबह नौकरीपेशा लोगों को भी भारी जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। उद्घाटन के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए बिधूड़ी ने बताया कि ये पुल अंग्रेजों के जमाने से बने हुए थे और यहां अक्सर भयंकर जाम की स्थिति रहती थी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी एवं राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा जी का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी तरफ से यह दिल्ली की जनता को एक बड़ा तोहफा है। केंद्र सरकार ने इस योजना के लिए 15 करोड़ रुपए उपलब्ध कराए थे, जबकि केवल पौने दो साल के भीतर ही इन पुलों का निर्माण उत्तर प्रदेश और हरियाणा सरकारों ने कराया। उन्होंने इसके लिए दोनों राज्य सरकारों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। बिधूड़ी ने कहा कि अब दिल्ली के साथ-साथ हरियाणा और उत्तर प्रदेश के लोगों को जाम की समस्या से मुक्ति मिल गई है। पिछले सप्ताह ही सांसद ने आली गांव के निकट 12 लेन के नेशनल हाईवे का भी उद्घाटन किया था। इन दोनों परियोजनाओं से जनता को बहुत लाभ होगा।

नासिक से चलकर दिल्ली पहुंची कांदा एक्सप्रेस

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्याज की खपत के लिए, नासिक से प्याज लेकर कांदा एक्सप्रेस रेलगाड़ी रविवार को दिल्ली के किशनगंज स्टेशन पहुंची। विभिन्न क्षेत्रों में समय-समय पर प्याज की विश्वसनीय और कम खर्च पर आपूर्ति के लिए रेल रेक द्वारा प्याज का बड़े पैमाने पर परिवहन किया जाता है। इस पहल से नासिक क्षेत्र के प्याज किसानों को थोक परिवहन के माध्यम से अतिरिक्त राजस्व का समर्थन मिला है। रेल परिवहन में यह रणनीतिक बदलाव न केवल प्याज की कीमतों को स्थिर करके उपभोक्ताओं का समर्थन करता है, बल्कि सहकारी समितियों को सड़क के लागत प्रभावी परिवहन विकल्प को प्रदान करता है। रेलवे द्वारा किसानों को शीघ्र खराब होने वाली वस्तुओं को सीधे भेजने के लिए, शेतकरी समृद्धि की शुरुआत की हुई हैं। रेल द्वारा इतने बड़े पैमाने पर प्याज की ढुलाई से दिल्ली में प्याज की उपलब्धता में वृद्धि होगी। इस पहल से प्याज की आवक बढ़ेगी, मंडियो मे प्याज की खुदरा मूल्य स्थिर होंगी।

पार्क पर अतिक्रमण को लेकर एनजीटी ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दक्षिणी दिल्ली के हौज खास में कौशल्या पार्क के अतिक्रमण के बारे में विस्तृत जानकारी देने में विफल रहने पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के प्रति असंतोष व्यक्त किया है। अधिकरण पार्क परिसर में अवैध कब्जे और अवैध निर्माण के संबंध में एक याचिका पर विचार कर रहा था। कार्यवाही के दौरान, अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव, न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति अरुण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल की पीठ ने एमसीडी की सुस्त प्रतिक्रिया के लिए आलोचना की। नागरिक निकाय ने छह नवंबर को एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसे अधिकरण ने अपर्याप्त पाया। एनजीटी ने कहा कि रिपोर्ट में पार्क के बारे में विशिष्ट विवरणों का अभाव था, जैसे कि भूमि की प्रकृति और उसका निर्दिष्ट उद्देश्य। न्यायाधिकरण ने कहा कि एमसीडी द्वारा दाखिल जवाब में कौशल्या पार्क, संबंधित भूमि की प्रकृति का विवरण

नहीं दिया गया है, तथा आवेदक की चिंताओं को पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं किया गया है कि इसे सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए लॉन ए और बी के रूप में नामित किया गया है। इसके अतिरिक्त, एनजीटी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एमसीडी की रिपोर्ट पार्क के भीतर अनधिकृत कब्जेदारों और निर्माण गतिविधियों के आरोपों का जवाब देने में विफल रही। इस चूक के कारण एमसीडी से अधिक विस्तृत प्रतिक्रिया की मांग की गई है। हालांकि आलोचना के बाद, न्यायाधिकरण ने एमसीडी के वकील के इस अनुरोध को स्वीकार कर लिया, कि याचिका में उठाए गए सभी मुद्दों को संबोधित करने वाला एक व्यापक उत्तर दाखिल करने का अवसर दिया जाए।

दिल्ली की हलचल

गुरु नानक देव की स्मृति में नगर कीर्तन

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): गुरु नानक देव की स्मृति में आयोजित नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। यह नगर कीर्तन आनंद विहार गुरुद्वारा से शुरु हुआ और जागृति एन्क्लेव, हरगोविंद एन्क्लेव, पुष्पांजली बाहुबलि पार्क, विज्ञान विहार, सविता विहार, यमुना कॉम्प्लेक्स होते हुए वापस आनंद विहार आकर संपन्न हुआ। इस अवसर पर अधिवक्ता सुखप्रीत सिंह मल्होत्रा, भाजपा जिलाध्यक्ष संजय गोयल, पार्षद मोनिका पंत, जस्मीन सिंह नोंनी, गोर्वे पारुती, गुरुद्वारा आनंद विहार के अध्यक्ष कुलदीप, गुरुद्वारा आनंद विहार के सचिव बिंदु व गुरदीप सिंह गिल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। नगर कीर्तन में समुदाय के उत्साही सदस्यों ने भाग लिया और लंगर सेवा का आनंद लिया, जो गुरु नानक देव की आत्मीय सेवा की शिक्षाओं का प्रतीक है। अधिवक्ता सुखप्रीत मल्होत्रा ने गुरु नानक देव के तीन शक्तिशाली संदेश, ईमानदारी से आजीविका कमाओ, नाम जापो यानि भगवान का नाम याद करो और जपो, व वांड शको यानि कि दूसरों के साथ साझा करो और जरूरतमंदों की सहायता करो आदि।

'रेजांगला के शहीदों का बलिदान अमर है'

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा रविवार की सुबह अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा द्वारा जंतर-मंतर पर 1962 के भारत-चीन युद्ध के वीर शहीदों की स्मृति में आयोजित रेजांगला शहीद दिवस सभा में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में दिल्ली-एनसीआर के गणमान्य व्यक्तियों, पूर्व सैन्य अधिकारियों और समाजसेवियों ने शहीदों की वीरता और बलिदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया। सभा में उपस्थित प्रमुख अतिथियों ने भारतीय सेना की गौरवशाली परंपरा और यादव समाज के योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया। इसके अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा, समाज में एकता और सहयोग की भावना को प्रबल बनाने पर बल दिया। श्रद्धांजलि सभा में लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) मनोज यादव, कैप्टन रामचंद्र, महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश यादव, महासचिव हेमंत यादव, दिल्ली के अध्यक्ष महेंद्र यादव व उपाध्यक्ष और दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख थानसिंह यादव, नीरू यादव और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने रेजांगला में चीनी सैनिकों को खदेड़ने वाले सैनिकों की गौरवगाथा पर प्रकाश डाला।

एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने सरोजनी नगर मार्केट का किया निरीक्षण

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने रविवार को सरोजनी नगर मार्केट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सरोजनी नगर मार्केट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उपाध्यक्ष का स्वागत किया और साथ ही कुलजीत चहल ने व्यापारियों के साथ चर्चा की और उनकी आवश्यकताओं, शिकायतों और एनडीएमसी सेवाओं से जुड़ी समस्याओं को समझा। निरीक्षण के दौरान पाया गया की बड़े पैमाने पर अतिक्रमण, अपर्याप्त स्वच्छता और खराब रखरखाव आदि शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान सार्वजनिक शौचालय में भी अतिक्रमण पाया गया। उन्होंने पूरे बाजार का दौरा किया और उन क्षेत्रों का निरीक्षण किया, जहां सफाई और व्यवस्था बहाल करने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। निरीक्षण के दौरान चहल के साथ एनडीएमसी के अधिकारी और पदाधिकारी भी मौजूद थे। उन्होंने संबंधित विभाग प्रमुखों (एचओडी) को इन समस्याओं को तुरंत और प्रभावी तरीके से हल करने के सख्त निर्देश दिए। व्यापारियों को संबोधित करते हुए चहल ने कहा सरोजिनी नगर मार्केट आर्थिक गतिविधियों का केंद्र और नई दिल्ली का एक प्रमुख स्थल है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि केजरीवाल के क्षेत्र में होने के बावजूद, व्यापारियों ने मुझे बताया कि उन्होंने कभी इस मार्केट का दौरा नहीं किया। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ, जीवंत और समावेशी भारत के विजन के तहत इस मार्केट को बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चहल ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि एनडीएमसी इस मार्केट का पुनर्विकास कर बेहतर सुविधाएं और बुनियादी ढांचा प्रदान करेगी।

कुलजीत सिंह चहल मार्केट एसोसिएशन के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए।

मुख्य सचिव ने पत्र लिखकर अधिकारियों को दिये निर्देश

कैबिनेट का फैसला लागू करने से पहले लें एलजी की राय

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली सरकार की कैबिनेट के फैसले को लेकर मुख्य सचिव धर्मेंद्र कुमार ने सरकार के सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिया है कि वह उस फैसले को लागू करने से पहले उपराज्यपाल की राय अवश्य लें। इस संबंध में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को पत्र भी लिखा है। जिसमें जिक्र किया है कि कैबिनेट की बैठक के लिए तैयार प्रस्ताव, उससे पहले उस पर चर्चा और लिए गए निर्णय के बाद जब उसे लागू करना हो तो उससे पहले सरकारी नियमों का पालन जरूर करें। दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव धर्मेंद्र कुमार ने पत्र में लिखा है कि कोई भी आदेश लागू करने से पहले मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के माध्यम से उसे उपराज्यपाल के सामने प्रस्तुत किया जाए। वहां से प्राप्त आदेश के बाद ही कैबिनेट के फैसले को लागू किया जाए। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया है कि सभी विभागों के सचिवों की जिम्मेदारी है कि वह इस संबंध में कैबिनेट नोट तैयार करते समय कामकाज के नियम का पालन करें।

कैबिनेट नोट तैयार करते समय उसमें स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए कि मंत्रिमंडल के निर्णय के आधार पर उसे लागू करने से पहले उपराज्यपाल की राय प्राप्त करने के लिए प्रावधान है या नहीं। पहले निर्देश दिया गया था कि कैबिनेट नोट तैयार करने के लिए सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। खासतौर से कैबिनेट नोट तैयार करते समय उसके क्रियान्वयन, वित्तीय खर्च और समय सीमा के तौर तरीकों को स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए।

शनि महाराज हुए मार्गी : होगी राजनीतिक उथल-पुथल

नई दिल्ली, (दिनेश शर्मा/पंजाब केसरी): विश्व स्तर पर मौसम और राजनीतिक स्तर पर उथल-पुथल मचाकर शनि महाराज वातावरण में मिला-जुला प्रभाव लाएंगे। ज्योतिष गणना के अनुसार गत 15 नवंबर, 2024 को शनि महाराज संध्या 7:51 पर अपनी स्वराशि कुंभ राशि में मार्गी हो गए। कुंभ मकर तथा मीन राशि में शनि की साढ़ेसाती व ढैया लगी है। कर्क व वृश्चिक राशि में शनि की ढैया लगी है। शनि मंदिरों में तेलाभिषेक हुए तथा रविवार को साधकों ने जल अर्पण करके शांति की कामना की। सनातन धर्मी साधक नवीन कुमार सिसोदिया ने बताया कि शनि के मार्गी होने से विश्व स्तर पर सभी राशियों पर असर होगा। छद्म युद्ध से भारी नुकसान, आतंकी ताकत को हानि, महंगाई व प्राकृतिक प्रकोपों के चलते धार्मिक आयोजनों से शांति का मार्ग प्रशस्त होगा। भारत का सम्मान बढ़ेगा। मेष राशि वाले तरक्की करेंगे। भाग्य साथ देगा।

दिल्ली का औसत न्यूनतम तापमान घटकर 13 डिग्री सेल्सियस, आईजीआई एयरपोर्ट के पास हल्का कोहरा होने से सुबह के वक्त न्यूनतम दृश्यता 500 मीटर, मध्यम स्तर का कोहरा होने पर दृश्यता 200 से 500 मीटर रही...

कोहरे की मोटी चादर के साथ गुलाबी ठंड की दस्तक

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली-एनसीआर में रविवार सुबह स्मॉग के साथ-साथ कोहरे की मोटी चादर छाई रही। इस वजह से रविवार सुबह दिल्ली का एयर इंडेक्स 429 दर्ज किया गया। राजधानी के कई इलाकों में एयर इंडेक्स 450 से ज्यादा पर पहुंच गया। साथ ही सफदरजंग के पास मध्यम स्तर का कोहरा होने से न्यूनतम दृश्यता 300 मीटर दर्ज की गई। आईजीआई एयरपोर्ट के पास हल्का कोहरा रहा। माना जा रहा है कि दिल्ली में अब गुलाबी ठंड की दस्तक हो गई है। राजधानी में ठंड बढ़ने लगी है। इस वजह से दिल्ली में शनिवार की सुबह इस सीजन में अब तक सबसे ठंडी रही। साथ ही स्मॉग के साथ-साथ कोहरे की चादर भी मोटी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में रविवार सुबह मध्यम स्तर का या घना कोहरा हो सकता है। इस वजह से मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। दो दिनों बाद दिल्ली का औसत न्यूनतम तापमान घटकर 13 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच सकता है। रविवार सुबह दिल्ली में सफदरजंग के पास मध्यम स्तर का कोहरा रहा। वहीं, आईजीआई एयरपोर्ट के पास हल्का कोहरा होने से सुबह के वक्त न्यूनतम दृश्यता 500 मीटर रही। मध्यम स्तर का कोहरा होने पर दृश्यता 200 से 500 मीटर तक होती है। घना कोहरा होने पर दृश्यता 50 से 200 मीटर तक ही रहती है। इससे परिवहन सेवाएं व विमानों की उड़ान अधिक प्रभावित हो सकती है।

औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 548 रहा...

फोटो: नीरज

कोहरे को लेकर वाहन चालकों को एडवाइजरी

मौसम विभाग ने लोगों को वाहन चलाते समय सतर्क रहने और फॉग लाइट का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। इसके बाद सोमवार व मंगलवार को हल्का या मध्यम स्तर का कोहरा होने की संभावना है। इस वजह से शनिवार की सुबह इस सीजन में अब तक सबसे अधिक ठंड रही। दिल्ली में उत्तर पश्चिम की तरफ से दस से 16 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चली। इस वजह से देश के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान दिल्ली रिज एरिया में 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लिहाजा, रिज एरिया सबसे ठंडी जगह रही।

दिल्ली में सांस लेना हुआ दुश्वार...

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): रविवार सुबह आठ बजे दिल्ली का एक्यूआई लेवल 477 था, जो शाम आठ बजे तक 548 हो गया। दिल्ली में आज सांस लेने की स्थिति प्रतिदिन 14.7 सिगरेट पीने के बराबर है। सरकारी वेबसाइट 'सफर" के अनुसार, रात साढ़े नौ बजे के आसपास दिल्ली का औसत एक्यूआई 457 था। मथुरा रोड पर यह स्तर 490, आईटीओ पर 477, मुंडका में 487, ओखला में 441, वजीरपुर में 483 और आनंद विहार में 475 था।

एक्यूआई डॉट इन के मुताबिक, राष्ट्रीय दिल्ली के अलावा देश के अन्य शहरों का एक्यूआई भी 500 के पार हो गया है। अलीपुर का 586, आनंद लोक का 586, आनंद पर्वत का 521, आनंद विहार 608, अशोक विहार फेज 1 का 539, बवाना औद्योगिक क्षेत्र का 534, भलस्वा लैंडफिल का 508, चाणक्य पुरी का 586, सिविल लाइंस का 514, कनॉट प्लेस का 536, दरियागंज का 536, डिफेंस कॉलोनी का 586, दिल्ली कैंट का 586, द्वारका सेक्टर 10 का 531, गाजीपुर का 508, ग्रेटर कैलाश का 586, आईटीआई शाहदरा का 608, कालकाजी का 646, पीजीडीएवी कॉलेज का 701 है। बता दें कि अक्टूबर से दिल्ली में प्रदूषण बढ़ रहा है।

इसके मुख्य कारण मौसम में ठंडक, हवा का धीमे बहना, पटाखे, पराली जलाना और वाहनों से होने वाला प्रदूषण हैं। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में पराली जलाने का असर दिल्ली पर भी पड़ता है। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने शुक्रवार को ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान का तीसरा चरण लागू किया था जबकि सोमवार से ग्रैप-4 लागू करने का निर्णय लिया गया है।

भाजपा कार्यालय में चुनाव संचालन समिति की बैठक

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): प्रदेश भाजपा द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए गठित चुनाव संचालन समिति एवं चुनाव संकल्प पत्र समिति की पहली बैठक रविवार को दिल्ली भाजपा कार्यालय में सम्पन्न हुईं। दोनों बैठकों की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने की।

दोनों बैठकों को दिल्ली भाजपा के चुनाव प्रभारी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा ने सम्बोधित किया और प्रारम्भिक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि दोनों समितियों में दक्ष नेता एवं कार्यकर्ता हैं और हमें चुनाव प्रत्याशी घोषणा से पहले सारी चुनाव व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त करना है। बैठकों में प्रदेश चुनाव सह प्रभारी सांसद अतुल गर्ग, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा, चुनाव संचालन समिति संयोजक हर्ष मल्होत्रा, सह संयोजक मनोज तिवारी एवं अरविंदर सिंह लवली, चुनाव संकल्प पत्र समिति संयोजक रामवीर सिंह बिधूड़ी एवं दोनों समितियों के अपेक्षित सदस्य सम्मिलित हुए। भाजपा सूत्रों की माने तो बैठक में स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव संचालन समिति और चुनाव संकल्प समिति, आरोप पत्र समिति के सदस्यों की घोषणा चुकी है। ऐसे में सभी को पूरी क्षमता के साथ कार्य में जुट जाना है और दिल्ली विधानसभा चुनाव में विजयी होना है। यह पहली बैठक औपचारिक रूप से समिति सदस्यों के एक-दूसरे से परिचय के लिए आयोजित की गई। विधानसभा चुनाव नजदीक आते-आते हर दिन समितियों के गठन और कार्य में तेजी आनी है। भाजपा अब चुनावी रणनीति को लेकर ठोस कदम उठाएगी और जमीनी स्तर पर विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के भी सर्वे का काम तेज कर दिया जाएगा।

चुनाव संचालन समिति की बैठक में बैजयंत पांडा, वीरेंद्र सचदेवा, हर्ष मल्होत्रा व विजेंद्र गुप्ता।

आरोपपत्र समिति गठित

रविवार को दिल्ली भाजपा की विधानसभा चुनाव हेतु आरोपपत्र समिति का भी गठन हो गया। समिति का संयोजक विधायक एवं दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष विजेन्द्र गुप्ता को बनाया गया है। उनके साथ सहयोग के लिए पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी, मनजिंदर सिंह सिरसा, आरपी सिंह, आरती मेहरा, राजा इकबाल सिंह, सुनीता कांगड़ा, कपिल मिश्रा, हरीश खुराना, ऋचा पांडे मिश्रा और गुलशन विरमानी को समिति में शामिल किया गया है।

क्लब गए तीन युवकों को पीट पीटकर किया लहू लुहान

दक्षिणी दिल्ली, (पंजाब केसरी): हौज खास विलेज स्थित एक क्लब में खाली सीट पर बैठने पर तीन युवकों के साथ बेरहमी से मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि क्लब के मैनेजर ने स्टाफ के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर तीनों के साथ लोहे की रोड व लात-घुंसो से हमला किया। इस हमले में दो युवकों के सिर फटे हैं, जबकि एक को गुम चोटें आई हैं। पीड़ित एक युवक भाजपा की यूथ विंग से जुड़ा हुआ है और सक्रिय सदस्य है। पीड़ित पक्ष ने इस बाबत पुलिस में शिकायत दी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित आर्यन गौतम ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ फरीदाबाद में रहता है। वह नोएडा स्थित एक प्राइवेट कॉलेज में बीबीए थर्ड ईयर का छात्र है। वह शनिवार शाम अपने भाई कृष्णा और दोस्त प्रतीक के साथ हौजखास विलेज स्थित एक क्लब आया था। प्रतीक क्लब में एक खाली पड़ी सीट पर बैठ गया। इस बात पर क्लब का मैनेजर नाराज हो गया और उसे बाहर ले जाकर धमकाने लगा। विरोध करने पर उसे थप्पड़ भी मार दिया। इस पर जब दोनों भाईयों ने विरोध किया तो आरोपी ने क्लब के अन्य स्टाफ बुला लिया।

पीड़ित की फाइल फोटो

दिल्ली की हलचल

तरविंदर सिंह मारवाह का किया स्वागत

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा भोगल की ओर से पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता तरविंदर सिंह मारवाह गुरु नानक देव के प्रकाश उत्सव पर जंगपुरा-ए में नगर कीर्तन में शामिल हुए। वहां पर तरविंदर सिंह मारवाह ने गुरु ग्रंथ साहिब का आशीर्वाद लिया। वहां पर गुरुद्वारों के प्रधानों ओर सभी सिख संगतों ने मिलकर जसवंत अरोड़ा, परवीन अरोड़ा, टिंकू गांधी, काला भंडारी , परमजीत सिंह कंधारी, प्रभजीत सिंह सरना, दलजीत सिंह गांधी आदि सभी लोगों ने मिलकर तरविंदर सिंह मारवाह जी का सरोपा डालकर स्वागत किया और तरविंदर सिंह मारवाह ने गुरु नानक देव के बारे में बताया कि गुरु नानक देव का प्रकाश उत्सव उनके जन्म दिवस को समर्पित एक पवित्र और विशेष दिन है। यह सिख धर्म के पहले गुरु, गुरु नानक देव के जीवन, शिक्षाओं और योगदान का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है।

'तापमान बढ़ने से खतरे में समुद्री प्रजातियां'

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): पांचवें विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए मालदीव के राज्य मंत्री डॉ अमज़थ अहमद ने बताया कि समुद्र मालदीव की जीवन रेखा है, परंतु वैश्विक तपन के कारण समुद्र का ताप बढ़ रहा है। जिसके कारण समुद्री प्रजातियां पलायन कर रही हैं। बता दें कि तीन दिवसीय "पांचवें विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन" के दूसरे दिन का आयोजन एनवायरनमेंट एंड सोशल डेवलपमेंट एसोसिएशन , डॉ भीमराव अंबेडकर कॉलेज एवं हंसराज कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में देश भर से आए 110 शोधार्थियों, बुद्धिजीवियों और शिक्षकों ने समिट के दूसरे दिन पर्यावरण के विविध पहलुओं पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। समिट में उत्कृष्ट शोधपत्रों को पुरस्कृत किया गया। पर्यावरण और विज्ञान के क्षेत्र से जुड़े प्रबुद्ध जनों ने युवाओं को विभिन्न विषयों पर जानकारी देते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित भी किया। कार्यक्रम में डॉ जितेंद्र कुमार नागर , मालदीव के राज्य मंत्री अमज़थ अहमद, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी के सामाजिक शास्त्र विद्यालय के डीन डॉ. संजीव सिंह, अमेटी यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. पीबी शर्मा, प्रो. राज कुमार और डॉ. गीतांजलि संगीना उपस्थित रहे।

'गांव बचाओ यात्रा को मिल रहा समर्थन'

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली देहात की समस्याओं और दिल्ली के ग्रामीणों से जुड़े मुद्दों को लेकर पालम-360 के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी के नेतृत्व में दिल्ली के 360 गांव को कवर करने वाली गांव देहात बचाओ यात्रा को लोगों का भारी समर्थन मिल रह है। यात्रा दिल्ली के 210 गांव को कवर कर चुकी है। चौ. सुरेंद्र सोलंकी ने पहले ही ऐलान कर रखा है कि विधानसभा चुनाव की तारीखों तक अगर गांव देहात की सभी समस्याओं का पूर्ण समाधान नहीं होता है तो दिल्ली के 360 गांव चुनाव का बहिष्कार करेंगे। पंचायत में चौ. धारा सिंह, प्रधान बवाना 52, चौधरी नारायण सिंह, पूर्व निगम पार्षद, चौधरी ईश्वर सिंह प्रधान मंगसपुर, चौधरीउम्मेद सिंह क़ुतुबगढ़, सुरेश शोकीन, प्रधान नांगलोई,चौधरी जयप्रकाश प्रधान, गऊशाला बवाना व सुरेन्द्र लम्बा आदि उपस्थित रहे।

प्रदूषण से यमुना हुई मैली, बदबू से पास खड़ा होना मुश्किल

- यमुना साफ करने के लिए जारी फंड को लेकर लोगों ने उठाया सवाल

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में प्रदूषण की समस्या लगातार गहराती जा रही है। यमुना नदी का पानी प्रदूषित होने के कारण इसमें झाग बन रहे हैं, वहीं कालिंदी कुंज के पास जलस्तर कम हो गया है। यहां पर पानी कम और झाग ज्यादा दिखाई दे रहा है। यमुना नदी का पानी प्रदूषित होने की वजह से आस-पास के लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। निकटवर्ती इलाकों में जल संकट लगातार गहराता जा रहा है। नदी से बदबू आने की वजह से आस-पास के लोगों को काफी समस्या उठानी पड़ रही है। नदी में झाग और बदबू आने से लोगों को पास में खड़ा होना भी मुश्किल हो रहा है। स्थानीय लोगों ने अपनी परेशानी साझा की। गुंजन कुमार ने बताया कि यमुना नदी की स्थिति बहुत खराब है। हम लोग खुद पर जल छिड़कने आए थे, लेकिन नदी की हालत इतनी खराब है कि मन नहीं कर रहा। नदी में बहुत ही गंदगी दिख रही है। पानी में बहुत ज्यादा झाग है और झाड़ियां देखने को मिल रही हैं। इतनी ज्यादा बदबू आ रही है कि पास में खड़ा रहना भी मुश्किल हो रहा है। सरकार का यमुना की सफाई की ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं है। एक अन्य व्यक्ति सुनील झा ने कहा कि यमुना का हाल बहुत ही बुरा है। नदी में अधिक गंदगी है, यहां पर पास में आते ही इतना ज्यादा बदबू आ रही है कि लोगों का खड़ा रहना मुश्किल है।

कमल क्रिकेट लीगः एवी इलेवन ने सेठी इलेवन को छह विकेट से हराया

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली के शालीमार बाग़ के मॉडर्न पब्लिक स्कूल के ग्राउंड में चल रही चौथे मदन लाल खुराना मेमोरियल कमल क्रिकेट लीग का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। इस दौरान एवी इलेवन की टीम ने सेठी इलेवन की टीम को छह विकेट से हरा दिया। सेठी इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। सेठी इलेवन ने पहले बैटिंग करते हुए 15 ओवर में 8 विकेट खोकर 86 रन बनाए।

जवाब में ए वी इलेवन 4 विकेट के नुकसान पर 89 रन बनाकर जीत हासिल की। वहीं, पांचवें दिन उद्घाटन सत्र में उत्तर पश्चिम दिल्ली से बीजेपी सांसद योगेंद्र चांदोलिया,बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू,पूर्व डिप्टी मेयर और निगम पार्षद योगेश वर्मा, निगम पार्षद रेखा गुप्ता, पूर्व निगम पार्षद सुजीत ठाकुर, पूर्व निगम पार्षद मनीष चौधरी, बीजेपी नेता पवन मोंगा ने मदनलाल खुराना को श्रद्धासुमन अर्पित किए और खिलाडियों का उत्साह बढ़ाया। इस मौके पर सांसद योगेंद्र चांदोलिया ने खुराना से जुड़े संस्मरण साझा करते हुए कहा कि वे जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील थे। जन समस्या को हल करने की उनकी सीख की वजह से ही आज मै इस मुकाम पर पहुंचा हूं। इस अवसर पर श्याम जाजू ने कहा कि वे लोगों की भावनाओं का सम्मान करते थे और अनुशासनप्रिय थे। वहीं, निगम पार्षद योगेश वर्मा ने खुराना को दिल्ली का निर्माता बताया जबकि निगम पार्षद रेखा गुप्ता ने कहा कि स्वर्गीय मदन लाल खुराना की याद में शिवम छाबड़ा और संयम छाबड़ा इस टूर्नामेंट का आयोजन करते हैं। ये एक अच्छा प्रयास है। पूर्व निगम पार्षद सुजीत ठाकुर ने कहा कि खुराना का राजनीति में अलग मुकाम रहा।

संत समाज को बांटते नहीं बल्कि जोड़ते हैं: सतपाल महाराज

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वावधान में श्री हंस नगर आश्रम, पंडवाला कलां, नई दिल्ली में चल रहे दो दिवसीय सद्भावना सम्मेलन के अंतिम दिन सतपाल महाराज ने कहा कि श्री गुरु अर्जुन देव ने संत कबीर, संत रविदास, संत तुलसी दास, श्री गुरुनानक देव आदि सभी संतो की वाणियों को गुरु ग्रंथ साहब में संकलित किया है। उनके इस संकलन का उद्देश्य समाज को यह दर्शाना था कि सभी महान पुरुष एक ही रास्ते को बताते हैं, समन्वय करते है। संत महापुरुष कभी भी कैंची की तरह समाज को बांटनें का काम नहीं करते है, बल्कि सुई धागे की तरह समाज को जोड़ते है। जो भक्त गुरु आज्ञा में रहता है उसका कभी बाल बांका नहीं होता, उसकी कभी हानि नहीं होती है। इस अवसर पर समिति द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर स्वास्थ्य लाभ दिया गया। मंच पर बाल कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां भी देखने को मिली।

विकास यादव ने कोर्ट में पेशी से मांगी छूट, कोर्ट से मिली राहत

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की अमेरिका में हत्या के प्रयास के आरोपी विकास यादव ने दिल्ली की एक कोर्ट में आवेदन दायर कर अपने मामले की सुनवाई में शामिल होने से छूट मांगी है। यादव का दावा है कि उसके व्यक्तिगत विवरण सार्वजनिक कर दिए गए हैं, जिससे उसकी जान को खतरा है। विकास यादव ने कोर्ट से अनुरोध किया है कि सुरक्षा संबंधी मौजूदा खतरे के कारण उन्हें सुनवाई में उपस्थित होने से राहत दी जाए। याचिका में कहा गया है कि आवेदक के खिलाफ झूठे और निराधार आरोप लगाए गए हैं और उनके व्यक्तिगत विवरण जैसे उनका पता, पृष्ठभूमि और तस्वीरें वैश्विक स्तर पर व्यापक रूप से प्रसारित किए गए हैं, जिससे दुर्भावनापूर्ण तत्वों से उनके जीवन को गंभीर खतरा है। याचिका में आगे कहा गया है कि आवेदक पर शत्रुतापूर्ण तत्वों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है, जो उसे सभी संभावित स्थानों पर ट्रैक करने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे उसे अपनी सुरक्षा के लिए सीमित रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। याचिका में यह भी तर्क दिया गया कि आवेदक के जीवन के लिए खतरा तत्काल, गंभीर और आसन्न है और कोर्ट में उसकी शारीरिक उपस्थिति इन तत्वों को उसे नुकसान पहुंचाने का अवसर प्रदान कर सकती है। इन परिस्थितियों को देखते हुए, याचिका में जोर दिया गया कि वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित होना ही अत्यधिक असुरक्षित होगा, क्योंकि आवेदक के स्थान को इलेक्ट्रॉनिक तकनीक का उपयोग करके संभावित रूप से पता लगाया जा सकता है, जिससे छूट के अनुरोध को बल मिलता है। कथित तौर पर पूर्व रॉ अधिकारी कहे जाने वाले यादव का नाम खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या के असफल प्रयास के सिलसिले में अमेरिका द्वारा लिया गया है। विकास यादव को पिछले साल दिसंबर में दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के रोहिणी में रहने वाले एक व्यवसायी की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया था।

जूते बनाने वाली फैक्ट्री में लगी आग, तीन घायल

फायर ब्रिगेड की 30 गाड़ियां आग बुझाने में जुटी, तीन घायल दमकलकर्मियों को भेजा अस्पताल

पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली के घेवरा इलाके में शनिवार देर रात जूते बनाने वाली दो फैक्ट्रियों में अचानक भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही लोकल पुलिस व दमकल कर्मी 30 गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंच गए। दमकलकर्मी आग बुझाने में जुटे ही थे कि एक फैक्ट्री के ग्राउंड फ्लोर में अचालक ब्लास्ट हो गया। इस घटना में तीन दमकल कर्मी घायल हो गए। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनका उपचार चल रहा है।

दिल्ली अग्निश्मन विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि फैक्ट्रियों में कई तरह के कैमीकल के अलावा रबड़, कपड़ा भारी मात्रा में होने के चलते आग ने विक्राल रूप ले लिया था। एहतियात के तौर पर आसपास की कई फैक्टरी को भी खाली करवा लिया गया। दमकलकर्मियों ने करीब आठ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग पर काबू पाने के लिए ब्रांटो व छोटे रोबोट मशीनों का भी इस्तेमाल किया गया। दमकल के अधिकारियों का कहना है कि आग की वजह से एक बिल्डिंग जर्जर हो चुकी है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि शनिवार रात 2.35 बजे कंट्रोल रूम को खबर मिली कि मेट्रो पिलर नंबर 609-610 के सामने गली नंबर 11 घेवरा के पास एक फैक्टरी में आग लग गई है।

सूचना मिलते ही दमकल की 10 गाड़ियों को पहले मौके पर भेजा गया। हालात देखकर ज्वालापुरी, मोती नगर, कीर्ति नगर, रोहिणी, नजफगढ़ व केशव पुरम से 20 और गाड़ियां बुलाई गई। घटनास्थल पर पहुंचे फायर ऑफिसर एडीओ अमन कुमार ने बताया कि यहां करीब 1200 व 1100 गज की दो फैक्टरी में ग्राउंड फ्लोर के अलावा ऊपर टीन शेड बना हुआ था। अमन के अनुसार आग पहले 1100 गज वाली फैक्टरी के टीन शेड से शुरू हुई। देखते ही देखते आग ने दूसरी फैक्टरी को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग में 1200 गज वाली फैक्टरी पूरी जल गई।

कार्रवाई | दिल्ली पुलिस ने जीआरपी और आरपीएफ के सहयोग से अगवा बच्चे को यूपी के शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन से कराया मुक्त, दंपति गिरफ्तार

चार शादियों के बाद भी नहीं बनी मां तो सफदरजंग अस्पताल से चोरी कर लिया बच्चा

दक्षिणी दिल्ली, (पंजाब केसरी): चार शादियां करने के बाद भी एक महिला जब मां नहीं बन सकी तो उसने राजधानी दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल से डेढ़ माह के एक शिशु का अपहरण कर लिया। साउथ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने इस सनसनीखेज मामले की जांच करते हुए एक दंपति को गिरफ्तार कर बच्चा उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन से सकुशल मुक्त करा लिया है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान माही सिंह (24) और रोहित कुमार (32) के रूप में की है। दोनों उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं।

पुलिस ने बच्चे को सकुशल परिजनों को सौंप दिया है। एडिशनल डीसीपी साउथ-वेस्ट आकांक्षा यादव ने बताया कि महिला की पूर्व में तीन-चार शादियां होने की बात सामने आ रही है। महिला की कोई औलाद नहीं है। फिलहाल पुलिस शुरुआती जांच में कथित तौर पर सामने आए इन तथ्यों की भी जांच कर रही है। आकांक्षा यादव ने बताया कि मासूम को सकुशल बरामद करने में लोकल पुलिस, दिल्ली पुलिस ने राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) का संयुक्त कार्य काफी सराहनीय रहा है। एक दूसरे के सहयोग से बच्चे को बहुत ही कम समय में रेस्क्यू करा लिया गया। आकांक्षा यादव ने घटना की जानकारी देते हुए कहा शिकायतकर्ता महिला गत 15 नवंबर को अपने पति के किडनी संबंधी इलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल में आई थी। उसी दौरान ही एक महिला ने पीड़िता को अपनी बातों में उलझा लिया और उसका विश्वास हासिल कर बच्चे को अपनी गोद में ले लिया। मौका मिलते ही आरोपी महिला एक अन्य व्यक्ति के साथ ऑटो रिक्शा में बैठकर वहां से फरार हो गई। आकांक्षा यादव ने बताया कि सफदरजंग एन्क्लेव थाने में पीड़िता महिला के बयान पर अपहरण की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। मासूम बच्चे को सकुशल मुक्त कराने के लिए सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) रणबीर सिंह की निगरानी में टीम गठित की गई। आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। सभी रेलवे स्टेशन व बस अड्डो पर पुलिस को अलर्ट कर दिया गया। जिसके बाद बच्चे के साथ मौजूद लोगों पर निगरानी बढ़ा दी गई।

सीसीटीवी फुटेज में बच्चे को लेकर जाते हुए दंपति

बच्चा चोर दंपति के बारे में जानकारी देतीं एडिशनल डीसीपी साउथ-वेस्ट आकांक्षा यादव।

सीसीटीवी फुटेज से मिली लीड

जांच टीम को सफदरजंग अस्पताल से एक सीसीटीवी फुटेज भी मिल गई। जिसमें महिला बच्चे को ले जाते हुए नजर आई। आरोपी महिला की पहचान कर ली गई और आगे उसे आनंद विहार रेलवे स्टेशन तक ट्रैक किया गया। वह एक अन्य व्यक्ति के साथ बरेली जाने वाली 'सद्भावना एक्सप्रेस' में सवार हो गई थी। बच्चे को चोरी करने के बाद आरोपियों ने अपना हुलिया (भेष) बदल लिया था। टीम ने तुरंत जीआरपी और आरपीएफ को इसकी सूचना दी। रेलवे के अधिकारियों ने ट्रेन टिकट परीक्षक (टीटीई), एस्कॉर्ट टीमों और सद्भावना एक्सप्रेस के गार्ड के साथ बातचीत की। शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन से जीआरपी, आरपीएफ और पुलिस से संपर्क किया गया। जिसके बाद आरोपी माही सिंह उर्फ सोफिया और रोहित कुमार को शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया।

बच्चा नहीं होने से थी परेशान

पुलिस सूत्रों की मानें तो आरोपी माही से पूछताछ में पता चला है कि उसने रोहित से चौथी शादी की है। वह बच्चा नहीं होने से परेशान थी। इसलिए उसने एक के बाद एक चार शादियां की। बच्चा नहीं होने पर पिछली शादियां टूटने से वह बहुत ज्यादा परेशान थी। इसलिए उसने रोहित के साथ मिलकर बच्चा चोरी करने की साजिश रची और रोहित के साथ दिल्ली आ गई। सफदरजंग अस्पताल पहुंचने के बाद दोनों ने कई घंटे तक बच्चे की तलाश की। जब पीड़िता महिला उसे नजर आई तो उसने पहले उसके साथ दोस्ताना व्यवहार बनाया। जब महिला ने विश्वास कर उसकी गोद में अपना बच्चा दिया तो वह मौका मिलते ही बच्चा लेकर अस्पताल से फरार हो गई।

तेज रफ्तार कार ने दो बुजुर्ग लोगों को मारी टक्कर, एक की मौत

दक्षिणी दिल्ली, (पंजाब केसरी): दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में रविवार सुबह एक बेकाबू कार ने दो बुजुर्ग लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 64 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई, जबकि हादसे में घायल दूसरा व्यक्ति अभी अस्पताल में उपचाराधीन है। पुलिस ने मृतका की पहचान गुप्ता एन्क्लेव निवासी कमलेश के तौर पर की है। शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना की जानकारी सुबह करीब छह बजे मिली थी। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो पता चला कि घायलों को निकटवर्ती अस्पतालों में ले जाया गया है। अधिकारी ने बताया कि गुप्ता एंक्लेव निवासी कमलेश को दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जबकि घायल व्यक्ति को माता चन्नन देवी अस्पताल ले जाया गया था। घायल बुजुर्ग व्यक्ति की अभी पहचान नहीं हो पाई है। अस्पताल में उनका उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार दोनों व्यक्ति उत्तम नगर टर्मिनल के पास सड़क पार कर रहे थे, तभी लापरवाही से गाड़ी चला रहे एक कार चालक ने उन्हें टक्कर मार दी।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि, हापुड़

अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

पत्रांक : 2303/3ए दिनांक:- 08.11.2024

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., हापुड़ द्वारा निम्नलिखित कार्य की निविदा प्रतिशत दर पर ऑनलाईन निविदा https://etender.up.nic.in के माध्यम से उ.प्र. लोक निर्माण विभाग में मार्ग श्रेणी में रजिस्टर्ड फर्म/ठेकेदार (ए/बी/सी/डी) द्वारा दिनांक 20.11.2024 से 26.11.2024 तक दोपहर 12.00 बजे तक प्रचलित टी-1 के अनुसार सबमिट कर कार्य की तकनीकी निविदायें दिनांक 26.11.2024 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी। यदि किसी कारणवश निविदा खोलने की तिथि को कार्यालय बन्द होता है तो उक्त निविदा अगले कार्य दिवस में ऑनलाईन खोली जायेगी तथा निविदा खोलने का समय तथा वैधता पूर्ववत् होगी। ऑनलाईन फाईनेन्शियल बिड खोलने हेतु समय व तिथि वेबसाईट पर बाद में दर्शायी जायेगी।

कार्यों का विवरण:-

क्रम सं०	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत 5 वर्षीय अनुरक्षण सहित (रू० लाख में)	धरोहर धनराशि (रू० लाख में)	पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य व जी०एस०टी० सहित	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी	सम्बन्धित अधीक्षण अभियन्ता का पता	सम्बन्धित मुख्य अभियन्ता का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	लुखराड़ा से नूरपुर वाया शेखपुर मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	31.90	3.19	2 माह	500+300+ 18%GST= 944.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
2	गढी होशियारपुर से भड़गपुर भिम्यारी मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	2.65	0.27	2 माह	500+150+ 18%GST= 767.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
3	बाबूगढ बी०बी०नगर मार्ग से नूरपुर काकौड़ी मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	5.75	0.58	2 माह	500+225+ 18%GST= 856.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
4	ग्राम ततारपुर मुख्य मार्ग से हरिजन बस्ती मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	3.25	0.33	2 माह	500+150+ 18%GST= 767.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
5	झड़ीना मुकीमपुर मार्ग से जमालपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	13.30	1.33	2 माह	500+225+ 18%GST= 856.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
6	गढ अब्दुल्लापुर मार्ग के किमी० 10 से हकीमपुर गांवड़ी सम्पर्क मार्ग	4.25	0.43	2 माह	500+150+ 18%GST= 767.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
7	मुजाफरा से बागड़पुर शेष भाग मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	8.50	0.85	2 माह	500+225+ 18%GST= 856.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
8	सलारपुर से वीरसिंहपुर मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	5.30	0.53	2 माह	500+225+ 18%GST= 856.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
9	निधावली से शौलाना मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य	5.30	0.53	2 माह	500+225+ 18%GST= 856.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
10	श्यामपुर से सरावनी बाया आरिफपुर मडैया मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	14.90	1.49	2 माह	500+225+ 18%GST= 856.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
11	औरंगाबाद से छतनौरा बाईपास मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	6.60	0.66	2 माह	500+225+ 18%GST= 856.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
12	कुचेसर चैपला से रसूलपुर मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	9.00	0.90	2 माह	500+225+ 18%GST= 856.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
13	मध्य गंग नहर पुल से कल्याणपुर ग्राम तक मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	6.35	0.64	2 माह	500+225+ 18%GST= 856.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
14	लोदीपुर छपका से खेड़ा खड़कपुर मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	13.30	1.33	2 माह	500+225+ 18%GST= 856.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
15	गढ मेरठ मार्ग के किमी० 6 से जनुपुरा लड़पुरा तक मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	18.60	1.86	2 माह	500+300+ 18%GST= 944.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
16	गढ मेरठ मार्ग जनुपुरा मार्ग से खिलवाई तक मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	2.65	0.27	2 माह	500+150+ 18%GST= 767.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
17	भदस्याना से जलालपुर मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	24.45	2.45	2 माह	500+300+ 18%GST= 944.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
18	शेरपुर से लहडरा मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	21.30	2.13	2 माह	500+300+ 18%GST= 944.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
19	पलवाड़ा बहादुरगढ मार्ग से मौहम्मदपुर रूस्तमपुर सम्पर्क मार्ग	5.30	0.53	2 माह	500+225+ 18%GST= 856.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
20	गन्दू नंगला से लुहारी वाया खगोई मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	10.60	1.06	2 माह	500+225+ 18%GST= 856.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
21	हरोड़ा कोठी गन्दे नाले के पुल से खगोई मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	7.45	0.75	2 माह	500+225+ 18%GST= 856.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
22	सलौनी जखैड़ा मार्ग से सलौनी नटो की मढैया होकर ढोलपुर मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	26.60	2.66	2 माह	500+300+ 18%GST= 944.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
23	मौहम्मदपुर खुडलिया मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	11.70	1.17	2 माह	500+225+ 18%GST= 856.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
24	बी०बी०नगर मार्ग से सिम्भावली (रा०मा०-9) वाया हिंगवाड़ा लालपुर भरना रोड (अ०जि०मा०) के किमी० 12 से वीरमपुर सम्पर्क मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	6.35	0.64	2 माह	500+225+ 18%GST= 856.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ
25	ग्राम खेड़ा में अवशेष भाग मार्ग पर सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य	5.30	0.54	2 माह	500+225+ 18%GST= 856.00	A/B/C/D (मार्ग कार्य)	बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि० बुलन्दशहर	मेरठ क्षेत्र, लो०नि०वि० मेरठ

1. धरोहर धनराशि एवं निविदा प्रपत्र शुल्क का भुगतान इन्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से किया जाना अनिवार्य होगा।
2. उपरोक्त कार्यों हेतु कार्य पूर्ण होने के दिनांक से अग्रिम पाँच वर्षों तक अनुरक्षण का कार्य किया जाना अनिवार्य है।
3. समस्त पंजीकृत ठेकेदारों को पिछले 5 वर्षों का टर्न ओवर जो कि सी.ए. से सत्यापित हो एवं पिछले 5 वर्षों में सन्तोषजनक रूप से किये अधिकतम लागत के कार्यों के विवरण चाणक्य साफ्टवेयर में निविदा डालने से पूर्व अपलोड किया जाएगा। ई-निविदा, जो https://etender.up.nic.in पर अपलोड की जाएगी उसका विवरण लोक निर्माण विभाग, उ.प्र. के चाणक्य सॉफ्टवेयर में उपलब्ध सॉफ्टवेयर पर भी निविदा डालने की अन्तिम तिथि एवं समय से पूर्व अपलोड करना अनिवार्य होगा।
4. निविदादाता को शासनादेश संख्या 879 (1)/23-7-2020, लो.नि.अनुभाग-7, लखनऊ दिनांक 25.08.2020 के क्रम में निविदा प्रक्रिया हेतु http://roc.uppwd.gov.in पर चाणक्य सॉफ्टवेयर में प्रहरी एप्लीकेशन का उपयोग कर आवश्यक अभिलेख अपलोड करने होंगे।
5. निविदा से सम्बन्धित नियम / शर्तें तथा विवरण https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

हस्ता./-सहायक अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., हापुड़

हस्ता./-अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., हापुड़

आर.ओ. संख्या-222353 दिनांक-14.11.2024

गैंगस्टर लॉरेंस के नाम पर मुखर्जी नगर के प्रॉपर्टी डीलर से मांगी 50 लाख की रंगदारी!

पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी): नॉर्थ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के मुखर्जी नगर इलाके में कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर रंगदारी मांगे जाने की घटना सामने आई है। यहां गैंगस्टर के नाम पर एक प्रॉपर्टी डीलर से कथित तौर पर 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई है। कॉलर ने पीड़ित को धमकी दी है कि अगर रकम नहीं दी तो अबकी बार उसके पास चिट्ठी या कॉल नहीं, बल्कि सीधे गोली आएगी। धमकी भरी कॉल के बाद से पीड़ित व उनका परिवार डरा हुआ है।

उधर, डीसीपी नॉर्थ-वेस्ट अभिषेक धानिया ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। इस वारदात में पीड़ित के पड़ोस में रहने वाला व्यक्ति शामिल है। जिसने इन दिनों चर्चित गैंगस्टर लॉरेंस के नाम का फायदा उठाते हुए पीड़ित को पहले धमकी भरी चिट्ठी पहुंचवाई फिर कॉल कर धमकी दिलवाई। जिसके नाम से सिम कार्ड लिया गया और जिस व्यक्ति ने लेटर डाला दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में एक वकील का भी नाम सामने आ रहा है। वकील से पूछताछ के बाद ही मामले में उसकी भूमिका का पता चल पाएगा। फिलहाल पुलिस आगे मामले की जांच कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक पीड़ित प्रॉपर्टी डीलर अपने परिवार के साथ परमानंद कॉलोनी में रहते हैं। दिवाली से पहले उनके पास एक धमकी भरी चिट्ठी आई थी। जिसमें उनसे 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई। चिट्ठी के पीछे कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का नाम लिखा था। पीड़ित ने इस धमकी को हलके में लिया और इसे नजर अंदाज कर दिया। मगर गत 13 नवंबर को पीड़ित के पास अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉलर ने उन्हें रुपए नहीं देने पर बुरे अंजाम की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस को इस घटना से अवगत कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए केस दर्ज कर एसएचओ मुखर्जी नगर राजवी शाह की टीम ने जांच शुरू कर दी। जहां रंगदारी के लिए लेटर डाला गया, वहां आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और जिस नंबर से धमकी भरी कॉल आई थी उसे टेक्निकल सर्विलांस पर लगाया गया। पुलिस को लीड मिली और इस वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर आगे की जांच कर रही है।

प्रतिबंधित नशीली दवाओं की बड़ी खेप बरामद, चार गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की एएनटीएफ द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपी।

> **एक करोड़ की प्रतिबंधित नशीली दवाएं जब्त, चार करोड़ की संपत्ति भी जांच के दायरे में**

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने एक अंतरराज्यीय ड्रग्स सिंडिकेट का पर्दाफाश करते हुए प्रतिबंधित नशीली दवाएं और इंजेक्शन की बड़ी खेब बरामद की है। जिसकी अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपए से अधिक की आंकी गई है।

डीसीपी क्राइम ब्रांच भीष्म सिंह ने बताया कि क्राइम ब्रांच की एएनटीएफ टीम ने इस धंधे के चार संचालकों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान चंदन कुमार राउत, अरविंद्र सिंह, परशुराम और सुशांत गर्ग के तौर पर हुई है। इनके पास से प्रतिबंधित ट्रामाडोल टैबलेट और पेंटाजोसिन इंजेक्शन सहित अन्य प्रतिबंधित मादक दवाओं को जब्त किया है। जिसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपए है। इसके अलावा चार करोड़ के अनुमानित मूल्य वाली चार संपत्तियों की भी पहचान की गई है। संभवत नशे के धंधे से अर्जित आय से इन्हें खरीदा गया। इन्हें भी जांच के दायरे में रखा गया है। टीम को इस नेटवर्क की वितरण श्रृंखला का भी पता चला है, जिसमें जम्मू और कश्मीर में रिसीवर और आपूर्तिकर्ताओं के लिंक सामने आए हैं। बरामद किए गए इंजेक्शन हरियाणा से मंगवाए गए थे।

डीसीपी ने बताया कि गत 26 अक्टूबर को एक गुप्त सूचना के बाद एएनटीएफ की टीम ने दिल्ली के महरौली-बदरपुर रोड पर बत्रा अस्पताल के पास से चंदन कुमार राउत को 6.792 किलोग्राम ट्रामाडोल टैबलेट के साथ गिरफ्तार किया था। इससे पूछताछ के बाद तीन और गिरफ्तारियां की गईं। डीसीपी ने बताया कि दिल्ली के ओखला में शिवा फार्मा के मालिक अरविंद सिंह की पहचान राउत के आपूर्तिकर्ता के रूप में हुई। ड्रग इंस्पेक्टर के साथ समन्वय में शिवा फार्मा में आगे की तलाशी से महत्वपूर्ण सुराग मिले। अरविंद सिंह ने कई आपूर्तिकर्ताओं से प्रतिबंधित पदार्थ मंगाने और इसे काले बाजार में बेचने की बात स्वीकार की। दिल्ली के एकता विहार से जुड़े परशुराम को अरविंद सिंह का खरीदार पाया गया, साथ ही वह अंतिम उपयोगकर्ताओं का आपूर्तिकर्ता भी था। इसके आवास की तलाशी में ट्रामाडोल युक्त 1,935 कैप्सूल और टैबलेट (1,147 ग्राम), अल्प्राजोलम की 615 गोलियां (93 ग्राम), 62 पेंटाजोसिन एम्पुल्स (62 मिली) जब्त की गईं। लाजपत नगर में हेल्दी लाइफ फार्मेसी के मालिक सुशांत गर्ग की पहचान एक वितरक के रूप में हुई, जो अफगानिस्तान और जम्मू-कश्मीर के उपभोक्ताओं को प्रतिबंधित कोडीन सिरप की आपूर्ति करता था। उसने सिरप को फिर से पैक करके डिलीवरी सेवा के जरिए थोक में पहुँचाने की बात स्वीकार की।

नीरज बवानिया गैंग का शूटर अरेस्ट

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने नीरज बवानिया गैंग के एक शूटर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 36 वर्षीय रघु के तौर पर हुई है। वह हत्या, हत्या का प्रयास, कार जैकिंग समेत कई वारदातों में शामिल रहा है। डीसीपी (क्राइम) सतीश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी रघु पर कुल 18 मामले दर्ज हैं। नीरज बवानिया गैंग का यह शूटर कई बार अदालती कार्यवाही से बच निकला था, जिस कारण उसे भगोड़ा घोषित किया जा चुका है। क्राइम ब्रांच एनआर टू इंचार्ज संदीप स्वामी की टीम लगातार इसकी तलाश में जुटी थी। टीम को आरोपी के बारे में लीड मिली जिसके बाद संदीप स्वामी की टीम में शामिल एसआई प्रदीप दहिया, पंकज सरोहा, सुखविंदर, एएसआई सुनिल, अनिल, एचसी सुमित, नितिन आदि की टीम ने उसे दबोच लिया।

10 साल से था सक्रिय

पुलिस के मुताबिक आरोपी रघु पिछले 10 सालों में 18 मामलों में नामित किया गया है। रघु 2014 में दिल्ली में हुए गैंगवार में भी शामिल था और तब से नीरज गैंग का सक्रिय शूटर था। क्राइम ब्रांच की टीम को रघु के बारे में सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर टीम ने उसे सोनीपत से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी 10वीं तक पढ़ा है और अपने परिवार के साथ खेती बाड़ी का काम करता था। 2009 में उसने अपने पैतृक गांव हसनपुर में पुरानी रंजिश के चलते पहली हत्या की थी।

पंजाब केसरी क्लासीफाइड

पोल्ट्री

एनईसीसी दिल्ली क्षेत्र में आज (18.11.2024) के लिए सुझाया गया फार्म-गेट अण्डे का रेट ₹ 608/- रुपये प्रति 100 अण्डे (व्यापार और उद्योग की जानकारी के लिए) है। 1250396

नाम परिवर्तन

I, Jaden Sabharwal S/o Prashant Sabharwal R/o 433 Bhera Enclave, Paschim Vihar, New Delhi-110087, have changed my name to Jaden Prashant Sabharwal. 1261684

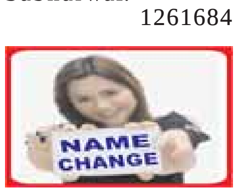

मैं, परदेश कुमार, पिता नं. 15184452M Hav. Clk (SD) अरविंद कुमार, ग्राम-जिरौनिया, पोस्ट-पौटा कलां, तह व जिला-पीलीभीत (यूपी)-262001, ने नोटरी पब्लिक दिल्ली के समक्ष हलफनामा दिनांक 15/11/2024 द्वारा अपना नाम परदेश कुमार से बदलकर कर प्रदेश कुमार रख लिया है। 1261691

I, Ramesh Chand S/o Sh. Munni Lal R/o Jhuggi No.117 P-1 Block Sultanpuri, Delhi-110086 declares that name of my minor daughter has been mentioned in School Record as Mansi, whereas her correct name is Mansi Gupta. In future she will be known as Mansi Gupta. 1261690

नाम परिवर्तन

I, Ashok Kumar S/o Hari Babu Kaushik, Village & Post- Mahmadpur, Block- Goverdhan, District- mathura 281502, U.P. have changed my name to Ashok Kumar Kaushik for all future purposes. 7000001

मैं, राज किरण माला पुत्र धारा निवासी डी-7 जे जे कॉलोनी शिव विहार ने घोषणा की कि मेरी बेटी त्रिकशा माला के स्कूल रिकॉर्ड में मेरा नाम और मेरी पत्नी का नाम गलती से राजेश कुमार सक्सेना और स्वर्गीय लक्ष्मी लिखा गया है। मेरा वास्तविक नाम राज किरण माला है और मेरी पत्नी का नाम रंजीता माला है। 1261711

मैं, राज किरण माला पुत्र धारा निवासी डी-7 जेजे कॉलोनी शिव विहार ने घोषणा की कि मेरी बेटी प्रतीक्षा माला के स्कूल रिकॉर्ड में मेरा नाम और मेरी पत्नी का नाम गलती से राजेश कुमार सक्सेना और स्वर्गीय लक्ष्मी लिखा गया है। मेरा वास्तविक नाम राज किरण माला है और मेरी पत्नी का नाम रंजीता माला है। 1261712

पाठकों को परामर्श

पाठकों को परामर्श दिया जाता है कि वे विज्ञापनों के सम्बन्ध में कोई कार्रवाई करने से पहले तथ्यों की समुचित जांच स्वयं ही अवश्य कर लें, क्योंकि 'पंजाब केसरी' विज्ञापनदाताओं द्वारा किए गए किसी भी दावे की सच्चाई का न तो कोई आश्वासन देता है और न ही समर्थन करता है। इसलिए पाठकों को स्वयं ही अपने आधार पर सभी तथ्यों की जांच करनी चाहिए। किसी भी प्रकार के लेन-देन के लिए यह समाचार पत्र उत्तरदायी नहीं होगा।

कोर्ट नोटिस

COURT NOTICE

(U/o 5 Rule 20 CPC) (SUCCESSION CASE) IN THE COURT OF Sh. Vikram Jit Singh Additional Civil Judge (Senior Division), Gurugram

AJAY VERMA AND ANR. Vs. PUNJAB NATIONAL BANK AND ORS.

CNR No. HRGR02-004218-2024

Next Date :- 21.12.2024

NOTICE TO : GENERAL PUBLIC Haryana

In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/ respondent(s) should appear in person or through counsel on 21.12.2024 at 10:00 a.m. For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district Notice & district=Gurugram

-Sd./-, Additional Civil Judge (Senior Division), Seal Gurugram

Dated this day of 16.11.2024

COURT NOTICE

(U/o 5 Rule 20 CPC) (UNDER GAURDIAN AND WARD ACT) IN THE COURT OF Sh. Vikram Jit Singh Additional Civil Judge (Senior Division), Gurugram

AARTI Vs. GENERAL PUBLIC AND ORS.

CNR No. HRGR02-005207-2024

Next Date :- 06.01.2025

Petition U/s 8 of Hindu Minority and Guardianship Act.

NOTICE TO : GENERAL PUBLIC Haryana

In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/ respondent(s) should appear in person or through counsel on 06.01.2025 at 10:00 a.m. For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice & district=Gurugram

-Sd./-, Additional Civil Judge (Senior Division), Seal Gurugram

Dated this day of 16.11.2024

कोर्ट नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5, कायदा 1 व 5) न्यायालय-अपर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय कोर्ट सं०-1, मेरठ आज्ञानुसार-श्रीमती वीना नारायन वाद संख्या-1564, सन् 2024

संजय मलिक आयु करीब 48 वर्ष पुत्र स्व० श्री हरवीर सिंह निवासी मकान नं0, ए-50, गंगा नगर, मवाना रोड, थाना- गंगानगर, जिला-मेरठ (आ० सं०-2967 3945 7297 मो0नं0-9917904779) ....प्रार्थी/वादी।

बनाम

श्रीमती प्रिया मलिक आयु करीब 45 वर्ष पत्नी श्री संजय मलिक पुत्री स्व० किशन लालवानी मूल निवासी सी-59, द्वितीय फ्लोर, साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-01, नई दिल्ली-110049 हाल निवासी मकान नं0-ए-50, गंगानगर, प्रथम मंजिल, मवाना रोड, थाना-गंगानगर, जिला-मेरठ। ....विपक्षी/प्रतिवादी।

हरगाह वादी ने आपके नाम एक नालिश बाबत अन्तर्गत धारा 13 हिन्दू विवाह अधिनियम के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 17 माह 12 सन् 2024 बवक्त 10:00 बजे दिन के असालतान या मार्फत वकील के जो मुकदमे के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और कुल उमूरात अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और शख्स हो कि जो जवाब ऐसे सवालात दे सके, हाजिर और जवाब देही दावा की करे और आपको लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला दस्तावेज पेश करें जिन पर आप बताईद अपनी जवाबदेही के इस्तेमाल करना चाहते हो।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 14 माह 11 सन् 2024ई0 जारी किया गया।

आदेशात: वाद लिपिक अपर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय सं०-1, मेरठ।

अपने विज्ञापन के लिए चुनिए सही शीर्षक

- प्लेसमेन्ट/कंसलटेंट
- सिक्युरिटी
- अकाउन्ट्स
- शैक्षणिक
- मार्केटिंग
- होटल एण्ड रैस्टोरैन्ट
- ऑफिस स्टाफ
- फील्ड स्टाफ
- टैक्निकल स्टाफ
- अन्य रिक्त स्थान

सियासत फ्री की रेवड़ियों को बंद करना चाहती है भाजपा, चाहिए दिल्ली की सत्ता

भाजपा पर गरजे केजरीवाल

दिल्ली विधानसभा का चुनाव धर्म युद्ध

भाजपा के पास कौरवों की तरह पैसा और पावर हमारे साथ पांडवों की तरह भगवान और जनताः केजरीवाल

चांदनी चौक और नई दिल्ली के मंडल प्रभारियों से चुनाव की तैयारियों में जी-जान से जुटने का किया आह्वान

मंडल प्रभारी व मंडल अध्यक्ष संभाले जिम्मेदारी

आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि 70 की 70 विधानसभाओं में अरविंद केजरीवाल चुनाव लड़ेंगे। इसलिए हमें अरविंद केजरीवाल के लिए काम करना है। उम्मीदवार कौन होगा, यह फैसला अरविंद केजरीवाल के हाथ में है। हमें उनके निर्णय को लागू करने के लिए काम करना है। सभी मंडल प्रभारी और मंडल अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल बनकर अपने मंडल की जिम्मेदारी संभालें। इस लड़ाई को लड़ना और इसे जीतना आपके कंधों पर है।

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल रविवार को भाजपा पर गरजे। उन्होंने रविवार को विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चांदनी चौक और नई दिल्ली के सभी मंडल प्रभारियों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने मंडल प्रभारियों को दिल्ली की सभी 70 सीटों को जीतने का मंत्र देते हुए चुनाव की तैयारियों में जी-जान से जुटने आह्वान किया। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि दिल्ली विधानसभा का चुनाव एक धर्म युद्ध है। उनके पास कौरवों की तरह अथाह पैसा और पावर है, जबकि हमारे साथ पांडवों की तरह भगवान और जनता हैं। हम दिल्ली की जनता को मुफ्त की छह रेवड़ी बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, तीर्थ यात्रा और महिलाओं को बस यात्रा दे रहे हैं। भाजपा को हर कीमत पर दिल्ली की सत्ता इसलिए चाहिए, क्योंकि वह जनता को मिल रही इन रेवड़ियों को बंद करना चाहती है। इस दौरान वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, राष्ट्रीय महासचिव संगठन डॉ. संदीप पाठक, दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय समेत अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मेयर के चुनाव में हारने व इनके बड़े-बड़े नेताओं द्वारा पार्टी छोड़कर हमारी पार्टी में शामिल के बाद भाजपा वाले बुरी तरह से तिलमिला गए हैं। उससे और ज्यादा बौखला गए हैं। उन्होंने कहा कि जनता जानती है कि हमने दिल्ली में कितने काम किए हैं। आज लोगों के बच्चे अच्छे सरकारी स्कूल में पढ़ रहे हैं। हमारे जैसे स्कूल इनकी किसी भी 20 राज्यों में नहीं हैं। अगर जनता ने इन्हें वोट दे दिया तो ये हमारे स्कूलों, फ्री दवाइयां और फ्री इलाज का बेड़ा गर्क कर देंगे। देश में अकेले दिल्ली में महिलाओं की बस यात्रा फ्री है। 20 राज्यों में कहीं फ्री नहीं है। ये इसे भी खत्म कर देंगे।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा को मेरा दूसरा चैलेंज यह है कि दिल्ली में हमारी 10 साल से सरकार है। दिल्ली में दो सरकारें चल रही हैं। केंद्र सरकार की एलजी के जरिए दिल्ली में बहुत पावर है। केंद्र सरकार के पास अथाह पैसा है। हमारे पास तो थोड़ी सी पावर और थोड़ा सा पैसा है। इतनी थोड़ी सी पावर और थोड़े से पैसे में हमने इतना काम कर दिया। भाजपा वाले पिछले 10 साल में अपना एक काम बता दें। वहीं आप के राष्ट्रीय महासचिव संगठन डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली में सभी प्रमुख पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं। वह सभी लोकसभा क्षेत्रों के पदाधिकारियों से मिलेंगे। इस दौरान वह सभी से फीडबैक भी ले रहे हैं। आने वाले समय में हर बूथ पर जो बैठकें होने वाली हैं, उसके माध्यम से हम अरविंद केजरीवाल के इतने सालों के काम को बताएंगे।

'पूर्वांचलियों व कच्ची कॉलोनियों के लोगों के साथ किया भेदभाव'

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर पूर्वांचलियों व कच्ची कॉलोनियों के लोगों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है। उन्होंने दिल्ली की कच्ची कॉलोनियों पर राजनीति कर रही भाजपा को आड़े हाथ लिया। रविवार को केजरीवाल ने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार के पास अथाह ताकत और पैसा है, लेकिन पूर्वांचल समाज और कच्ची कॉलोनियों में रहने वाले लोगों के लिए एक काम नहीं किया। वहीं आप की सरकार ने पूर्वांचल समाज और कच्ची कॉलोनियों में रहने वाले लोगों के लिए अनेक काम किए हैं। हमने कच्ची कॉलोनियों में सीवर और पानी की पाइपलाइन डलवाई, बिजली के कनेक्शन कराए, जबकि भाजपा की केंद्र सरकार ने केवल कामों में अड़ंगा लगाया। केन्द्र को चुनौती देता हूं कि वह एक काम बता दें जो कच्ची कॉलोनियों में किया हो। भाजपा चाहती तो कच्ची कालोनियों की रजिस्ट्री करा देती, स्कूल, सड़क बनवा देती लेकिन नहीं किया, क्योंकि उसकी नियत ठीक नहीं है।

केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में दो सरकारें हैं। एक दिल्ली की राज्य सरकार है और दूसरी केंद्र सरकार है। दोनों सरकारों के पास दिल्ली के संबंध में पावर भी है और संसाधन भी हैं। केंद्र सरकार के पास अथाह पैसा है, उसके पास कोई कमी नहीं है। दिल्ली सरकार ने पूर्वांचल समाज के लिए 10 साल में इतना काम किया, जो उन्होंने नहीं किया। भाजपा पूर्वांचल समाज को बताए कि पूर्वांचल समाज उन्हें वोट क्यों दे? कारण बता दें।

कहा कि भाजपा वाले चाहते तो कच्ची कॉलोनियों में स्कूल बनवा देते। लेकिन इन्होंने क्यों नहीं करवाया? क्योंकि नीयत नहीं थी। काम केवल हम लोगों ने करवाया। मैंने इतने काम गिनवा दिए, ये एक काम बता दें। मैंने 6800 किलोमीटर की सीवर पाइप लाइन डलवाई है। 10 हजार किलोमीटर की सड़कें बनवाई हैं, कई और काम करवाए हैं। कई मोहल्ला क्लीनिक और स्कूल बनवाए हैं।

पांच साल हो गए, भाजपा ने अब तक नहीं खोली रजिस्ट्री

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने केवल धोखा दिया है। 2019 के दिसंबर के पहले हफ्ते में भाजपा ने ऐलान किया था कि हम आपकी रजिस्ट्री खोल रहे हैं लेकिन वो धोखा था। इस ऐलान को पांच साल हो गए हैं। पांच साल में कच्ची कॉलोनी की एक भी रजिस्ट्री नहीं हुई है। ये सब चुनाव के पहले आते हैं और धोखा देकर जाते हैं। लेकिन हमने जनता को धोखा नहीं दिया है बल्कि उनके काम किया है।

दिल्ली की हलचल

विधिवत रूप से मूर्ति की हुई प्राण प्रतिष्ठा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : गीता कॉलोनी के चाचा नेहरू हॉस्पिटल के समीप स्थित मयूर ध्वज अपार्टमेंट के दुर्गा माता मंदिर में दुर्गा माता, राधा कृष्ण, शिव परिवार, विष्णु व लक्ष्मी जी की मूर्ति के साथ-साथ राम दरबार की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य कार्यक्रम हुआ। मयूर ध्वज अपार्टमेंट के सचिव सुनील जैन और भाजपा उपाध्यक्ष विजय शर्मा मुख्य याज्यमानों द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें मंत्राचारों सहित भव्य हवन किया गया और सभी मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा सुंदर मंत्र उच्चारण के साथ की गई। उसके बाद एक विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष विजय शर्मा, मयूर ध्वज अपार्टमेंट के सचिव सुनील जैन,पूर्व महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल, भाजपा जिला प्रवक्ता एडवोकेट भारत गौड़, शाहदरा जोन चेयरमैन संदीप कपूर, निगम पार्षद प्रिया कंबोज व नीमा भगत, डॉक्टर वेदव्यास महाजन सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

हत्या की कोशिश में शामिल दो आरोपी अरेस्ट

पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी): नॉर्थ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट महेंद्र पार्क पुलिस ने एक युवक को गोली मारकर उसकी हत्या करने की कोशिश में शामिल दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान अनुज (22) और वीरू (20) के रूप में हुई है। इनके पास से एक पिस्टल और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद कर ली है। आरोपी पहले भी चार अपराधिक वारदातों में शामिल रहे हैं। पकड़े जाने के बाद आरोपियों ने बताया कि उन्होंने शोएब नाम के युवक को पुरानी दुश्मनी के चलते गोली मारी थी।

दिल्ली कैंट में अभिनंदन समारोह में किरण चौधरी का किया स्वागत

किरण चौधरी को सम्मानित करते विष्णु मित्तल व मनीषा चौधरी साथ में अन्य।

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली कैंट इलाके में भाजपा कैंट विधानसभा द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में भाजपा हरियाणा की जीत में सूत्रधार रही नेत्रियों का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम संयोजक भाजपा दिल्ली कैंट के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश सह प्रभारी मनीष सिंह की देख रेख में संपन्न हुआ।

इस अभिनंदन समारोह में राज्यसभा सांसद किरण चौधरी का भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि जब मैं दिल्ली कैंट की विधायिका थी तब मैंने झुग्गी बस्तियों को बचाने के लिए संघर्ष किया, झुग्गियों पर बुलडोजर चलने से रोका था। इस कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा महामंत्री विष्णु मित्तल भी उपस्थित रहे और उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली की आप सरकार ने 10 साल में केवल और केवल घोटाले किए और जनता को गुमराह किया। मनीष सिंह ने कहा कि इस बार दिल्ली की मातृत्व शक्ति आप सरकार को बाहर का रास्ता दिखाएगी। इस अवसर पर पार्षद रहे और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सतीश सिंघल, कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष बृजेश घई और राजू राणा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

आप-भाजपा ने रेहड़ी पटरी वाले लाखों लोगों की आजीविका को खतरे में डालाः देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली में आप और भाजपा ने रेहड़ी पटरी वाले लाखों लोगों की आजीविका को खतरे में डाल दिया है। रविवार को दिल्ली न्याय यात्रा के दूसरे चरण में यात्रा के 10वें दिन की शुरुआत करते हुए देवेन्द्र यादव ने कहा कि देवेन्द्र यादव ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी के मुखिया केजरीवाल, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी सहित भाजपा नेता दिल्ली में डीटीसी मार्शलों की नियुक्ति पर लगातार राजनीति कर रहे है। उपराज्यपाल द्वारा नियुक्ति की अनुमति के बावजूद इन्हें स्थायी नियुक्ति न देकर नाम मात्र की संख्या में अस्थायी रुप से रखा गया है। आंगनबाड़ी, सहयोगी, गेस्ट टीचर, सफाई कर्मचारी, मेडिकल व नॉन मेडिकल स्टॉफ, डाटा एंट्री आपरेटर, मार्शल किसी को भी वादा करने के बावजूद अस्थाई नौकरी दी और अस्थाई नियुक्तियों में अनियमितताओं के कारण हजारों कर्मचारियों को निकाल दिया गया। बता दें कि यात्रा एक भव्य स्वागत समारोह के साथ घोंडा चौक, घोंडा विधानसभा से शुरू हुई। यात्रा में स्थायी न्याय योद्धाओं के साथ स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ता और सहयात्री भी मौजूद थे। पूर्व सांसद संदीप दीक्षित भी न्याय यात्रा में शामिल हुए। देवन्द्र यादव ने दिल्ली न्याय यात्रा के योद्धाओं से यात्रा के दौरान अनुशासन कायम रखने की अपील की। कहा कि लोगों के दुख-दर्द को समझें ताकि भविष्य में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद दिल्ली की जनता के विकास और जीवन शैली को विकसित बनाने के लिए सुनियोजित योजना तैयार कर सकें। 10वें दिन दिल्ली न्याय यात्रा घोंडा चौक से शुरू होकर बी ब्लॉक सर्वोदय स्कूल यमुना विहार, भजनपुरा पुलिस स्टेशन, फतेह सिंह मार्ग अरविन्द नगर, मैन रोड़ गौतम विहार, और दोपहर बाद पहला पुस्ता सीलमपुर, कैथवाड़ा, टंकी वाला रोड़, जीरो पुस्ता रोड़, ब्रहमपुरी रोड़, मटका वाली गली, मैन रोड़ जाफराबाद, मरकजी चौक, जाफराबाद से निकलकर नाला रोड़ सीलमपुर विधानसभा में समापन हुआ। देवेन्द्र यादव ने कहा कि हम रेहडी पटरी, खोमचे, सब्जी वाले, लुहार, सुनार, चाय वाला, नाई, मोची, कुम्हार के दुख दर्द को जानने की कोशिश न्याय योद्धा कर रहे है।

दिल्ली न्याय यात्रा में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव व अन्य पार्टी नेता।

धार्मिक विवादित पोस्ट थाने पर हंगामे के बाद आरोपी गिरफ्तार

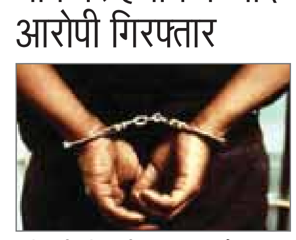

दक्षिणी दिल्ली, (पंजाब केसरी): साउथ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के जामिया नगर इलाके में धार्मिक उन्माद का मामला सामने आया है। इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विवादित पोस्ट की थी। पोस्ट वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए जामिया नगर थाने पर देर रात काफी हंगामा किया। इस दौरान सड़क पर भी भारी जाम लग गया। पुलिस अधिकारियों ने आरोपी पर उचित कार्रवाई का आश्वासन देते हुए लोगों को शांत किया और सड़क खाली कराई। डीसीपी (साउथ-ईस्ट) रवि कुमार सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी और इस मामले में शिकायतकर्ता एक ही धर्म के हैं।

मोहल्ला क्लीनिक में नहीं है खांसी की दवा

पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी): राजधानी में बढ़ते प्रदूषण और बदलते मौसम में अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन सरकारी अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिक में दवाओं का टोटा बना हुआ है। ऐसा ही कुछ हाल रिठाला स्थित मोहल्ला क्लीनिक का है जहां मरीजों को खांसी की दवा तक नहीं मिल पर रही है। जबकि 50 प्रतिशत मरीजों को इन दिनों खांसी खराश की समस्या बनी हुई है। जानकारी की अनुसार रोजाना 150 से 200 मरीज इलाज के लिए क्लीनिक में आ रहे हैं।

स्थानीय निवासी कृष्ण कुमार कश्यप ने बताया कि जो भी मरीज क्लीनिक में इलाज के लिए जा रहा है, उसे खांसी के साथ अन्य कई दवाएं नहीं मिल पा रही है, जिसके चलते उनको बाहर से दवाई लेनी पड़ रही है या फिर प्राइवेट क्लीनिक का रुख करना पड़ रहा है। वही मरीजों की जिस पर्ची व दवाएं लिखी जा रही है वह भी ऐड पेपर है। क्लीनिक में मरीजों की दवाई की पर्ची के लिए भी पेपर नहीं हैं। कृष्ण कुमार कश्यप ने मोहल्ला क्लीनिक में दवा के अभाव को लेकर एक्स पर दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना व स्थानीय विधायक महेंद्र गोयल को टैग किया है। वही कश्यप का कहना है कि इस बढ़ते प्रदूषण में लोगों को गले व आंखे संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में दिल्ली सरकार को अस्पताल और क्लीनिक में दवाओं व अन्य चीजों का इंतजाम करना चाहिए, जिससे मरीजों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

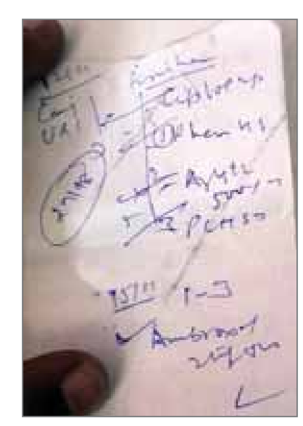

मेले में बड़ी संख्या में आए लोग, भारत की जीवंत विरासत और आर्थिक क्षमता का किया प्रदर्शन

सांस्कृतिक उत्सव, व्यापार के अवसरों और आगंतुकों के लिए अविस्मरणीय है ट्रेड फेयर

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : भारत मंडपम में 43वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) 2024 का तीसरा दिन सांस्कृतिक उत्सव, व्यापार के अवसरों और आगंतुकों के लिए अविस्मरणीय अनुभव का एक उल्लेखनीय मिश्रण था। भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) द्वारा "बेहतर भविष्य के लिए सतत विकास' थीम के तहत आयोजित इस मेले में बड़ी संख्या में लोग आए और भारत की जीवंत विरासत और आर्थिक क्षमता का प्रदर्शन किया। आईआईटीएफ 2024 के भागीदार राज्य उत्तर प्रदेश ने अपने शानदार सांस्कृतिक प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरीं। पारंपरिक संगीत, नृत्य और हस्तशिल्प प्रदर्शनों ने राज्य के समृद्ध इतिहास और कलात्मक विरासत को जीवंत कर दिया। दिन भर की गतिविधियों ने भारत के सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाया, जिससे आगंतुक गहराई से प्रेरित हुए। यूपी मंडप का उद्घाटन करते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के एक प्रमुख एमएसएमई हब में परिवर्तन पर प्रकाश डाला। उन्होंने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोजेक्ट (ओडीओपी) जैसी पहलों के माध्यम से निवेश आकर्षित करने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने में सरकार के केंद्रित प्रयासों पर जोर दिया, जिससे उद्यमियों और युवाओं के लिए ऑर्डर और रोजगार के अवसर बढ़े हैं। उनकी टिप्पणियों ने उत्तर प्रदेश की सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, जिससे यह देश के लिए एक मॉडल बन गया।

फोटोः नीरज

इंडियन ब्रदरहुड ऑफ मैजिशियन के जादू के शो ने किया मंत्रमुग्ध

जीवंत माहौल में देशभर से सांस्कृतिक प्रदर्शनों की एक शानदार श्रृंखला शामिल थी। इंडियन ब्रदरहुड ऑफ मैजिशियन ने मंत्रमुग्ध कर देने वाले जादू के शो से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसने बच्चों और वयस्कों दोनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छत्तीसगढ़ ने भावपूर्ण लोक गायन से आगंतुकों को प्रसन्न किया, जबकि पंजाब ने अपने जीवंत गायन और नृत्य प्रदर्शनों से मंच पर बेजोड़ ऊर्जा लाई। दिन का समापन हुसैन ब्रदर्स द्वारा मंत्रमुग्ध कर देने वाले कव्वाली सत्र के साथ हुआ, चहल-पहल वाले शॉपिंग एरेना में कारीगरों की कारीगरी से लेकर नए-नए सामान तक सब कुछ उपलब्ध था, जो वाणिज्य और व्यापार के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में आईआईटीएफ की प्रतिष्ठा को रेखांकित करता है।

सरस में संडे को रहा रस लोगों ने खूब की खरीदारी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 43वें विश्व व्यापार मेले में एक बार फिर परंपरा, क्राफ्ट, कला एवं संस्कृति से सराबोर सरस आजीविका मेला 2024 का आयोजन किया गया है। संडे के दिन सरस मेला में काफी भीड़ रही। लोगों ने जमकर खरीदारी की। इस दौरान ग्रामीण कलाओं की लोगों ने काफी सराहना की। साथ ही विभिन्न खाद्य पदार्थों के स्टॉलों पर भी अच्छी खासी खरीदारी हुई। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चन्द्र शेखर पेम्मासानी आज केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) द्वारा समर्थित सरस आजीविका मेला 2024 का उद्घाटन करेंगे। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित सरस आजीविका मेला 2024 में शिल्पकलाओं का मुख्य रूप से प्रदर्शन किया जा रहा है। 14 से 27 नवंबर तक चलने वाले इस उत्सव में 31 राज्यों की 300 से अधिक महिला शिल्प कलाकार बिक्री कर रही हैं।

झारखंड पवेलियन में लुभा रहा महुआ का लड्डू और अचार

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के झारखण्ड पवेलियन में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की स्टॉल पर लोग जानकारी के साथ प्राकृतिक शहद, जामुन का सिरका, जामुन के गुठलियों का पावडर, महुए का लड्डू खूब पसंद कर रहे है। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग झारखण्ड के नोडल अधिकारी गोरख नाथ यादव के अनुसार झारखण्ड की भूमि पर 31.8% वन पाए जाते हैं। वनों में सबसे ज्यादा अधिकता शाल वृक्ष की है। वहीं गमहार, सीसम, सागवान आदि के पेड़ भी पाए जाते हैं, जिनकी लकड़ियों का उपयोग व्यावसायिक और घरेलु सामानो के लिए किया जाता है। सौन्दर्यीकरण के लिए गुलमोहर, जकरन्दा, प्लेटोफार्म, अमलतास जैसे पेड़ हैं। बांस की बहुतायत भी ग्रामीणों और व्यवसायिओं के लिए आमदनी का श्रोत है। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग वनों के संरक्षण के लिए कई परियोजनाओं पर काम करती है।

बिहार पवेलियनः उमड़ी भीड़, लोक कला और परंपरा ने किया आकर्षित

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) के बिहार मंडप में रविवार को भारी भीड़ उमड़ी। राज्य के पारंपरिक हस्तशिल्प, नवाचार और अद्वितीय स्वाद ने न केवल दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया, बल्कि बिहार की कला, संस्कृति और खानपान को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाई। बिहार के स्टार्टअप क्राफ्टेज ने अपनी अनोखी सुगंधित मोमबत्तियों और हस्तशिल्प के जरिए लोगों का ध्यान खींचा। स्टार्टअप के संस्थापक गगन गौरव ने बताया कि वह अरोमा कैंडल्स और बिहार की लोक कला जैसे मधुबनी और मंजूषा पेंटिंग पर आधारित उत्पाद बनाते हैं। इस बार हमने लकड़ी के बॉक्स और ट्रे पर इन पेंटिंग्स का इस्तेमाल किया है। गगन ने बताया कि उनके उत्पादों में लिट्टी चोखा कैंडल्स, चाय बिस्किट कैंडल्स, और रूम फ्रेशनर कैंडल्स सबसे ज्यादा लोकप्रिय हुए। साथ ही, ट्रेड फेयर के जरिए नए वितरकों और रेसलर्स को जोड़ने का यह मंच उनके लिए बेहद उपयोगी साबित हो रहा है।

Office of the Executive Officer, Nagar Palika Parishad,Dadri, Gautambuddha Nagar

Notice for e-Procurement Notice

Letter No. -1996/N.P.P.D./E-Tender/2024-25 **Dated: -14-11-2024**

The Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar invites the 15th Finance Commission (Tied Grant) percentage rate bids through **e-tendering system** from the eligible and approved Contractors registered with autonomous body/Public Sector Department/ State Government/Central Government or any government department. The Bidder may submit bids for any or all of the works. Period of availability of bidding documents on website **https://etender.up.nic.in. From Date-16-11-2024 To Date-06-12-2024.** The Bids will be opened online by the authorized officer at the appointed time **Date- 07-12-2024 Time-01:00 PM.** Bid security & Tender Fees will be only in the form of **R.T.G.S./N.E.F.T.** of a scheduled HDFC Bank, Dadri, Gautambuddha Nagar, **A/C No-50100065525653, IFSC Code: - HDFC0000927** pledged in favor of concerned Executive Officer, Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar.

Name of works as per table.

S. No.	Name of Work	Total estimated Cost (in Lakh)	Bid Security (EMD) in Lakh	Cost of Bid document including GST (in Rupees)	Period of Completion on including rainy Season
1	2	3	4	5	6
1	नगर पालिका परिषद दादरी सीमांतर्गत हिट वेव में पेजयल आपूर्ति हेतु वार्ड सं.-20 से 25 में व 03 नग श्मशान घाट एवं 02 नग कब्रिस्तान में कुल 10 नग Supply & Fixing of 10 Nos Water Cooler with RO+UV and boring with summercible Pump की आपूर्ति एवं अधिष्ठापन का कार्य।	39,91,972.00	1,00,000.00	4,720.00	02 Month

Sd./-(Umesh Sharma) Clerk Nagar Palika Parishad Dadri Gautambuddha Nagar | Sd./-(Sachin Tyagi) Junior Engineer Nagar Palika Parishad Dadri Gautambuddha Nagar | Sd./-(Jaipal Singh) Junior Engineer Nagar Palika Parishad Dadri GautambuddhaNagar | Sd./-(Shalini Gupta) Executive Officer Nagar Palika Parishad Dadri GautambuddhaNagar | Sd./-(Geeta Sharma) Chairman Nagar Palika Parishad Dadri Gautambuddha Nagar

Office of the Executive Officer, Nagar Palika Parishad,Dadri, Gautambuddha Nagar

Notice for e-Procurement Notice

Letter No. -1995/N.P.P.D./E-Tender/2024-25 **Dated: -14-11-2024**

The Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar invites the 15th Finance Commission (Tied Grant) percentage rate bids through **e-tendering system** from the eligible and approved Contractors registered with autonomous body/Public Sector Department/ State Government/Central Government or any government department. The Bidder may submit bids for any or all of the works. Period of availability of bidding documents on website **https://etender.up.nic.in. From Date-16-11-2024 To Date-06-12-2024.** The Bids will be opened online by the authorized officer at the appointed time **Date- 07-12-2024 Time-01:00 PM.** Bid security & Tender Fees will be only in the form of **R.T.G.S./N.E.F.T.** of a scheduled HDFC Bank, Dadri, Gautambuddha Nagar, **A/C No-50100065525653, IFSC Code: - HDFC0000927** pledged in favor of concerned Executive Officer, Nagar Palika Parishad, Dadri, Gautambuddha Nagar.

Name of works as per table.

S. No.	Name of Work	Total estimated Cost (in Lakh)	Bid Security (EMD) in Lakh	Cost of Bid document including GST (in Rupees)	Period of Completion on including rainy Season
1	2	3	4	5	6
1	नगर पालिका परिषद दादरी सीमांतर्गत हिट वेव में पेजयल आपूर्ति हेतु वार्ड सं.-01 से 10 में 10 नग Supply & Fixing of 10 Nos Water Cooler with RO+UV and boring with summercible Pump की आपूर्ति एवं अधिष्ठापन का कार्य।	39,91,972.00	1,00,000.00	4,720.00	02 Month

Sd./-(Umesh Sharma) Clerk Nagar Palika Parishad Dadri Gautambuddha Nagar | Sd./-(Sachin Tyagi) Junior Engineer Nagar Palika Parishad Dadri Gautambuddha Nagar | Sd./-(Jaipal Singh) Junior Engineer Nagar Palika Parishad Dadri Gautambuddha Nagar | Sd./-(Shalini Gupta) Executive Officer Nagar Palika Parishad Dadri Gautambuddha Nagar | Sd./-(Geeta Sharma) Chairman Nagar Palika Parishad Dadri Gautambuddha Nagar

भारत के इक्विटी बाजार ने चीन को पछाड़ा, बेहतर रिटर्न्स दिए

नई दिल्ली, पंजाब केसरी : एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि साल 2000 से अब तक भारत के इक्विटी बाजार ने चीन के इक्विटी बाजार से भी ज्यादा रिटर्न्स दिए हैं। यह रिपोर्ट ड्यूश बैंक ने तैयार की है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने शानदार आर्थिक प्रगति की है और इसके इक्विटी बाजार का प्रदर्शन भी ठीक-ठाक रहा है, लेकिन इसके मुकाबले में भारत के इक्विटी बाजार ने बेहतर रिटर्न्स दिए हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि साल 2000 से अब तक चीन के इक्विटी बाजार ने जहां सालाना औसतन 4.0 प्रतिशत के रिटर्न्स दिए हैं। वहीं भारत के इक्विटी बाजार ने इस अवधि के दौरान 6.9 प्रतिशत की सालाना दर से शानदार रिटर्न्स दिए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का इक्विटी बाजार सबसे ज्यादा रिटर्न्स देने वाला बाजार रहा फिर चाहे वो उभरते हुए बाजार हों या फिर विकसित बाजार। रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2024 में भारत और अमेरिका उन शीर्ष बाजारों में शामिल रहे, जो रिकॉर्ड हाई अनुपात पर ट्रेडिंग कर रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी का मिल रहा निवेशकों को फायदा अमेरिकी बाजार में इस तेजी की वजह तकनीकी प्रभुत्व और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को माना जा रहा है।

भारत का इक्विटी बाजार सबसे ज्यादा रिटर्न्स देने वाला बाजार रहा

इलेक्ट्रॉनिक आयात में बड़ी गिरावट

'मेक इन इंडिया" पहल और बढ़ते स्थानीयकरण के कारण वित्तीय वर्ष 2023-2024 में इलेक्ट्रॉनिक आयात में काफी गिरावट आई है।

यह प्रवृत्ति सैमसंग, एप्पल, व्हर्लपूल, डिक्सन और हैवेल्स जैसी अग्रणी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों में देखी जा रही है ।यह गिरावट अभूतपूर्व हो सकती है। रिपोर्ट में रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) के पास इन कंपनियों की नियामक फाइलिंग का हवाला देते हुए कहा गया है कि आठ इलेक्ट्रॉनिक्स फर्मों का संयुक्त आयात मूल्य वित्त वर्ष 2014 में साल-दर-साल 7 प्रतिशत गिरकर 95,143 करोड़ रुपये हो गया। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इन कंपनियों का कुल आयात मूल्य वित्त वर्ष 2012 में 1 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया और वित्त वर्ष 2013 में और बढ़ गया। वित्त वर्ष 2014 में आयात में गिरावट कम से कम छह वित्तीय वर्षों में पहली थी, रिपोर्ट में कहा गया है कि उद्योग के अधिकारियों ने कहा कि यह शायद पहली बार था, क्योंकि उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक उद्योग पारंपरिक रूप से आयात पर बहुत अधिक निर्भर रहा है।

अर्थजगत

जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव, दालें सस्ती

नई दिल्ली, (एनएनएस): विदेशी बाजारों में आई गिरावट के प्रभाव से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि ऊंचे भाव पर उठाव कमजोर रहने से दालें सस्ती रहीं वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का दिसंबर वायदा सप्ताहांत पर 31 रिंगिट गिरकर 5119 रिंगिट प्रति टन आ गया। इसी तरह दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.9 सेंट की गिरावट के साथ 45.56 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले दिवस के स्तर पर पड़ रहे।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 17215 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 19047 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 14358 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 15018 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 12820 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 15677 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन बाजार में गिरावट का रुख रहा। इस दौरान चना 100 रुपये, दाल चना 100 रुपये, मसूर दाल 100 रुपये, मूंग दाल 100 रुपये और उड़द दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई। वहीं, अरहर दाल के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। सप्ताहांत पर चना 7400-7500, दाल चना 8400-8500, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 9400-9500, उड़द दाल 10600-10700, अरहर दाल 10400-10500 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। इस दौरान (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2700-2800 रुपये और चावल 2900-3000 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : बीते सप्ताह मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। साप्ताहांत पर चीनी एस 3590-3690, चीनी एम। 4280-4380, मिल डिलीवरी 3470-3570 और गुड़ 4800-4900 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

कल क्या होगा?

नई दिल्ली, (एनएनएस) मंगलवार मार्गशीर्ष बदी चतुर्थी को गेहूं, जौ, जई, बासमती चावल, मसूर, उड़द, मलका, तुअर, राजमा चित्रा, ग्वार, ग्वार गम, तिल, मखाना, मटर, देशी चना, मोठ, अजवायन, चिरौंजी, अंजीर, अमचूर, लौंग, जावित्री, राई, हल्दी, इमली, मेंथा ऑयल, जायफल, इमली, कालीमिर्च, रीठा, गुड़, कॉपर-पीतल, निकिल, कॉपर, सोयाबीन, अरंडी तेल में लाभ तथा मक्की, बाजरा, मूंग, काबुली चना, सरसों, बिनौला व इसके तेल, चीनी, मगज तरबूज, पोस्तदाना, किशमिश, जीरा, धनिया, कलौंजी, दालचीनी, कपास, टिटेनियम डाइऑक्साइड, मोम, सोडाएश, टिन, निकिल, पारा, सीसा में हानि हो सकती है। भाग्यांक 4-5-8-9 है। यात्रा विचार- दक्षिण दिशा की ओर 10.22 बजे पूर्वाहन के बाद यात्रा शुभ होगी।

भतीजे ने चाची की चाकू से गोदकर की हत्या

नोएडा, (पंजाब केसी): थाना जारचा क्षेत्र के कलौंदा गांव में शाहरुख ने घर में घुसकर विधवा नरगिस की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों से पता चला है कि शाहरुख को नरगिस के अवैध संबंध के बारे में पता चलने के बाद उसके सिर पर खून सवार हो गया और उसने अपनी चाची यानी नरगिस को ठिकाने लगाने का प्लान बनाना शुरू कर दिया। शुक्रवार देर रात उसने घर में घुसकर चाकू से गोदकर चाची की हत्या कर दी। जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी शाहरुख शादीशुदा है। उसका पिछले 3-4 वर्षों से महिला के साथ अवैध संबंध था।

भारतीय इकॉनामी किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम : दास

कोच्चि, (पंजाब केसरी) : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शनिवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय क्षेत्र वैश्विक घटनाओं से उत्पन्न किसी भी प्रभाव को संभालने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि देश का बाहरी क्षेत्र भी मजबूत है। दास ने कहा कि हमारा चालू खाता घाटा प्रबंधनीय सीमा के भीतर 1.1 प्रतिशत पर बना हुआ है।

दास ने यहां कोच्चि इंटरनेशनल फाउंडेशन के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, "आज भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि स्थिरता और ताकत की तस्वीर पेश करती है।

उन्होंने बताया कि इससे पहले 2010 और 2011 में चालू खाता घाटा छह से सात प्रतिशत के बीच था। दास ने यह भी बताया कि भारत के पास लगभग 675 अरब अमेरिकी डॉलर का दुनिया का सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है। आरबीआई गवर्नर ने महंगाई पर कहा, "समय-समय पर उतार-चढ़ाव के बावजूद इसके मध्यम रहने की उम्मीद है।" खाद्य महंगाई के कारण भारत की महंगाई दर सितंबर में 5.5 प्रतिशत से बढ़कर अक्टूबर में 6.2 प्रतिशत हो गई।

आपूर्ति बढ़ने से टमाटर की कीमत में आई गिरावट

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): केंद्र सरकार का कहना है कि टमाटर की कीमत में लगभग 22 प्रतिशत की कमी आई है। सरकार के मुताबिक आपूर्ति बढ़ने से टमाटर की कीमतों में यह कमी आई है। मंडी में टमाटर की कीमत में आई कमी के कारण खुदरा कीमत में भी कमी आ रही है। रविवार को केंद्रीय उपभोक्ता कार्य मंत्रालय ने बताया कि 14 नवंबर को टमाटर का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 52.35 रुपये प्रति किलोग्राम था। यह 14 अक्टूबर को 67.50 रुपये था।

सीतारमण ने मध्यम वर्ग के लिए राहत मांगने वाले एक्स उपयोगकर्ता को जवाब दिया

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को मध्यम वर्ग के लिए कर राहत की मांग करने वाले एक एक्स उपयोगकर्ता को जवाब दिय। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार लोगों की चिंताओं पर ध्यान देती है। सीतारमण ने एक्स पर उपयोगकर्ता को जवाब देते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार एक जवाबदेह सरकार है। लोगों की आवाज सुनती है और उस पर ध्यान देती है। आपकी समझ के लिए एक बार फिर धन्यवाद। आपका सुझाव मूल्यवान है।' उपयोगकर्ता ने पोस्ट किया था, 'मैं आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि मध्यम वर्ग के लिए कुछ राहत देने पर विचार करें।

सीएम विष्णुदेव का दावा, प्रदेश में नक्सलवाद अंतिम सांसें गिन रहा

रायपुर, (आशीष शर्मा): छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ राज्य सरकार को लगातार सफलता मिल रही है। अबूझमाड़ के जंगलों में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ के बाद एक बार फिर पांच हार्डकोर नक्सलियों को मार गिराने में सफलता मिली है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस सफलता पर सुरक्षा बल और पुलिस के जवानों को बधाई देते हुए हौसला बढ़ाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते 11 माह के दौरान नक्सलवाद के उन्मूलन में लगातार सफलता मिल रही है। जवानों ने पूरी ताकत झोंकी हुई है। यही वजह है कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ मुहिम शुरू होने के बाद अब तक लगभग 200 से ज्यादा नक्सलियों को ढेर किया जा चुका है। वहीं मुठभेड़ में हमारे जवानों ने बहादुरी का परिचय दिया है। मुख्यमंत्री ने नक्सलियों के खिलाफ मुहिम को रणनीतिक ढंग से आगे बढ़ाने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस मुठभेड़ में दो जवान घायल हुए हैं। उनके उपचार को लेकर निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने अभी कहा कि नक्सलियों के खिलाफ चल रहे अभियान का वह खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं। साथ ही अफसरों से हर पल की रिपोर्ट भी ले रहे हैं।

इधर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी राज्य सरकार के साथ समन्वय बनाकर अभियान को आगे बढ़ाया है। दूसरी तरफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में वर्ष 2026 के मार्च माह तक नक्सलवाद को खत्म करने का टारगेट दिया है।

नगर निगमों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए पर्याप्त शुल्क लगाने की जरूरत

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) नगर निगमों को गैर-कर राजस्व बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक सेवाएं मुहैया कराने के लिए जल आपूर्ति और स्वच्छता जैसी जरूरी सेवाओं के लिए पर्याप्त उपयोगकर्ता शुल्क लेना चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। 'नगर निगम वित्त पर रिपोर्ट' 2019-20 से 2023-24 (बजट अनुमान) में 232 नगर निगमों (एमसी) की राजकोषीय स्थिति पर गहराई से विचार किया गया है। इसमें खासतौर से 'नगर निगमों में राजस्व सृजन के अपने स्रोत: अवसर और चुनौतियां' विषय पर ध्यान दिया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, 'नगर निगम जल आपूर्ति, स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन जैसी आवश्यक सेवाओं के लिए उचित और पर्याप्त शुल्क लगाकर गैर-कर राजस्व काफी बढ़ा सकते हैं। ऐसा करके उच्च गुणवत्ता वाली सार्वजनिक सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है।' ये उपाय, अधिक पारदर्शी और जवाबदेह शासन प्रथाओं के साथ मिलकर, नगर निगमों की वित्तीय सेहत को मजबूत करने में योगदान दे सकते हैं।

श्री बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद

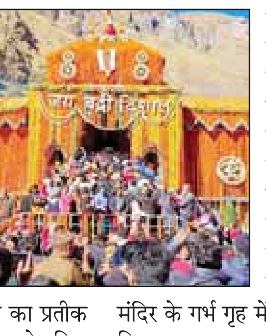

देहरादून, (सुनील तलवाड़): श्री बदरीनाथ धाम के कपाट रविवार को रात 9 बजकर 7 मिनट पर शीतकाल के लिये बंद हो गये हैं। यह अवसर तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं के लिए गहरी आस्था और भक्ति का प्रतीक बनकर उभरा। शीतकाल के लिए भगवान बदरी विशाल के कपाट बंद करने की यह विधि हर वर्ष धूमधाम से होती है और इस वर्ष भी यह उत्सव परंपराओं और श्रद्धा के बीच सजीव रूप से सम्पन्न हुआ।

श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि भगवान बदरी विशाल के कपाट बंद करने की प्रक्रिया में रावल अमरनाथ नंबूदरी ने विशेष रूप से माता लक्ष्मी का स्त्री रूप धारण कर मंदिर के गर्भ गृह में उन्हें विराजमान किया।

इससे पहले, श्रद्धालुओं और पुजारियों ने एक-एक परंपरा का निर्वहन किया। इस दौरान, श्री उद्धव जी और श्री कुबेर जी के उत्सव विग्रह को भी मंदिर परिसर में लाया गया। रात्रि 8 बजे के बाद, कपाट बंद करने की प्रक्रिया शुरू हो गई।

केंद्र ने हरियाणा के दो बिल वापस लौटाए

चंडीगढ़, (राजेश जैन): केंद्र सरकार ने हरियाणा के लिए दो बिलों का सुझाव के साथ वापस लौटा दिया है! ये दो बिल संगठित अपराधियों और शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन करने वालों के विरुद्ध पास कर केंद्र सरकार को भेजे गए ! इन दोनों कानूनों को राष्ट्रपति के पास भेजने से पहले ही केंद्र की ओर से राज्य सरकार को वापस भेज दिया गया है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने भी इन दोनों बिलों का विधान सभा में विरोध किया था।

अब केंद्र सरकार की ओर से इन दोनों कानूनों में जरूरी संशोधन का सुझाव दिया गया है, जिसके बाद हरियाणा सरकार इन दोनों कानूनों को सोमवार को विधानसभा में वापस लेगी। पहला कानून, हरियाणा संगठित अपराध नियंत्रण विधेयक 2023 से जुड़ा है, जिसमें राज्य में होने वाले संगठित अपराधों पर अंकुश लगाने के कड़े प्रविधान किये गये थे। कांग्रेस इस कानून के विरोध में थी। दूसरा कानून, हरियाणा आनरेबल डिस्पोजल आफ डेड बाडी बिल 2024 है, जिसमें किसी भी शव के साथ प्रदर्शन, धरना या रोड जाम करने पर छह माह से पांच साल तक कैद व एक लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

- विधानसभा और विधानसभा के बाहर कांग्रेस ने किया था इन दोनों बिलों का विरोध

हरियाणा विधानसभा में यह दोनों बिल पिछली भाजपा सरकार के कार्यकाल के आखिरी दिनों में पास किये गये थे। हरियाणा संगठित अपराध नियंत्रण विधेयक 2023 का विरोध असंध के तत्कालीन कांग्रेस विधायक शमशेर सिंह गोगी ने किया था, जबकि हरियाणा आनरेबल डिस्पोजल आफ डेड बाडी बिल 2024 का विरोध सदन के बाहर कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने किया था। राज्य सरकार अब इन दोनों बिलों को वापस लेने के बाद इनमें जरूरी बदलाव करेगी।

हरियाणा में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव जनवरी में होंगे

चंडीगढ़, (पंजाब केसरी):हरियाणा में सिख समुदाय के नेताओं ने सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एचएसजीएमसी) के चुनाव के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और गुरुद्वारा चुनाव आयोग के रिटायर अध्यक्ष न्यायमूर्ति एचएस भल्ला के साथ बैठक की है। मीटिंग में सिख समुदाय के नेताओं ने चुनाव जल्द करवाने की मांग उठाई है। सीएम सैनी की तरफ से आश्वासन दिया गया है कि चुनाव अगले साल जनवरी में हो सकते हैं। हालांकि अब तक चुनावों के लेकर फाइनल डेट घोषित नहीं की गई है। सिख समाज संस्था के अध्यक्ष दीदार सिंह नलवी के मुताबिक चुनाव के लिए 28 उम्मीदवारों नाम भी फाइनल कर लिए गए हैं।

भारतीय बाजार की अनदेखी नहीं की जा सकती : वैश्विक विशेषज्ञ

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दुनिया के शीर्ष उद्योग विशेषज्ञों की राय है कि सरकार की सुधारात्मक पहलों और तेजी से बढ़ते टेक उद्योग के दम पर भारत एक ऐसा बाजार बन चुका है जिसकी कोई अनदेखी नहीं कर सकता।

हाल ही में एशिया में निवेश के अवसर और व्यापार के बाद की प्रतिक्रिया विषय पर आयोजित एक सेमिनार में एक प्रतिभागी ने कहा कि पांच साल पहले उभरते बाजार सूचकांक पर भारत का भारांक नौ प्रतिशत था। उन्होंने कहा, यह अब 20 प्रतिशत से अधिक हो गया है। यह विकास की ऐसी गाथा है जिसमें कई संरचनात्मक और विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में पैठ को लेकर काफी सकारात्मक चीजें है।

- सूचकांक पर भारत का भारांक नौ प्रतिशत था अब 20 प्रतिशत से अधिक हो गया है

सेमिनार का आयोजन डॉयचे बैंक के सहयोग से 'द एसेट' द्वारा किया गया था। एमएससीआई के उभरते बाजार सूचकांक के अनुसार, शीर्ष पांच देशों का वेटेज लगभग 80 प्रतिशत है। हाल के वर्षों में भारत लगातार मजबूत हुआ है। जून 2024 में भारत सरकार के बांडों को जे.पी. मॉर्गन ग्लोबल बॉन्ड इंडेक्स-इमर्जिंग मार्केट इंडिसेज में पहली बार शामिल किया गया था।

मेडिकल छात्र का शिक्षक ने सिर मुंडवाया

हैदराबाद, (पंजाब केसरी): तेलंगाना के खम्मम जिले में राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के एक शिक्षक ने एक छात्र को कथित तौर पर नाई की दुकान पर ले जाकर उसका सिर मुंडवा दिया। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने 12 नवंबर को हुई इस घटना को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने के आदेश दिए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह रैगिंग का मामला नहीं है। राज्य सरकार के अधिकारियों ने बताया कि जानकारी के मुताबिक शुरू में संस्थान के छात्रावास में कुछ वरिष्ठ छात्रों ने प्रथम वर्ष के छात्र से कहा कि उसकी 'हेयर स्टाइल' महाविद्यालय के छात्र के लिए उचित नहीं है और वह बाल कटवा ले।

बिलासपुर में आयोजित होगा समारोह

शिमला, (विक्रांत सूद): मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू से आज तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी, पूर्व मंत्री राम लाल ठाकुर, पूर्व विधायक बंबर ठाकुर और कांग्रेस नेता विवेक कुमार ने उनके सरकारी आवास ओक ओवर में भेंट की और बिलासपुर जिला के विकासात्मक कार्यों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने का समारोह 11 दिसंबर को बिलासपुर जिला के कहलूर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस समारोह को सफल बनाने के लिए अभी से तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए। बिलासपुर में चारों नेताओं ने मुख्यमंत्री को विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने का समारोह ऐतिहासिक होगा।

मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ नेताओं से जिला में कार्यान्वित की जा रही विकासात्मक परियोजनाओं पर चर्चा की और कहा कि राज्य सरकार बिलासपुर जिला के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं आने देगी। वरिष्ठ नेताओं ने मुख्यमंत्री के समक्ष बैरी-दड़ोला पुल के निर्माण की मांग करते हुए कहा कि इस पुल के निर्माण से तीन विधानसभा क्षेत्रों बिलासपुर सदर, झंडूता और घुमारवीं के लोगों को लाभ मिलेगा।

नागपुर में 14 करोड़ का सोना जब्त

नागपुर, (एजेंसी): महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य भर में पुलिस और जांच एजेंसियां सतर्क हैं। चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद से नकदी, सोने और अन्य संपत्तियों के परिवहन पर नजर रखी जा रही है। इसी को लेकर मुंबई में 80 करोड़ की चांदी के बाद अब नागपुर में 14 करोड़ से ज्यादा का सोना जब्त किया गया है।

बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर 20 नवंबर को वोटिंग होनी है। चुनाव के मद्देनजर जांच एजेंसियां और पुलिस राज्य में होने वाली गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। एजेंसी के अनुसार, एक अधिकारी ने बताया कि जेवरात और बिस्किट के रूप में सोना गुजरात की कंपनी सीक्वेल लॉजिस्टिक्स द्वारा ले जाया जा रहा था। रास्ते में टीम चेकिंग कर रही थी, उसी दौरान वाहन को पकड़ लिया गया। यह शिपमेंट गुरुवार को फ्लाइट से नागपुर पहुंचा था, जिसके बाद इसे अमरावती भेजा जा रहा था।

- जेवरात और बिस्किट के रूप में सोना सीक्वेल लॉजिस्टिक्स द्वारा ले जाया जा रहा था

अधिकारी ने बताया कि वाहन को अंबाझरी झील से वाडी की ओर जाते समय रोका गया। सोने को जब्त करके अंबाझरी पुलिस स्टेशन ले जाया गया। नागपुर में फ्लाइंग स्क्वॉड टीम ने जो सोना जब्त किया, जेवरात और बिस्किट के रूप में था। सोने की ये खेप फ्लाइट से नागपुर पहुंची थी। इस पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। महाराष्ट्र में 15 अक्टूबर से आदर्श आचार संहिता लागू है।

12 राशियां और आपका दिन

Forecast for 18 November, 2024
By: Dr. Prem Kumar Sharma
(Astrologer, Palmist, Numerologist & Vastu Consultant)
Email: psharma@premastrologer.com,
Url: http://www.premastrologer.com
Contact: Panchkula: +91-172-2562832, 2572874
Delhi: +91-11-47033152/40532026

premastrologer premastrologer premastrologer askpremastrologer

मेष ARIES (21 मार्च- 20 अप्रैल) लापरवाही के कारण बीमार पड़ सकते हैं। प्रोफेशनल क्षेत्र में किसी की मदद मिलेगी। परिवार के लोगों का गेट टु गेदर होने वाला है। छोटे वेकेशन पर जाने की संभावना है।
लकी नंबर : 8, लकी कलर :व्हाइट

वृषभ TAURUS (21 अप्रैल- 20 मई) सेहत के मामले में अति करने से बचें। बड़ी डील फाइनल होगी, मुनाफा होगा । आपकी काबिलियत क्लाइंट को इंप्रेस करेगी। घरेलू समस्याओं का समाधान मिल जायेगा।
लकी नंबर : 4, लकी कलर :डार्क ब्लू

मिथुन GEMINI (21 मई- 21 जून) हल्के व्यायाम आपकी फिटनेस मेंटेंन रखेंगे। आमदनी का नया जरिया मिलने वाला है। बड़ों की बात नहीं मानने से परेशानी बढ़ेगी। मनपसंद जगह की यात्रा पर जा सकते हैं।
लकी नंबर : 6, लकी कलर :रेड

कर्क CANCER (22 जून- 22 जुलाई) सेहत के मामले में टालमटोल भारी पड़ेगा। अनावश्यक चीजों पर खर्चा कर सकते हैं। जॉब तलाशने वालों को सुखद खबर मिलेगी। फैमिली रियूनियन की संभावना बन रही है।
लकी नंबर : 7, लकी कलर :ऑफ व्हाइट

सिंह LEO (23 जुलाई- 23 अगस्त) पेरेंट्स की तबियत सुधरने में वक्त लगेगा। धीरे-धीरे इनकम फ्लो बढ़ने वाला है। वर्कप्लेस की नई पॉलिसी से लाभ होगा। लंबी यात्रा पर पूरी तैयारी के साथ ही निकलें।
लकी नंबर : 22, लकी कलर :पर्पल

कन्या VIRGO (24 अगस्त- 23 सितंबर) परिवार के किसी मेंबर के स्वास्थ की चिंता दूर होगी। सेविंग के जरिये आर्थिक स्थिरता आयेगी। घरेलू मामले में धैर्य रखना आवश्यक होगा। ट्रिप पर जाना आपको तरोताजा कर देगा। किसी करीबी की उपलब्धि पर गर्व होगा।
लकी नंबर : 3, लकी कलर :ब्राउन

तुला LIBRA (24 सितंबर - 23 अक्टूबर) बदलाव के रुप में स्पेशल डाइट ले सकते हैं। किसी पॉपुलर स्कीम में निवेश कर पायेंगे। अपनी टीम की बदौलत प्रोजेक्ट पूरा कर लेंगे। वेकेशन पर जाने का सपना पूरा हो सकता है।
लकी नंबर : 17, लकी कलर :मैरून

वृश्चिक SCORPIO (24 अक्टूबर-22 नवंबर) नार्मल हेल्थ इश्यूज में घरेलू नुस्खा कारगर रहेगा। सही मेनेजमेंट से फाइनेंशियल परेशानी दूर होगी। पेशेवर क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आयेंगे।
लकी नंबर : 5, लकी कलर :सिल्वर

धनु SAGITTARIUS (23 नवंबर-21 दिसंबर) खान पान की गलत आदतें बदलनी होगी । आर्थिक स्तर पर उत्साहजनक स्थिति रहेगी। आपको एक्सट्रा लोड लेने की जरुरत नहीं। परिवार का युवा सदस्य हाथ बंटा सकता है।
लकी नंबर : 18, लकी कलर :क्रीम

मकर CAPRICORN (22 दिसंबर-21 जनवरी) सेहत की चिंता चेकउप के लिये प्रेरित करेगी। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रख सकते हैं। नेटवर्किंग जॉब के नये अवसर दे सकता है। कार्यसंबंधी यात्रा सफल रहेगी,काम बनेगा।
लकी नंबर : 7, लकी कलर :गोल्डन

कुंभ AQUARIUS (22 जनवरी- 19 फरवरी) फिटनेस के प्रति आपकी जागरुकता बढ़ेगी। इन्वेस्टमेंट के शानदार अवसर मिलने वाले हैं। अच्छी सलाह प्रोफेशन में सफलता दिलवाएगी । ट्रैवल प्लान मन मुताबिक रहे जरुरी नहीं। परिवार और दोस्तों के बीच डिमांड बढ़ेगी।
लकी नंबर : 1, लकी कलर :मैजेंटा

मीन PISCES (20 फरवरी- 20 मार्च) अपने वर्कआउट रुटिन से ब्रेक ले सकते हैं। सेहत को नजरअंदाज करना महंगा पड़ेगा। आज कोई बड़ी बिजनेस डील करने वाले हैं। आपका सपोर्ट बच्चे का उत्साह बढ़ायेगा। दोस्तों के साथ ट्रिप पर जाना रोमांचक रहेगा।
लकी नंबर : 11, लकी कलर :सेफ्रॉन

तय समय पर काम पूरा न करने एवं घटिया नाला निर्माण के चलते कंपनी ब्लैकलिस्ट

नोएडा, (पंजाब केसी) : सेक्टर 8 और सेक्टर 10 में बन रहे नाले का निर्माण कार्य न तो तय समय पर पूरा हुआ और निर्माण कार्य में घटिया मैटेरियल निर्माण कार्य में उपयोग किया गया। जिसके चलते प्राधिकरण ने कंपनी को ब्लैक लिस्ट कर दिया सीईओ ने जांच के आदेश भी दे दिए हैं। यही नहीं नोएडा प्राधिकरण की थर्ड पार्टी कंपनी फोर्ट्रेस की आपत्ति के बाद भी वर्क सर्किल ने निर्माण कंपनी चौधरी एसोसिएट को 90 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। जबकि नाला निर्माण में बहुत घटिया सामग्री का इस्तेमाल हुआ। निर्धारित जगहों पर सरिया नहीं डाली गई, जिससे आरसीसी ने जगह क्षतिग्रस्त होने लगा, निर्माण के दौरान कई जगहों पर नाला टूट गया। ऐसे में प्राधिकरण सीईओ डा लोकेश एम ने नाला निर्माण कार्य रोक निर्माण कंपनी चौधरी एसोसिएट को ब्लैकलिस्ट कर दिया है। साथ ही पूरे प्रकरण पर तीन सदस्य कमेटी का गठन कर जांच के आदेश दे दिए है।

- कंपनी पर लगाया जा चुका है पांच लाख का जुर्माना

हरियाणा के खिलाड़ियों ने बढ़ाया तिरंगे का मान

गुरुग्राम (पंजाब केसरी): अमेरिका के कोलोराडो शहर में आयोजित यूथ वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में अंडर-19 श्रेणी में गोल्ड मेडल जीतने वाले विजेता हेमंत सांगवान को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वर्ष 2028 ओलंपिक के लिए बधाई दी। साथ ही भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यहां सिविल लाइन्स स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान हेमंत सांगवान के साथ कोच हितेश देशवाल भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है।

सीएनजी खुदरा विक्रेता चाहते हैं मूल्य वृद्धि, सरकार देखेगी लागत

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड और अदाणी टोटल गैस लिमिटेड जैसी शहरी गैस कंपनियां सस्ती गैस की आपूर्ति में एक महीने में दूसरी बार कटौती के बाद सीएनजी की कीमतों में वृद्धि पर विचार कर रही हैं। हालांकि, सरकारी अधिकारियों का कहना है कि खुदरा विक्रेताओं को वृद्धि को उचित ठहराने के लिए लागत का ब्योरा देना होगा।

सरकार ने 16 नवंबर से पुराने फील्ड से शहर के गैस खुदरा विक्रेताओं को मिलने वाली सस्ती प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में 20 प्रतिशत तक की कटौती कर दी है। इससे पहले 16 अक्टूबर को 21 प्रतिशत की कटौती की गई थी।

शहरी गैस खुदरा विक्रेता आईजीएल (राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के शहरों में सीएनजी की खुदरा बिक्री करने वाली), महानगर गैस लिमिटेड (मुंबई में बिक्री करने वाली) तथा अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (गुजरात और अन्य स्थानों पर परिचालन) ने शेयर बाजार को दी सूचना में आपूर्ति में कटौती के कारण लाभप्रदता संबंधी चिंताएं जताई हैं तथा कीमतों में वृद्धि का संकेत दिया है।

हालांकि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधिकारी इससे प्रभावित नहीं हैं।

दिल्ली, 18 नवम्बर, 2024 सोमवार
ईशावास्यमिदं सर्व यत्किन्च जगत्यां जगत्
भगवान इस जग के कण-कण में विद्यमान हैं।

पंजाब केसरी संपादकीय
संस्थापक: शहीद शिरोमणि लाला जगतनारायण जी, अमर शहीद रमेश चन्द्र जी एवं कलम के योद्धा अश्विनी कुमार जी

झांसी के अस्पताल की घटना

भारत के विभिन्न राज्यों में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों की जो जर्जर हालत है वह हर साल किसी न किसी राज्य में होने वाले दर्दनाक हादसों से बयान होती है। मगर जब से स्वास्थ्य सेवाओं का निजीकरण व कार्पोरेटीकरण होना शुरू हुआ है तबसे सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं और भी अधिक खस्ता हाल हो गई हैं। लोकतन्त्र में किसी भी चुनी हुई सरकार की पहली जिम्मेदारी लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य व खाद्य की सुविधाएं उपलब्ध कराने की होती है। महात्मा गांधी ने आजादी से पहले ही अपने अखबार 'हरिजन' में इस सम्बन्ध में कई बार सम्पादकीय लिखकर चेताया था और कहा था कि जनतन्त्र में जो सरकार इन सुविधाओं को मुहैया नहीं करा सकती वह 'सरकार' नहीं कहलाई जा सकती बल्कि अराजकतावादियों का जमघट होती है। उत्तर प्रदेश के झांसी नगर के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कालेज में विगत दिन जो घटना घटी है उसने भारत की जनता का दिल दहला दिया है ।

इस अस्पताल के नवजात शिशु प्रकोष्ठ में आग लगने से दस बच्चे जलकर मर गये जबकि अन्य 39 बुरी तरह झुलस गये। इनमें से बहुत से बच्चे गमभीर रूप से जले हुए हैं। जिन दस बच्चों की मृत्यु हुई है उनमें से केवल सात की ही शिनाख्त हो सकी है जबकि शेष तीन के शवों की डीएनए जांच हो रही है जिससे उनके माता-पिता को उन्हें सौंपा जा सके। झांसी बुन्देलखंड के इलाके में पड़ता है जिसमें साथ लगे मध्यप्रदेश से भी लोग इलाज के लिए आते हैं। प्रारम्भिक खबरों के अनुसार जब आग लगी तो अस्पताल के अग्निशमन यन्त्र काम नहीं कर रहे थे जिससे आग पर काबू पाने के लिए बाहर से अग्निशमन दस्ते बुलाये गये और आग पर बहुत मुश्किल से काबू पाया गया। लक्ष्मीबाई अस्पताल सरकारी अस्पताल है जिसे उत्तर प्रदेश सरकार चलाती है। नवजात शिशुओं का ऐसे हादसों में मरना सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था पर लानत भेजता है और बताता है कि इन सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर प्रबन्धन की क्या हालत है। बाजार मूलक अर्थव्यवस्था के दौर में सरकारी अस्पतालों की जो उपेक्षा हो रही है और गरीब आदमी को अपना इलाज निजी अस्पतालों में कराना कितना महंगा पड़ रहा है। उसके बारे में यही कहा जा सकता है कि निजी डॉक्टर को एक बार दिखाने में गरीब मजदूर आदमी की एक दिन की दिहाड़ी भी कम पड़ती है। जहां तक आयुष्मान भारत स्कीम का सवाल है तो इसका लाभ निजी अस्पताल व बीमा कम्पनियां जमकर उठा रही हैं और इस स्कीम के तहत एक बार अस्पताल जाने पर ही गरीब आदमी का लाखों रुपये का बिल बना दिया जाता है। अन्त में सरकारी अस्पताल ही गरीब आदमी के आश्रय स्थल बचते हैं और इनमें स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर आलम यह है कि स्वास्थ्य उपकरण या मशीनें हैं तो डॉक्टर नहीं और डॉक्टर हैं तो दवाएं नहीं। आखिरकार गरीब आदमी को झोलाछाप डाक्टरों की शरण में जाना पड़ता है। मगर रानी झांसी अस्पताल उत्तर प्रदेश का प्रतिष्ठित अस्पताल माना जाता है मगर इसकी हालत यह है कि इसके नवजात शिशु प्रकोष्ठ में शिशुओं को भर्ती करने की क्षमता केवल 19 ही है मगर हादसे के वक्त इसमें 49 शिशु भर्ती थे।

बाजार मूलक अर्थव्यवस्था के दौर में सरकारी अस्पतालों की जो उपेक्षा हो रही है और गरीब आदमी को अपना इलाज निजी अस्पतालों में कराना कितना महंगा पड़ रहा है। उसके बारे में यही कहा जा सकता है कि निजी डॉक्टर को एक बार दिखाने में गरीब मजदूर आदमी की एक दिन की दिहाड़ी भी कम पड़ती है। जहां तक आयुष्मान भारत स्कीम का सवाल है तो इसका लाभ निजी अस्पताल व बीमा कम्पनियां जमकर उठा रही हैं और इस स्कीम के तहत एक बार अस्पताल जाने पर ही गरीब आदमी का लाखों रुपये का बिल बना दिया जाता है। अन्त में सरकारी अस्पताल ही गरीब आदमी के आश्रय स्थल बचते हैं और इनमें स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर आलम यह है कि स्वास्थ्य उपकरण या मशीनें हैं तो डॉक्टर नहीं और डॉक्टर हैं तो दवाएं नहीं।

सवाल यह है कि गरीब आदमी जाये तो कहां जाये ? घूम- फिर कर वह सरकारी अस्पताल ही जाता है और उत्तर प्रदेश में हालत यह है कि कुछ वर्ष पहले यहां के गोरखपुर अस्पताल में भी आक्सीजन की कमी की वजह से कई दर्जन बच्चे मर गये थे। राज्य सरकार का स्वास्थ्य बजट जिस तरह से साल दर साल कम होता जा रहा है उससे यही आभास होता है कि सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र को निजी क्षेत्र के भरोसे छोड़ दिया है। मगर ऐसा केवल उत्तर प्रदेश में ही नहीं है बल्कि अधिसंख्य राज्य सरकारों की हालत यही है। अपवाद स्वरूप केवल केरल राज्य है जहां सार्वजनिक या सरकारी स्वास्थ्य ढांचा बहुत मजबूत है। जहां तक उत्तरी राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश आदि का सवाल है तो इनमें किसी भी चुनाव में स्वास्थ्य या शिक्षा कभी चुनावों का मुद्दा नहीं बनते। जिस भारत में 80 करोड़ लोगों को दोनों वक्त का राशन सरकार मुफ्त सुलभ करा रही हो तो सोचा जा सकता है कि इन लोगों के लिए केवल सरकारी स्वास्थ्य चिकित्सालय ही आखिरी आसरा होंगे और सरकारों ने सरकारी अस्पतालों को लावारिस बना कर छोड़ रखा है।

आदित्य नारायण चोपड़ा
Adityachopra@punjabkesari.com

आज जाना कि ऊपर से देखने पर..

कुछ चेहरे दूर से जितने उजले नजर आए,
पास जाकर देखने पर वो अंदर से उतने ही खोखले पाए,
महलों में रहने वाले झोंपड़ों की पीड़ा कब समझ पाए,
आज जाना कि ऊपर से देखने पर साहब को–
नीचे वाले छोटे ही क्यों नजर आए...!!

गीता पाढा

'आप' सांसद ने चंडीगढ़ में हरियाणा को जमीन देने के मुद्दे पर चिन्ता जताई

चंडीगढ़, (भाषा): आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद मलविंदर सिंह कंग ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर हरियाणा को चंडीगढ़ में विधानसभा भवन के निर्माण के लिए 10 एकड़ जमीन आवंटित करने के केंद्र के कथित कदम पर चिंता जताई। गृह मंत्री को लिखे पत्र में कंग ने कहा कि चंडीगढ़ जिस जमीन पर बना है वह कभी पंजाबी भाषी 50 गांवों की थी और उन्होंने इस बात पर बल दिया कि हरियाणा को जमीन आवंटित करने के कथित कदम से पंजाब के लोगों में व्यापक असंतोष पैदा हुआ है।

पत्र में कहा-मैं चंडीगढ़ में हरियाणा सरकार को उनका विधानसभा भवन बनाने के लिए भूमि आवंटित करने के केंद्र सरकार के हालिया प्रस्ताव पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करता हूं। इसमें कहा गया, ''यह घटनाक्रम पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ में जमीन पर अतिक्रमण का प्रयास है।'' उन्होंने चंडीगढ़ के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चंडीगढ़ जिस जमीन पर बना है वह कभी पंजाबी भाषी 50 गांवों की थी।

एक अजूबे से कम नहीं चंडीगढ़-विवाद

डा. चन्द्र त्रिखा
chandertrikha@gmail.com

चंडीगढ़-विवाद पर एक बार फिर दो पड़ौसी प्रदेशों में तनातनी चरम पर पहुंच गई है। यह विवाद, वर्ष 1966 ये यानी 58 वर्ष पहले आरम्भ हुआ था। जिस प्रधानमंत्री के कार्यकाल में यह विवाद आरंभ हुआ था, उसके बाद देश में आधा दर्जन प्रधानमंत्री बदल चुके। शाह आयोग, उसके बाद मैथ्यू आयोग, फिर वेंकटचलैया आयोग, राजीव-लौंगोवाल समझौता, उसके बाद चौधरी देवी लाल का न्याययुद्ध, एसवाईएल की खुदाई, फिर आधी-बनी एसवाईएल की रेत से भराई, एक अजब सिलसिला जारी है जो सर्वोच्च न्यायालय तक भी पहुंचा।

पंजाब व हरियाणा की सरकारों ने अपने-अपने पक्ष में पैरवी के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर डाले। लम्बी खामोशी के बाद एक सप्ताह पूर्व यह विवाद फिर से कुनमुनाने लगा है। नई पीढ़ी के युवाओं के लिए यह बहुत बड़ा आश्चर्य है। इस पीढ़ी के युवा इसे एक पहेली के रूप में ले रहे हैं। वे हैरान हैं। दो प्रदेशों की सरकारें एक ही सचिवालय की इमारत से पिछले 58 वर्ष से अपना-अपना प्रशासन चला रही हैं। दोनों प्रदेशों के मुख्यमंत्री व मंत्रीगण और उच्चाधिकारीगण इसी इमारत में बैठते हैं।

दोनों प्रदेशों के लिए उच्च न्यायपालिका भी एक ही भवन 'पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट' से न्याय बांटती है। दोनों प्रदेशों की विधानसभाएं एक ही परिसर से अपने सारे वैधानिक कर्त्तव्यों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करती हैं। कई बार ऐसा भी हुआ है कि दोनों सरकारों के बजट-सत्र एक ही समय पर सम्पन्न हो रहे होते हैं। उन दिनों तो इस परिसर के प्रवेश-कक्ष को पंजाब, हरियाणा के पत्रकार भी सांझा करते हैं। ऐसे अवसरों पर प्रेस कक्ष की कैंटीनें भी दोनों सरकारों की साझेदारी में चलती हैं।

दोनों विधानसभाओं में दोनों राज्यों के राज्यपाल अपने-अपने लाव-लश्कर के साथ अपने-अपने अभिभाषणों के लिए पहुंचते हैं। यह सांझेदारी भी 58 वर्ष से चलती आ रही है। दोनों सरकारें एक ही परिसर में बैठकर एक-दूसरे के विरुद्ध हर वर्ष प्रस्ताव भी पारित करती हैं। थोड़ा और आगे बढ़ें। दोनों प्रदेशों के राज्यपालों के मध्य एक किलोमीटर से भी कम का फासला है। दोनों प्रदेशों के मुख्यमंत्री-आवासों के बीच भी एक किलोमीटर का भी फासला नहीं है।

युवा-पीढ़ी इसे अविश्वसनीय मानती है। यह कैसे हो सकता है कि चार-पांच किलोमीटर की परिधि से अलग-अलग सरकारें, अलग-अलग राज्यपाल, अलग-अलग मुख्यमंत्री अपने-अपने पूरे प्रशासन तंत्र के साथ सांझेदारी में रह सकता है तो विवादों का समाधान संवादों से क्यों नहीं हो सकता। यह युवा पीढ़ी अभी भी समझ नहीं पा रही कि इस अलगाव, इस दूरी, इस संवादहीनता में तार्किकता क्यों दिखाई नहीं देती।

इस विवाद का एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि इसी नगर से एक तीसरा प्रशासनिक तंत्र भी चलता है। वह है चंडीगढ़-प्रशासन। इसके गृह सचिव अलग है, वित्त सचिव अलग है, पुलिस-प्रशासन अलग है। प्रशासक का पद, पंजाब के राज्यपाल के पास है लेकिन इस प्रशासन में सत्ता के सूत्र जिस अधिकारी के हाथ में हैं, वह 'प्रशासक का सलाहकार' कहलाता है। इस तंत्र के लिए उच्चस्तरीय फैसले, केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा किए जाते हैं, यहां तक कि चंडीगढ़-प्रशासन के लिए बजट-प्रावधान केंद्रीय बजट का ही एक अंग होते हैं। दो और सांझी मगर विवादास्पद इकाइयां हैं, पंजाब विश्वविद्यालय और 'एम्स' यानी 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान'। पंजाब विश्वविद्यालय के कुलपति का पद देश के उप राष्ट्रपति के पास है। इसमें पंजाब या हरियाणा के राज्यपालों या मुख्यमंत्रियों का कोई दखल नहीं होता।

इस विलक्षण अत्याधुनिक महानगर का एक और पहलू भी है। इसके 'रॉक गार्डन', 'पैरेट गार्डन', 'सुखना लेक' आदि के नाम दोनों सरकारों के बीच विवाद का मुद्दा नहीं है। यह तथ्य भी कम दिलचस्प नहीं है कि दो सरकारों की वर्तमान स्थिति किराएदारों सरीखी है। दो सरकारें यदि अपनी-अपनी अलग इमारतों के निर्माण में कोई तोड़फोड़ या बदलाव करना चाहें तो उन्हें भी चंडीगढ़-प्रशासन से अनुमति लेनी होती है। पानी की व्यवस्था, बिजली की व्यवस्था, सीवरेज़-व्यवस्था, सडक़ों का रखरखाव, सभी की जिम्मेदारी चंडीगढ़-प्रशासन के पास है। इसमें पंजाब या हरियाणा की सरकारों का कोई दखल नहीं है।

अब नया विवाद इस चंडीगढ़ की उस 12 एकड़ भूमि को लेकर है जिसमें हरियाणा अपना अलग विधानसभा-भवन बनाना चाहता है। इस भूमि के एवज में हरियाणा, चंडीगढ़-प्रशासन को उतनी ही भूमि दे रहा है। अब पंजाब अड़ गया है। यानि दोनों सरकारों के मध्य अब विवाद का एक नया मुद्दा छिड़ गया है। नई पीढ़ी इसलिए भी परेशान है कि आखिर दो प्रबुद्ध सरकारें सांझी छतों के नीचे क्यों नहीं रह पा रही? कठिनाई यह भी है कि यह नया विवाद फिर धीरे-धीरे सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचेगा और फिर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बावजूद मामला अधर में ही लटका रहेगा।

रोज़गारपरक शिक्षा कैसे हो?

विनीत नारायण
www.vineetnarain.net

आये दिन अख़बारों में पढ़ने में आता है जिस देश में चपरासी की नौकरी के लिए लाखों ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट, बी. टेक व एमबीए जैसी डिग्रीधारकों की दुर्दशा का वर्णन किया जाता है। ऐसी हृदय विदारक खबर पर बहुत विचारोत्तेजक प्रतिक्रियाएं भी आती हैं। सवाल है कि जो डिग्री नौकरी न दिला सके, उस डिग्री को बांटकर हम क्या सिद्ध करना चाहते हैं।

दूसरी तरफ दुनिया के तमाम ऐसे मशहूर नाम हैं, जिन्होंने कभी स्कूली शिक्षा भी ठीक से पूरी नहीं की। पर पूरी दुनिया में यश और धन कमाने में झंडे गाढ़ दिए। जैसे स्टीव जॉब्स, जो एप्पल कंपनी के मालिक हैं। कभी कालेज पढ़ने नहीं गए। फोर्ड मोटर कंपनी के संस्थापक हिनेरी फोर्ड के पास मैनेजमेंट की कोई डिग्री नहीं थी। जॉन डी रॉकफेलर केवल स्कूल तक पढ़े थे और विश्व के तेल कारोबार के सबसे बड़े उद्यमी बन गए। मार्क टुइन और शेक्सपीयर जैसे लेखक बिना कालेज की शिक्षा के विश्वविख्यात लेखक बने।

पिछले 25 वर्षों में सरकार की उदार नीति के कारण देशभर में तकनीकि शिक्षा व उच्च शिक्षा देने के लाखों संस्थान छोटे-छोटे कस्बों तक में कुकरमुत्ते की तरह उग आए। जिनकी स्थापना करने वालों में या तो बिल्डर्स थे या भ्रष्ट राजनेता। जिन्होंने शिक्षा को व्यवसाय बनाकर अपने काले धन को इन संस्थानों की स्थापना में निवेश कर दिया। एक से एक भव्य भवन बन गए। बड़े-बड़े विज्ञापन भी प्रसारित किए गए। पर न तो इन संस्थानों के पास योग्य शिक्षक उपलब्ध थे, न इनके पुस्तकालयों में ग्रंथ थे, न प्रयोगशालाएं साधन संपन्न थीं, मगर दावे ऐसे किए गए मानो गांवों में आईआईटी खुल गया हो। नतीजतन, भोले-भाले आम लोगों ने अपने बच्चों के दबाव में आकर उन्हें महंगी फीस देकर इन तथाकथित संस्थानों और विश्वविद्यालयों में पढ़ाया। लाखों रुपया इन पर खर्च किया। इनकी डिग्रियां हासिल करवाई। खुद बर्बाद हो गए, मगर संस्थानों के मालिकों ने ऐसी नाकारा डिग्रियां देकर करोड़ों रुपए के वारे न्यारे कर लिए।

दूसरी तरफ इस देश के नौजवान मैकेनिकों के यहां, बिना किसी सर्टिफिकेट की इच्छा के, केवल हाथ का काम सीखकर इतने होशियार हो जाते हैं कि लकड़ी का अवैध खोखा सड़क के किनारे रखकर भी आराम से जिंदगी चला लेते हैं। हमारे युवाओं की इस मेधा शक्ति को पहचानकर आगे बढ़ाने की कोई नीति आजतक क्यों नहीं बनाई गई? आईटीआई जैसी संस्थाएं बनाई भी गईं, तो उनमें से अपवादों को छोड़कर शेष बेरोजगारों के उत्पादन का कारखाना ही बनीं। क्योंकि वहां भी व्यावहारिक ज्ञान की बहुत कमी रही। इस व्यावहारिक ज्ञान को सिखाने और सीखने के लिए जो व्यवस्थाएं चाहिए, वे इतनी कम खर्चे की हैं कि सही नेतृत्व के प्रयास से कुछ ही समय में देश में शिक्षा की क्रांति कर सकती हैं। जबकि अरबों रूपए का आधारभूत ढांचा खड़ा करने के बाद जो शिक्षण संस्थान बनाए गए हैं, वे नौजवानों को न तो हुनर सिखा पाते हैं और न ज्ञान ही दे पाते हैं। बेचारा नौजवान न घर का रहता है,

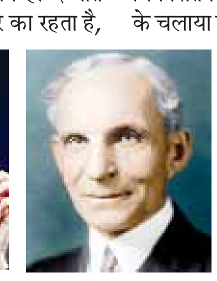

न घाट का।

कभी-कभी बहुत साधारण बातें बहुत काम की होती हैं और गहरा असर छोड़ती हैं। पर हमारे हुक्मरानों और नीति निर्धारकों को ऐसी छोटी बातें आसानी से पचती नहीं। एक किसान याद आता है, जो बांदा जिले से पिछले 20 वर्षों से दिल्ली आकर कृषि मंत्रालय में सिर पटक रहा है। पर किसी ने उसे प्रोत्साहित नहीं किया। जबकि उसने कुएं से पानी खींचने का एक ऐसा पंप विकसित किया है, जिसे बिना बिजली के चलाया जा सकता है और उसे कस्बे के लुहारों से बनवाया जा सकता है। ऐसे लाखों उदाहरण पूरे भारत में बिखरे पड़े हैं, जिनकी मेधा का अगर सही उपयोग हो, तो वे न सिर्फ अपने गांव का कल्याण कर सकते हैं, बल्कि पूरे देश के लिए उपयोगी ज्ञान उपलब्ध करा सकते हैं। यह ज्ञान किसी वातानुकूलित विश्वविद्यालय में बैठकर देने की आवश्यकता नहीं होगी। इसे तो गांव के नीम के पेड़ की छांव में भी दिया जा सकता है। इसके लिए हमारी केंद्र और प्रांतीय सरकारों को अपनी सोच में क्रांतिकारी परिवर्तन करना पड़ेगा। शिक्षा में सुधार के नाम पर आयोगों के सदस्य बनने वाले और आधुनिक शिक्षा को समझने के लिए बहाना बना-बनाकर विदेश यात्राएं करने वाले हमारे अधिकारी और नीति निर्धारक इस बात का महत्व कभी भी समझने को तैयार नहीं होंगे, यही इस देश का दुर्भाग्य है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी सभाओं के दौरान इस बात को पकड़ा था। पर 'मेक इन इंडिया' की जगह अगर वे 'मेड बाई इंडिया' का नारा देते, तो इस विचार को बल मिलता। 'मेक इन इंडिया' के नाम से जो विदेशी विनियोग आने की हम आस लगा रहे हैं, वे अगर आ भी गया, तो चंद शहरों में केंद्रित होकर रख जाएगा। उससे खड़े होने वाले बड़े कारखाने भारी मात्रा में प्रदूषण फैलाकर और प्राकृतिक संसाधनों का विनाश करके मुट्ठीभर लोगों को रोजगार देंगे और कंटेनरों में भरकर मुनाफा अपने देश ले जाएंगे। जबकि गांव की आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था को पुनर्स्थापित करके हम इस देश की नींव को मजबूत करेंगे और सुदूर प्रांतों में रहने वाले परिवारों को भी सुख, सम्मान व अभावमुक्त जीवन जीने के अवसर प्रदान करेंगे। अब ये फैसला तो प्रधानमंत्री जी और देश के नीति निर्धारकों को करना है कि वे औद्योगिकरण के नाम पर प्रदूषणयुक्त, झुग्गी झोपड़ियों वाला भारत बनाना चाहते हैं या 'मेरे देश की माटी सोना उगले, उगले हीरे मोती' वाला भारत।

सार्क की चुनौतियों का समाधान कैसे कर सकता है भारत ?

डा. सत्यवान सौरभ

सार्क के संस्थापक सदस्य के रूप में भारत ने क्षेत्रीय सहयोग के लिए लगातार पहल की है। हालांकि, भारत के प्रयासों के बावजूद, संगठन अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप पिछले कुछ वर्षों में इसकी प्रभावशीलता सीमित रही है। भारत सार्क के भीतर आर्थिक सहयोग, संपर्क और क्षेत्रीय विकास को आगे बढ़ाने में केंद्रीय भूमिका निभाता रहा है। भारत दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र समझौते में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है, जिसका उद्देश्य अंतर-क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा देना था। भारत ने आतंकवाद और सीमा पार खतरों से निपटने के लिए सार्क के प्रयासों का नेतृत्व किया है, जिसमें कई सुरक्षा सहयोग पहलों का प्रस्ताव दिया गया है। भारत ने 1987 में आतंकवाद के दमन पर सार्क क्षेत्रीय सम्मेलन के निर्माण का नेतृत्व किया। हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद, कई चुनौतियों के कारण सार्क की प्रभावशीलता सीमित बनी हुई है।

साफ्टा के बावजूद, अंतर-सार्क व्यापार 5 प्रतिशत से कम बना हुआ है जो खराब आर्थिक एकीकरण और सार्क की आर्थिक क्षमता को साकार करने में सीमित सफलता को दर्शाता है। आसियान के साथ भारत का व्यापार सार्क देशों के साथ उसके व्यापार से अधिक है, जो महत्वपूर्ण आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने में सार्क की विफलता को रेखांकित करता है। प्रमुख राजनीतिक मतभेदों, विशेष रूप से भारत और पाकिस्तान के बीच, ने शिखर-स्तरीय सहभागिताओं को बाधित किया है जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया रुक गई है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण 2016 का सार्क शिखर सम्मेलन अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया था जो राजनीतिक सामंजस्य के टूटने का संकेत था। सार्क की निर्णय लेने की प्रक्रिया में आम सहमति की आवश्यकता होती है जिससे पहल धीमी हो गई है, क्योंकि सदस्य देशों के बीच असहमति अक्सर प्रगति को रोक देती है।

पाकिस्तान की आपत्तियों के कारण सार्क मोटर वाहन समझौता लागू नहीं हो पाया है जिससे क्षेत्रीय संपर्क प्रयास रुक गए हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे भू-राजनीतिक तनाव ने अक्सर सार्क की पहल को पटरी से उतार दिया है और इसकी समग्र प्रभावशीलता को सीमित कर दिया है। 2016 में उरी हमले के कारण भारत ने सार्क शिखर सम्मेलन का बहिष्कार किया, जिससे क्षेत्रीय सहयोग को और झटका लगा। सार्क सदस्यों, विशेष रूप से भारत और छोटी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापक आर्थिक मतभेदों ने समान आर्थिक सहयोग हासिल करना चुनौतीपूर्ण बना दिया है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद से आठ गुना अधिक है जिससे व्यापार वार्ता और अपेक्षाओं में असंतुलन पैदा होता है। राजनीतिक इच्छाशक्ति और क्षमता की कमी के कारण सार्क समझौतों को अक्सर कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण देरी का सामना करना पड़ता है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए सार्क खाद्य बैंक का कम उपयोग होने के कारण व्यावहारिक प्रभाव बहुत कम रहा है।

कई सार्क देश आर्थिक और रणनीतिक सहायता के लिए चीन जैसी बाहरी शक्तियों पर निर्भर हैं जिससे सार्क का आंतरिक सहयोग कमजोर हुआ है। नेपाल और श्रीलंका की चीनी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर बढ़ती निर्भरता ने सार्क की क्षेत्रीय एकता को कमजोर किया है। सार्क के पास निर्णयों को लागू करने या अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत सुपर नेशनल निकाय का अभाव है जिससे यह क्षेत्रीय नीतियों को लागू करने में अप्रभावी हो गया है। यूरोपीय संघ के विपरीत, सार्क के पास निर्णयों को लागू करने या विवादों को हल करने के लिए अधिकार रखने वाले संस्थान नहीं हैं।

भारत अलग-अलग सार्क सदस्यों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है जिससे अधिक बहुपक्षीय सफलता मिल सकती है। कनेक्टिविटी और व्यापार पर बंगलादेश के साथ भारत के हालिया प्रयासों ने सार्क की सीमित प्रगति के बावजूद द्विपक्षीय सहयोग में सुधार किया है। भारत सार्क की निर्णय लेने की प्रक्रिया में सुधार के प्रयासों का नेतृत्व कर सकता है, आम सहमति के बजाय बहुमत आधारित निर्णयों की वकालत कर सकता है जो अक्सर प्रगति को रोकता है। भारत बिम्सटेक तंत्र के समान सुधारों का प्रस्ताव कर सकता है, जिसने क्षेत्रीय समझौतों में अधिक लचीलापन दिया है। भारत सार्क ढांचे के भीतर व्यापार सुविधा, संपर्क परियोजनाओं और निवेश को बढ़ाकर गहन आर्थिक एकीकरण के लिए प्रयास कर सकता है।

बंगलादेश, भूटान और नेपाल के साथ परिवहन संपर्क पर भारत की बीबीआईएन पहल पाकिस्तान की अनिच्छा को दरकिनार करती है और उप-क्षेत्रीय सहयोग की क्षमता को प्रदर्शित करती है। भारत सार्क देशों के बीच सामाजिक-सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए सांस्कृतिक कूटनीति, शैक्षिक आदान-प्रदान और पर्यटन का लाभ उठा सकता है। सदस्य देशों के छात्रों के लिए भारत की सार्क छात्रवृत्ति ने शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया है। भारत को बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश जारी रखना चाहिए जो पूरे क्षेत्र में संपर्क को बढ़ाते हैं, व्यापार और लोगों से लोगों के बीच संपर्क को सुविधाजनक बनाते हैं। भारत-नेपाल रेल लिंक परियोजना क्षेत्रीय संपर्क को बेहतर बनाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता का उदाहरण है, भले ही सार्क-स्तरीय पहल ठप्प हो गई हो।

संगठन की चुनौतियों के बावजूद सार्क में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका सुधार के अवसर प्रस्तुत करती है। द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देकर, क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ावा देकर और संरचनात्मक सुधारों को आगे बढ़ाकर, भारत सार्क को पुनर्जीवित कर सकता है और दक्षिण एशिया की स्थिरता और विकास की संभावनाओं को बढ़ा सकता है।

दिल्ली आर.एन.आई. नं. 40474/83
पंजाब केसरी
दिल्ली कार्यालय :
फोन आफिस: 011-30712200, 45212200,
प्रसार विभाग: 011-30712224
विज्ञापन विभाग: 011-30712229
सम्पादकीय विभाग: 011-30712292-93
मैगजीन विभाग: 011-30712330
फैक्स : 91-11-30712290, 30712384, 011-45212383, 84
Email: Editorial@punjabkesari.com

स्वत्वाधिकारी दैनिक समाचार लिमिटेड, 2-प्रिंटिंग प्रैस कॉम्पलैक्स, नजदीक वजीरपुर डीटीसी डिपो, दिल्ली-110035 के लिए मुद्रक, प्रकाशक तथा सम्पादक अनिल शारदा द्वारा पंजाब केसरी प्रिंटिंग प्रैस, 2-प्रिंटिंग प्रैस कॉम्पलैक्स, वजीरपुर, दिल्ली से मुद्रित तथा 2, प्रिंटिंग प्रैस कॉम्पलैक्स, वजीरपुर, दिल्ली से प्रकाशित।

व्रत एवं त्योहार

नवंबर 2024

पर्व	तिथि	वार
गणेश चतुर्थी	18 नवंबर	सोमवार
मंगल चतुर्थी	19 नवंबर	मंगलवार
बुध पंचमी	20 नवंबर	बुधवार
विशेष गुपुयोग, भद्रा	21 नवंबर	गुरुवार
शुक्र सप्तमी	22 नवंबर	शुक्रवार
महाकाल भैरव अष्टमी	23 नवंबर	शनिवार
रवि नवमी	24 नवंबर	रविवार

आज है गणेश चतुर्थी-पूजा करने से मिलती है सुख-समृद्धि

चंद्र में मिथुन के चलते मृग नक्षत्र में सोमवार अर्थात 18 नवंबर को गणेश चतुर्थीपड़ रही है जो कि बहुत ही शुभ है। मासिक गणेश चतुर्थी यानी संकष्टी गणेश चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की पूजा की जाती है और व्रत रखा जाता है। इस दिन व्रत रखने और पूजा करने से जीवन के दुख दूर होते हैं और सुख-समृद्धि आती है

संकष्टी गणेश

माह की किसी भी चतुर्थी को संकष्टी गणेश चतुर्थी के रूप में मनाया जाता है।

इस दिन भगवान गणेश की पूजा के दौरान संकष्टी गणेश चतुर्थी की कथा पढ़ना या सुनना जरूरी होता है।

इस दिन गणेश जी को गंगाजल से स्नान कराना चाहिए और चंदन लगाना चाहिए।

गणेश जी को दूर्वा जरूर अर्पित करनी चाहिए।

इस दिन मोदक का भोग लगाना चाहिए।

गणेश जी की मूर्ति को ईशान कोण में स्थापित करना चाहिए और उनका मुंह उत्तर दिशा में रखना चाहिए।

गणेश जी की मूर्ति को चौकी पर रखने से पहले उसे अच्छी तरह साफ कर लेना चाहिए और गंगाजल छिड़कर शुद्ध करना चाहिए।

प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि भगवान गणेश को समर्पित होता है। इस शुभ तिथि पर विनायक चतुर्थी मनाई जाती है। विनायक चतुर्थी पर गणपति बप्पा की पूजा की जाती है। साथ ही शुभ कार्यों में सिद्धि पाने के लिए व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से आय, सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसके अलावा, जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं। अत: साधक भक्ति भाव से भगवान गणेश की पूजा करते हैं।

स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज

देश भर में अपनी अमृत धारा से सत्य की अनुभूति देशवासियों को कराने वाले राष्ट्र संत गीता मनीषी स्वामी ज्ञानंद जी महाराज के सौजन्य से लाखों लोग लाभ उठा रहे हैं उनके प्रवचनों पर आधारित यह ज्ञान गंगा पाठकों का कल्याण करेगी ऐसा विश्वास है।

निश्चिंत होकर आगे बढ़ते रहिए

क्या ऐसा ही है? तो आइए इस विचार शक्ति को प्रखर बनाते हुए हर पग के साथ, हर क्षण के साथ अपने आपको आगे बढ़ाते चलिए निर्विचार स्थिति की ओर। सर्वेश्वर पग-पग पर आपके सहायक होंगे। निश्चिंत होकर आगे बढ़ते रहिए।

विचार ही जीवन बनाता-बिगाड़ता है

विचारमग्न होने, गंभीर चिंतन करने, सोचने या गहराई में उतरने का पुन:-पुन: अनुरोध किया जा रहा है, केवल इसलिए कि विचार ही जीवन को बनाने अथवा बिगाड़ने का आधार है। आपका जीवन अवलंबित है विचारों पर ही। विचार ही आपके यथार्थ चित्र हैं। आपके जैसे विचार हैं, आप वैसे ही हैं। आपकी सही पहचान आकृति से नहीं, प्रकृति से ही आंकी जा सकती हैं, तथा प्रकृति अन्य कुछ नहीं, आपके विचारों का ही एक समन्वित रूप है। विचारों से ही आप पतनोकन्मुखी होते हैं और विचारों को ही उन्नत बना देने से आपके जीवन को एक नई दिशा मिल जाएगी। ऐसे सुखद-निष्कंटक दिशा जिस ओर चलकर आपका हर पग आपको जीवन को सर्वाथा भार रहित, समस्या रहित और चिंता रहित पाएंगे। यह अनुभव आपको आह्लादित कर देगा। सचमुच! कितना हल्का हो जाता है जीवन। विचारों के इस दिव्य शिखर पर पहुंचना कामनाग्रस्त एवं सांसरिक धंधों के बोझ से दबे हुए मनुष्य की कल्पना से बहुत बाहर की बात है। इसे तभी अनुभव किया जा सकता है जब अपनी विचारधारा को आध्यात्मिक ऊंचाईयों पर ले जाने का कृत संकल्प किया जाए।

कल्पना में मन को खोने दीजिए

... तो क्यों न विचारधारा में ऐसे क्रांतिकारी परिवर्तन लाने में समर्थ अनुभवी महापुरुषों के अनूभूत सिद्धांतों, भावों एवं कल्याणप्रद विचारों को गहराई में ही अपने को कुछ समय के लिए निमग्न का दिया जाए, चारों ओर से अपने आपको संकुचित करते हुए गंभीरता के साम्राज्य में अपने को लाकर कुछ क्षण के लिए केंद्रित हो जाएं-जीवन को आलोकित करने वाले इन विचारों पर, चहुं ओर से विस्मृत एवं उपरत होकर खो जाएं विचारों की इस सुंदर सुगंधि में। विचारों के इस सुमधुर साज में अपने जीवन की आवाज को मिलाते हुए लय कर दें अपने को उस दैवी संगीत में जिसकी, मोहक झंकार के साथ-साथ जीवन अपने आपमें ही एक सुरम्य संगीत बन जाएगा और उसमें से निकलने लगेगी आनंद एवं प्रेम की एक रसीली धुन। कैसी सुहावनी एवं लुभावनी कल्पना है यह? लेकिन इस कल्पना में ही अपने मन को खोने दीजिए। देखिए, क्या प्रभाव पड़ता है आपके मन पर इसका। क्या ऐसी सुखद कल्पना आपके मन को आकर्षित करती है? क्या इस कल्पना मात्र से ही मन में रोमांच होता है? सचमुच। बहुत भाग्यशाली हैं आप, यदि ऐसा ही है तो। विश्वास रखिए, अब कल्पनाएं, कल्पनाएं ही न रहकर आपके जीवन में साकार होना चाहती हैं।

अंतर्यामी की कृपा सुदुर्लभ है

कृतज्ञता प्रकट कीजिए उस करुणार्णव सर्वेश्वर के प्रति। लाख-लाख शुक्र मनाइए उस कृपामय का, जिसकी इस अकारण करुणा ने आपको ऐसा सुअवसर दिया, जिसकी अहेतुकी कृपा से ये कल्पनाएं आपको कल्याणकारक, सुखप्रद एवं रसयुक्त लगीं। प्रभु कृपा के बिना भला यह सब संभव कहां होता? (क्रमश:)

मानव कर्म उपासना और ज्ञान से रहित नहीं होता

सत्यार्थ प्रकाश

आर्य समाज का महान ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश जिसके रचयिता स्वामी दयानंद सरस्वती जी हैं, में जीवन को सही दिशा में ले जाने के सूत्र हैं और अगर इंसान इसे पढ़े और इसकी शिक्षाओं पर चले तो मानव का कल्याण तो होगा ही बल्कि समाज में भी कुरीतियां दूर होंगी और नैतिक संस्कारों का उजाला होगा। पाठकों की भारी मांग पर इसे प्रस्तुत किया जा रहा है।

पवित्र कर्म, पवित्रोपासना और पवित्र ज्ञान ही से मुक्ति और अपवित्र मिथ्याभाषणादि कर्म, पाषाणमूर्त्यादि की उपासना और मिथ्या ज्ञान से बंध होता है। कोई भी मनुष्य क्षण मात्र भी कर्म, उपासना और ज्ञान से रहित नहीं होता। इसलिए धर्मयुक्त सत्यभाषणादि कर्म करना और मिथ्याभाषणादि अधर्म को छोड़ देना ही मुक्ति का साधन है।

(**पूर्व.**) मुक्ति किसको प्राप्त नहीं होती?

(**उत्तर.**) जो बद्ध है।

(**पूर्व.**) बद्ध कौन है?

(**उत्तर.**) जो अधर्म अज्ञान में फंसा हुआ जीव है।

(**पूर्व.**) बंध और मोक्ष स्वभाव से होता है या निमित्त से?

(**उत्तर.**) निमित्त से, क्योंकि जो स्वभाव से होता तो बंध और मुक्ति की निवृत्ति कभी नहीं होती। जीव ब्रह्म होने से वस्तुत: जीव का निरोध अर्थात न कभी आवरण में आया, न जन्म लेता, न बंध है और न साधक अर्थात न कुछ साधना करनेहारा है, न छूटने की इच्छा करता और न कभी इसकी मुक्ति है, क्योंकि जब परमार्थ से बंध ही नहीं हुआ तो मुक्ति क्या यह नवीन वेदांतियों का कहना सत्य नहीं, क्योंकि जीव का स्वरूप अल्प होने से आवरण में आता, शरीर के साथ प्रकट होने रूप जन्म लेता, पाप रूप कर्मों के फल भोग रूप बंधन में फंसता, उसके छुड़ाने का साधन करता, दुख से छूटने की इच्छा करता और दुखों से छूटकर परमानंद परमेश्वर को प्राप्त होकर मुक्ति को भी भोगता है।

(**पूर्व.**) ये सब धर्म देह और अंत:करण के हैं, जीव के नहीं। क्योंकि जीव तो पाप-पुण्य से रहित साक्षिमात्र है। शीतोष्णादि शरीरादि के धर्म्म हैं, आत्मा निर्लेप है।

(**उत्तर.**) देह और अंत:करण जड़ हैं, उनको शीतोष्ण प्राप्ति और भोग नहीं है। जो चेतन मनुष्यादि प्राणी उसको स्पर्श करता है उसी को शीत ऊष्ण का भान और भोग होता है। वैसे प्राण भी जड़ हैं न उनको भूख, न पिपासा, किंतु प्राण वाले जीव को क्षुधा, तृषा लगती है। वैसे ही मन भी जड़ है। न उसको हर्ष, न शोक हो सकता है, किंतु मन से हर्ष, शोक, दु:ख-सुख का भोग जीव करता है। जैसे बहिष्करण श्रोत्रादि इंद्रियों से अच्छे-बुरे शब्दादि विषयों का ग्रहण करके जीव सुखी-दुखी होता है वैसे ही अंत:करण अर्थात मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार से संकल्प, विकल्प, निश्चय, स्मरण और अभिमान का करने वाला दंड और मान्य का भागी होता है। जैसे तलवार से मारने वाला दंडनीय होता है, तलवार नहीं होती वैसे ही देहेंद्रिय, अंत:करण और प्राण रूप साधनों से अच्छे-बुरे कर्मों का कर्ता जीव सुख-दु:ख का भोक्ता है। जीव कर्मों का साक्षी नहीं, किंतु कर्ता-भोक्ता है। कर्मों का साक्षी तो एक अद्वितीय परमात्मा है। जो कर्म करने वाला जीव है वही कर्मों में लिप्त होता है। वह ईश्वर साक्षी नहीं। (क्रमश:)

सत्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

निरंकारी बाबा हरदेव सिंह

इंसान अहंकारी क्यों बनता जा रहा है

वह हमेशा मानवता की चर्चा कर सभी को इस ओर ध्यान देने के लिए प्रेरित करते हैं। आज एक इंसान दूसरे इंसान से जाति और धर्म के आधार पर नफरत करता है। वह जीवन को प्रेमपूर्वक व्यतीत करने की बजाय केवल अभिमान, निंदा और छीना-झपटी तक ही सीमित रहता है। वह समझता है कि अहंकार करने से वह ऊंचे दर्जे वाला बन जाएगा लेकिन यह सच नहीं है। ऐसा करके वह न अपने जीवन की कद्र करता है और न ही किसी और के जीवन की कद्र करता है। आध्यात्मिकता के नियम और तरह के हैं, यहां खुद को बुलंद करने के लिए खुदी को मिटाना पड़ता है, यहां प्रेम में डूबने वाले ही पार उतरते हैं। प्रभु के साथ प्रेम भी तभी होता है जब इंसान मानवमात्र से प्रेम करता है। प्रेम से ही संसार सजता और संवरता है। जो हृदय इंसानों के प्रति सद्भावनाओं से युक्त होते हैं वही वास्तविकता में प्रभु के सच्चे प्रेमी होते हैं। संतजनों पर भक्ति का रंग इस प्रकार चढ़ जाता है कि वह केवल और केवल प्रेम में डूबे रहते हैं। वह साधनों और सहूलियतों के न होने पर भी भक्ति की राह पर अपने कदम नहीं रुकने देते। वह हर परिस्थिति में परमात्मा के प्रति श्रद्धा और प्रेम बनाये रखते हैं। इसलिए वह औरों के लिए भी प्रेरणा के स्त्रोत बनते हैं। अगर प्रभु को रिझाना है तो हमें भी नफरत के साथ नहीं, प्यार के साथ जीवन जीना है और अपने मन में प्रेम बसाकर इस प्यार की दौलत को बांटते चले जाना है। दातार कृपा करे कि हर इंसान के रोम-रोम में प्यार बस जाए। (क्रमश:)

द्वारका नगरी में एक संदेह पर चर्चा

इधर जब बहुत समय तक प्रसेन वापिस नहीं लौटा तो सत्राजित को संदेह हुआ कि अवश्य ही उस लोभी श्रीकृष्ण ने मणि को पाने के लिए अवसर पाकर मेरे भाई की हत्या कर दी और मणि को हथिया लिया। सारी द्वारिका नगरी उसके इस संदेह पर चर्चा करने लगी। श्रीकृष्ण ने भी जब अपने अपयश की बातें चारों ओर सुनी तो वे सत्य का पता लगाने के लिए चल पड़े। घने वन्यप्रदेश में जाने पर उन्हें सिंह द्वारा मारे गए प्रसेन का रक्तरंजित शव पड़ा मिला। वे दूर तक फैले हुए रक्त की बूंदों का अनुसरण करते हुए आगे बढ़ते गए। चलते-चलते वे उस गुफा तक पहुंच गए, जहां सिंह का शव पड़ा हुआ था। अपने साथ गए हुए लोगों को गुफा के बाहर ही रोककर श्रीकृष्ण ने कहा, ''मैं गुफा के भीतर जाकर घटना का पता लगाता हूं। आप सब मेरे आने तक यहीं रुकें।'' अंदर जाकर श्रीकृष्ण ने एक बालक को उस मणि से खेलते हुए देखा। जब उन्होंने उसे बालक के हाथ से ले लेना चाहा तो वह चिल्लाने लगा। उसकी पुकार सुनकर जाम्बवान दौड़ा आया। वह बिना कुछ सोचे-विचारे श्रीकृष्ण से युद्धरत हो गया। सत्ताइस दिनों तक दोनों में भयंकर युद्ध होता रहा। इधर गुफा के द्वार पर खड़े द्वारिकावासी श्रीकृष्ण की प्रतीक्षा करते रहे। अंतत: वे सब निराश होकर द्वारिका लौट गए।

दीदी मां ऋतंभरा

वासुदेव जी अपने पुत्र के लापता हो जाने का समाचार सुनकर मूर्छित हो गए। द्वारिका की हर गली में सत्राजित की भर्त्सना होने लगी। उसी समय नारद जी का आगमन हुआ। उन्होंने वासुदेव जी को धैर्य बंधाते हुए कहा कि आप अपने पुत्र को प्राप्त करने के लिए जगद्जननी मातेश्वरी महामाया अम्बादेवी की आराधना कीजिये। उनकी कृपा से आपको अपना पुत्र यथाशीघ्र ही मिल जाएगा। नारद जी का कथन सुनकर वासुदेव जी ने कहा, ''हे प्रभो! आप ही मुझे श्रीमद्देवी भागवत कथा सुनाइये।'' वासुदेव जी का निवेदन स्वीकार कर नारद जी ने शुभ मुहूर्त में कथा आरंभ की। नौवें दिन कथा की समाप्ति हुई। (क्रमश:)

श्रीमद्भगवद् गीता - सुगम हिंदी व्याख्या

कौन है जो परमपुरुष कहलाए?

इस प्रकार चिन्तन में हे कुन्तीनन्दन- ऐसा योग युक्त जिसका मन जब रहे निरंतर सगुण व निराकार परमेश्वर जब य मगन ध्यान में रहता- यदि शरीर उस समय छोडता तो परमात्मा को वह पाता-दिव्य जो परम पुरुष कहलाता ।

सम्बन्ध - ध्यान करने के लिये अत्यन्त उपयोगी सगुण-निराकार परमात्मा के स्वरूप का वर्णन।

प्यारे लाल त्रिवेदी

कविं पुराणमनुशासितार -
मणोरणीयां समनुस्मरे द्यः।
सर्वस्य धातारमचिन्त्यरूप -
मादित्यवर्णं तमसः परस्तात्॥

सर्वज्ञ, अनादि, सब पर शासन करने वाला, सूक्ष्म से भी अति सूक्ष्म, सबका धारण-पोषण करने वाला, अचिन्त्यस्वरूप, सूर्य के समान प्रकाश रूप और अज्ञान से अति परे, ऐसे परमेश्वर का जो मनुष्य स्मरण करता है।। 1 ।।

दोहा - सभी प्राणियों के सकल, कर्मों से जो विज्ञ । अतएव जिसका नाम है, कवि अथवा सर्वज्ञ ।। 6-क वह ही स्वामी सभी का, वह ही सबका प्राण ।
वही आदि सबका अत:, कहते उसे पुराण ।।

अंतर्यामी सब का त्राता-शुभ अरु अशुभ कर्म फल दाता वह ही सृष्टि नियंत्रण करता - अतएव अनुशासिता नियंता प्रकृति से परे परम सूक्ष्मतम जो अनंत से भी महानतम अगणित ब्रह्माण्डों का धारक-सबको जीवन पोषण दायक लेशमात्र अज्ञान न जिसमें - सूर्य समान तेज भी उसमें जो मन बुद्धि प्रकाशित करता-अज्ञान भी उसी से मिटता। (क्रमश:)

निर्जरा कर्म है मुक्ति का सर्वोत्तम उपाय

आध्यात्मिक दृष्टि से शुभ और अशुभ दोनो ही प्रकार के कार्म त्याज्य हैं। क्योंकि ये दोनो ही प्रकार के कर्म परिणामत: बंधन रूप ही हैं। निर्जरा कर्म मुक्ति का सर्वोत्तम उपाय है। निर्जरा का अर्थ है निर्जीण कर देना। नष्ट कर देना। निर्जरा के द्वादश भेद हैं। अनशनादि बारह प्रकार के तप से कर्म निर्जीण होते है। संवर से नवीन कर्मों का आगमन रुकता हैं। संवर और निर्जरा की निरंतर साधना से एक क्षण आता है जब आत्मा पूर्णत: निर्भार और स्वतंत्र बन जाता है। जैन दर्शन में उसी क्षण को कैवल्यसवस्था कहा गया है। हम कर्म को समझें। उससे मुक्त होने के संकल्प को अपने भीतर जगाएं। जब संकल्प प्रखर बन जाता है तो मंजिल दूर नहीं होती है। अप्रमाद भगवान महावीर का सर्वाधिक ध्वनित उपदेश है। भगवान महावीर भगवत्ता को उपलब्ध होने के पश्चात आजीवन अप्रमाद का संदेश जगत को देते हैं। अप्रमाद का अर्थ है जागरण। प्रमाद का अर्थ है निद्रा, बेहोशी। तो क्या इसका यह अभिप्रय हुआ की भगवान निद्रित और मुर्च्छित लोगों की सभा में उपदेश देते थे? नि:संदेह भगवान निद्रित और मुच्छित लोगों की सभा में उपदेश देते थे। यह भी सच है कि भगवान की सभा में उपस्थित होने वाले श्रोता देह से अनिद्रित और जागृत होते थे। स्मरण रखें, निद्रा और जागरण का संबंध मात्र देह से ही नहीं हैं। (क्रमश:)

मुनि मणिभद्र

कालभैरव की पूजा से खुश होते हैं भगवान शिव

23 नवंबर, शनिवार को महाकाल भैरव अष्टमी पड़ रही है। सभी कालाष्टमी में मार्गशीर्ष कालाष्टमी सबसे खास है। इस दिन भगवान शिव ने खुद से भैरव को प्रकट किया था। इसलिए इस दिन भैरव जयंती मनाते हैं। आइये जानते हैं कब है कालाष्टमी, और इसकी पूजा विधि क्या है।

मार्गशीर्ष कालाष्टमी

हर माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को कालाष्टमी मनाई जाती है। इस दिन भगवान काल भैरव की उपासना की जाती है। लेकिन इसमें सबसे प्रमुख है मार्गशीर्ष की कालाष्टमी। मान्यता है कि इसी दिन भगवान शिव ने खुद से भैरव को प्रकट किया था। इसी कारण इस दिन भैरव जयंती भी मनाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन पूजा-पाठ, दान-पुण्य आदि करने से भगवान काल भैरव प्रसन्न होते हैं। आइये जानते हैं कब है मार्गशीर्ष कालाष्टमी, इस व्रत का

महत्व और पूजा विधि क्या है..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार शक्तिपीठों की सुरक्षा के लिए भगवान शिव की ओर से उत्पन्न किए गए उनके अंश को बाबा काल भैरव के नाम से जाना जाता है। धार्मिक कथाओं के अनुसार इस दिन भगवान काल भैरव का जन्म हुआ था। इस दिन भगवान शिव के रौद्र स्वरूप काल भैरव की पूजा विधि-विधान के साथ की जाती है। मान्यता है कि इस दिन भगवान काल भैरव की पूजा-पाठ, दान करने से काल भैरव प्रसन्न होते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि का आशीर्वाद भी देते हैं। शास्त्रों के अनुसार, कालाष्टमी व्रत के दिन साधक को किसी भी व्यक्ति का अपमान नहीं करना चाहिए अन्यथा पूजा का फल प्राप्त नहीं होता है। साथ ही तामसिक भोजन और मांस-मदिरा आदि का सेवन नहीं करना चाहिए। मान्यता है कि जो व्यक्ति विधि-विधान से काल भैरव की उपासना करता है, उसे रोग-दोष और अकाल मृत्यु का भय दूर हो जाता है।

कालाष्टमी का व्रत

कालाष्टमी का व्रत मार्गशीष कृष्ण अष्टमी 22 नवम्बर शुक्रवार 2024 को शाम 6 बजकर 7 मिनट से प्रारंभ हो रही है। जिसका समापन अगले दिन 23 नवम्बर शनिवार को शाम 7 बजकर 56 मिनट पर होगा।

जो पीठ पीछे भी सम्मान करें जीवन में वहीं रिश्ता और इंसान सबसे अच्छा होता है।

रामायण

तुलसी का वैरागी वेश-राम का अनुरागी

तुलसी जी भले ही आप तपस्वी न हों पर आज हम वह चौपाई जोड़ देते हैं कि वह तपस्वी और कोई नहीं आप ही थे। तुलसी जी का वैरागी वेष तो था राम के अनुरागी इनके सिवा और कौन हो सकते हैं?

कितने संत यह मानते हैं कि गिरिराज चित्रकुट मुनि का वेष धारण करके रात को निमंत्रण देने आये थे कि आप हमारी गुफा में पधारियें, या संतों ने बहुमत से एक मत रखा है। हम मत दें उससे अच्छा है जिन्होंने यह दृश्य देखा हो वह मत दे वो ज्यादा प्रमाणित माना जाता है। जब राम और तपस्वी गले मिले तो भीलों की टोपियां वहां खड़ी थीं। उसमें यह बात थी कि-

मनहुं प्रेम परमारथ होई।
लिन धरे तन कह सब कोई॥

मोरारी बापू जी

जीवन में प्रेम हो फिर चार शिष्यों को विदाई दे। गूहराज को विदाई दी। प्रेम प्रगट होने के बाद पूरी हुई। वेद के पीछे प्रेम को नहीं जाना पड़ता। मीरा के पीछे वेद को जाना पड़ा। वेद के पीछे मीरा को नहीं जाना पड़ा। क्योंकि वह प्रेम की पराकाष्ठा है राधा के पास उद्धवच को आना पड़ेगा। उद्धव के पीछे राधा को नहीं जाना पड़ेगा। प्रेम परमात्मा का रूप है। ● *(क्रमश:)*

नाम के साथ पहचान

अपने लिए पुकारे गए उस नाम को सुन-सुन कर बच्चे के मन में वही निश्चय हो जाता है कि यही मेरा नाम है। हालांकि वैसा मन का निश्चय होने में बच्चे को कुछ समय तो लगता ही है। एकदम से वह उस नाम के साथ अपनी पहचान नहीं कर पाता। आपके घर में अगर कोई एक साल से छोटी उम्र का बच्चा हो, तो आप गौर से उसे देखिएगा। अपने ही नाम की पहचान होने में उसे थोड़ा वक्त लगता है। शुरू-शुरू में नाम लेकर उसे बुलाने पर उसे पता ही नहीं चलता कि मुझे बुला रहे हैं। धीरे-धीरे मां-बाप, दादी-दादा, चाची-चाचा सभी उसी नाम से पुकारने लगते हैं, तो उस नाम को सुन-सुन कर वह भी अपने अंदर उसी नाम को पकाना शुरू कर देता है। बहुत होशपूर्वक न सही, पर उसके अवचेतन मन में यह बात उतरने लग जाती है कि 'यह नाम मेरा है, और जैसे ही उस नाम के साथ उसकी पहचान पक्की हो जाती है, उसके बाद वह बुलाने वाले को तुरन्त उत्तर देना शुरू हो जाता है। जैसे-जैसे उसको अपने नाम की समझ पूरी तरह हो जाती है कि यह मुझे बुलाया जा रहा है, वैसे-वैसे उसे उस नाम की पहचान हो जाती है। ● *(क्रमश:)*

गुरु मां

चांदी की मूर्ति घर में रखने का महत्व

घर या ऑफिस में वास्तु नियमों का ध्यान जरूर रखना चाहिए, क्योंकि इससे घर-परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहता है। इसी के साथ वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसी चीजों का भी वर्णन किया गया है, जिन्हें घर में रखना बहुत ही शुभ माना गया है। इसी तरह घर में चांदी से बनी मूर्ति रखना भी काफी लाभकारी माना गया है। तो चलिए जानते हैं इससे जुड़े कुछ जरुरी वास्तु नियम।

जरूर रखें ये मूर्ति

वास्तु शास्त्र की मान्यताओं के अनुसार घर में चांदी से बनी मोर की मूर्ति रखना बहुत ही शुभ माना गया है। ऐसा करने से धन आकर्षित होता है, साथ ही वास्तु दोष भी दूर होता है। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि चांदी का मोर नाचती हुई अवस्था में होना चाहिए। इससे धन लाभ के योग बनने लगते हैं।

दूर होती हैं कई समस्याएं

वास्तु शास्त्र में माना गया है कि यदि किसी जातक के विवाह में परेशानी आ रही है, तो ऐसे में उसे अपने घर में चांदी का मोर जरूर रखना चाहिए। ऐसा करने से विवाह में आ रही दिक्कतें दूर हो सकती हैं। वहीं मोर की मूर्ति को घर में रखने से व्यक्ति को शादीशुदा जीवन में रही परेशानियों जैसे लड़ाई-झगड़े की स्थिति से भी मुक्ति मिल सकती है।

कहां रखें चांदी का मोर

यदि आपको कारोबार में नुकसान का सामना करना पड़ रहा है, तो इसके लिए अपने ऑफिस या दुकान में चांदी के मोर को दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना चाहिए। आप इसे तिजोरी में भी रख सकते हैं। ऐसा करने से कारोबार में तरक्की के योग बनने लगते हैं। वहीं अगर आप इसे घर में रखना चाहते हैं, तो इसके लिए ड्राइंग रूम एक बेहतर विकल्प है। इससे घर में सुख-समृद्धि आती है और शांति का माहौल बना रहता है। ●

नमाज कुरान के अलावा किसी से बात न करने पर...

जो शख्स मस्जिदे जमाअत में मरिरब से इशा तक का एमिकाफ करे कि नमाज कुरआन के अलावा किसी से बात न करे, हक तआला शानुहू उसके लिए जन्नत में एक महल बनाते हैं। दसरा मजमून जो इससे भी ज्यादा अहम है वह मुसलमानों की हाजत रवाई कि दस बरस के एतिकाफ से अफ्जल इर्शाद फरमाया है। इसी वजह से इब्ने अब्बास रजियल्लाहु अन्हु ने अपने एतिकाफ की परवाह नहीं फरमाई की उसकी तलाफी फिर हो सकती है और उसकी कजा मुमकिन है, इसी वजह से सूफिया का मकूला है कि अल्लाह जल्ल शानुहू के यहां टूटे हुए दिल की जितनी कदर है कि इतनी किसी चीज की नहीं।

फजाइले अमाल

यही वजह है कि मजलूम की बददुआ से अहादीस में बहुत डराया गया है। हुजूर सल्ल. जब किसी शख्स को हाकिम बनाकर भेजते थे और नसा यह के साथ

'वत्तकि दअ्वतल मज्लूमि'

भी इर्शाद फरमाते थे कि मजलूम की बद-दुआ से बचियो-बितर्स अज आहे मजलूमां कि हंगामें दुआ करदन

इजाबत अज दरे हक, बहरे इस्तक्बाल मी आयद

इस जगह एक मसअले का ख्याल रखना जरूरी है कि किसी मुसलमान की हाजतरवाई के लिए भी मस्जिद से निकलने से एतिकाफ टूट जाता है और अगर एतिकाफ वाजिब हो, तो इसकी कजा वाजिब होती है। नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि व तल्लम जरूरते बशरी के अलावा किसी जरूरत से भी मस्जिद से बाहर तशरीफ नहीं लाते थे। हजरत इब्ने अब्बास रजि. का यह ईसार कि दूसरे की वजह से अपना एतिकाफ तोड़ दिया। ऐसे ही लोगों के मुनासिब है कि दूसरों की खातिर खुद प्यासे तड़प-तड़पकर मर जावें मगर पानी का आखिरी कतरा इसलिए न पियें कि दूसरा जख्मी जो पास लेटा है। वह अपने से मुकद्दम है। यह भी मुम्किन है कि हजरत इब्ने अब्बास रजियल्लाहु अन्हु का यह एतिकाफ नपली एतिकाफ हो, इस सूरत में कोई इश्काल नहीं। खात्मे में एक तवील हदीस, जिस में कई नौअ के फजाइल इर्शाद फरमाए हैं, जिक्र कर के इस रिसासे को खत्म किया जाता है। इब्ने अब्बास रजियल्लाहु अन्हु की रिवायत है कि उन्होंने हुजूर सल्ल. को यह इर्शाद फरमाते हुए सुना है कि जन्नत को रमजान शरीफ के लिए खुशबुओं की धूनी दी जाती है और शुरू साल से आखिर साल तक रमजान की खातिर आरास्ता किया जाता है, पस जब रमजानुल मुबारक की पहली रात होती है। ● *(क्रमश:)*

अब दानियों के अनुरोध पर 'एक मिशन एक सेवा' का प्रकाशन प्रतिदिन किया जा रहा है ताकि दानदाता अपने प्रियजनों के जन्मदिन, पुण्यतिथि, वैवाहिक वर्षगांठ या किसी खास मौके की तिथि विशेष पर अपनी इच्छानुसार दान राशि प्रकाशित करा सकें।

एक मिशन एक सेवा

बुढ़ापा जीवन का अटल सत्य है। गरीबी, बीमारियां, तथा अपनों का मुंह फेर लेना, इसे अभिशाप बना देते हैं। आईये! ऐसे बुजुर्गों का सहारा बनें। सुखी-सम्पन्न लोगों के सहयोग से इनका अकेलापन, दुःख दूर किये जा सकते हैं। ताकि भावी पीढ़ी इनसे प्रेरणा ले सके।

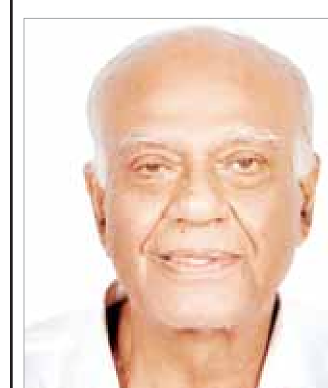

श्री विनोद कुमार भाटिया ने अपने 78वें जन्मदिवस के मौके पर जरूरतमंद बुजुर्गों की सहायता के लिए वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब को 5100 का योगदान दिया।

दानियों के लिए विशेष सूचना

वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब के लिए दान देने वाले सज्जन अब देशभर में **पंजाब नैशनल बैंक** की किसी भी शाखा में जाकर सहायता राशि जमा करवा सकते हैं, इसके लिए ध्यान रखें कि उक्त राशि **वृद्ध केसरी, रोमेश चंद्र ट्रस्ट के अकाऊंट नंबर** 3075002102006705 में देय होनी चाहिए।

हमारा अनुरोध है कि सहायता राशि जमा करवाने के बाद हमें सूचित जरूर करें, ताकि रसीद भेजी जा सके। यह राशि आयकर छूट प्राप्त है। **जो सज्जन पंजाब नैशनल बैंक की किसी शाखा में नकद राशि जमा कराएं, वे बैंक की रसीद हमें कोरियर करा दें, ताकि आपको हम रसीद भेज सकें। सभी दानकर्ताओं से अनुरोध है कि दान भेजते समय पूरा पता, टेलीफोन नंबर और पैन कार्ड नंबर भी साथ में लिखें।**

दिल्ली के बाहर के दानकर्ता 500/- रुपए से कम की दानराशि कृपया ड्राफ्ट या मनीआर्डर से ही भेजें

कृपया अपना ड्राफ्ट या चैक **वृद्ध केसरी रोमेश चंद्र ट्रस्ट**, के नाम बना कर हमें भेजें। सभी दानी सज्जनों के नाम प्रति दिन प्रकाशित किए जाएंगे। लेकिन फोटो 5100/- या इससे अधिक की दान राशि देने वाले सज्जनों के प्रकाशित किए जाएंगे। दान के लिए पंजाब केसरी कार्यालय में प्रात: 10 से 5.30 बजे तक सम्पर्क करें।

*** यह राशि आयकर कानून की धारा 80-जी के अन्तर्गत करमुक्त है!**

पता :- वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब
2, प्रिंटिंग प्रेस काम्प्लेक्स, नियर वजीरपुर डिपो, दिल्ली-35

दान के लिए कृपया 01130712376, 09871598497, 9810107375 पर संपर्क करें। यदि कोई सज्जन या संस्था हमारे नाम से पैसा इकट्ठा करे तो इसका जिम्मेदार वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब नहीं होगा।

Xmart
*T&C apply. Price indicated is an Ex-Showroom (All India) price of XUV7OO MT Petrol variant. This offer is valid till 30th November 2024 or till the stock lasts, whichever is earlier. Features shown may vary depending upon the variant.
SOUTH DELHI: KONCEPT AUTOMOBILES: LAJPAT NAGAR: 8448791672 , SYNERGY CARS: SAFDARJUNG ENCLAVE: 8448791662,SHIVA AUTO: SAKET: 7669783680, MALWA MOTORS: MAHIPALPUR: 9289773666, UNITED AUTOMOBILES: MOHAN ESTATE: 9289524154, KONCEPT AUTOMOBILES: ● OKHLA PHASE 1: 8448791672, ● SOUTH WEST DELHI: SHUBAN SAI MAHINDRA MARBLE MARKET, DWARKA/SEC 20, 8178101584, MADHU VIHAR, RAJAPURI: 8178101995 NAJAFGARH: 8178102134 ● CENTRAL DELHI: MALWA MAHINDRA: KAROL BAGH: 9289524166, DARYAGANJ: 9289923362, 9289809360, ● WEST DELHI: SRI DURGA: MOTI NAGAR: 7290055624, INDRAPRASTHA AUTOMOBILES: PEERAGARHI: 7290055619, INDRAPRASTHA AUTOMOBILES: JANAKPURI: 9821500363, MALWA MAHINDRA: NARAINA: 92056 66547 ● EAST DELHI: INDRAPRASTHA AUTOMOBILES: ASHOK NAGAR: 9953424546, SHIVA AUTO: DILSHAD GARDEN METRO STATION/PATPARGANJ/NIRMAN VIHAR: 8929172582 NORTH DELHI: INDRAPRASTHA AUTOMOBILES: WAZIRPUR: 7290055619, SHAKTI NAGAR: 9311011260, NARELA 9289263814 ● NORTH WEST DELHI: INDRAPRASTHA AUTOMOBILES:PRASHANT VIHAR: 9289263813 FARIDABAD: UNITED AUTOMOBILES: NHPC CHOWK: 7428081661, PRIME AUTOMOBILES: YMCA CHOWK/HODAL/PALWAL: 7290055625 ● NOIDA: KONCEPT AUTOMOBILES: NOIDA (SEC-2): 9289937566, NOIDA(SEC-63/75): 9289937566 ● GREATER NOIDA: KONCEPT AUTOMOBILES: GREATER NOIDA WEST/JEWAR: 9289937566,● GURUGRAM: KONCEPT AUTOMOBILES: MG ROAD: 9289117279, SOHNA ROAD: 9289117279, RAJEEV CHOWK: 9289117279,SOHNA: 9289117279, ARAV MOTORS: MANESAR: 9289220861, DEE EMM: ATUL KATARIA CHOWK/PATAUDI/SECTOR-14:8929648040, GOLF COURSE: 8929648021 GHAZIABAD: SHIVA AUTO: VAISHALI METRO STATION: 7290055615, LONI:7290055612, MODINAGAR: 07669700992, LOHIA NAGAR: 7290055612, HAPUR:7290055614, BULANDSHAHAR: 7617595010,8929088709 ● HARYANA: LOHCHAB MOTORS: JHAJJAR/BAHADURGARH/ROHTAK/MEHAM: 8059888800, DEWANFOURWHEELS PVT LTD: REWARI-8607600241,8607600251,DHARUHERA-8607600207, NARNAUL-8607600220,8607600243, MOHINDERGARH-8743812345, PP AUTOMOTIVE: SONIPAT/PANIPAT/KARNAL: 7574808718

Price Rs. 4.50 (वार्षिक शुल्क 1980 रुपए डाक द्वारा) PunjabKesari.com PunjabKesari.com @punjabkesaricom पंजाब केसरी DELHI
R.N.I. No. 404 74/83, Postal Regn.No. DL(N)/0169/2018-20, Posted at Delhi RMS Delhi-6

ग्लोबल Window

ठंड से परेशान हुईं परिणीति बोलीं- 'ब्लैंकेट जिंदाबाद'

मुंबई, (आईएएनएस): अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं। ये उनके स्टूडियो डेज की याद दिलाती हैं। इन पिक्स को 'इश्कजादे" अभिनेत्री ने मजेदार कैप्शन से सजाया है। इंस्टाग्राम पर अपने एक पसंदीदा 'स्टूडियो" में रिकॉर्डिंग के दौरान ली गई तस्वीरें और वीडियो को शेयर कर कैप्शन में लिखा 'स्टूडियो डे! लेकिन स्टूडियो में एसी का तापमान कौन सेट करता है।" अभिनेत्री ने हैशटैग के साथ लिखा 'ब्लैंकेट जिंदाबाद'। शेयर किए गए पोस्ट में 'इश्कजादे' अभिनेत्री कॉफी का कप थाम बड़े अंदाज में सेल्फी लेते वक्त बोलती हैं 'अरे रिकॉर्डिंग'। एक अन्य शॉर्ट वीडियो में वह 'इश्कजादे" का लोकप्रिय ट्रैक 'मैं परेशान मैं परेशान" गा रही हैं। 'इश्कजादे" के अपने को स्टार अर्जुन कपूर संग सेट पर बिताए पलों को भी एक्ट्रेस ने शेयर किया है।

यूक्रेन में रूस ने मचाई तबाही

एक साथ दाग दी 120 मिसाइलें और 90 ड्रोन, कई लोगों की मौत

कीव, (एपी): रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर रविवार को बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई।

रूस के इस हमले को हाल के महीनों में यूक्रेन पर किया गया सबसे भीषण हमला बताया जा रहा है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब इस बात की आशंका बढ़ रही है कि मॉस्को की मंशा सर्दियों के मौसम से पहले यूक्रेन की बिजली उत्पादन क्षमता को नष्ट करने की है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने यूक्रेन में बड़े पैमाने पर हमला करते हुए कुल 120 मिसाइलें और 90 ड्रोन दागे। जेलेंस्की ने दावा किया कि हमले में विभिन्न प्रकार के ड्रोन का इस्तेमाल किया गया, जिनमें ईरान निर्मित शाहिद, साथ ही क्रूज, बैलिस्टिक और विमान से प्रक्षेपित बैलिस्टिक मिसाइलें भी शामिल हैं।

● जलेंस्की का दावा- हमारे ऊर्जा ढांचे थे निशाने पर, 140 मिसाइल और ड्रोन को मार गिराया

जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर साझा किये गए एक बयान में कहा कि यूक्रेनी सुरक्षाबलों ने 140 मिसाइल और ड्रोन को मार गिराया। जेलेंस्की ने कहा, 'दुश्मन का लक्ष्य यूक्रेन में हमारा ऊर्जा ढांचा था। टकराने और गिरने वाले मलबे से नुकसान पहुंचा है। माइकोलाइव में ड्रोन हमले के परिणामस्वरूप दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं।' कीव के सिटी सैन्य प्रशासन के प्रमुख सेरही पोपको के अनुसार ड्रोन और मिसाइल का संयुक्त हमला तीन महीनों में सबसे बड़ा था।

श्रीलंका के नए मंत्रिमंडल सदस्य आज लेंगे शपथ

कोलंबो, (भाषा): श्रीलंका के नए मंत्रिमंडल के सदस्यों को सोमवार को राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके की उपस्थिति में शपथ दिलाई जाएगी। राष्ट्रपति के मीडिया कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। दिसानायके के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) ने बृहस्पतिवार को हुए संसदीय चुनावों में दो तिहाई बहुमत हासिल करके जीत हासिल की थी। इसने तमिल अल्पसंख्यकों के गढ़ जाफना निर्वाचन क्षेत्र में भी अपना दबदबा कायम किया है। राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, सरकार के नए मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण सोमवार को पूर्वाह्न 10:00 बजे राष्ट्रपति सचिवालय में राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके की उपस्थिति में होगा। दसवीं संसद का पहला सत्र 21 नवंबर को आयोजित होने वाला है।

विक्टोरिया केजर के सिर सजा मिस यूनिवर्स का ताज

120 देशों की सुंदरियों को हराकर बनीं 'ब्रह्मांड सुंदरी'

नई दिल्ली, (एजेंसी): डेनमार्क की विक्टोरिया केजर थेलविग ने वर्ष 2024 का मिस यूनिवर्स का खिताब जीता है। अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता का पुरस्कार पहली बार डेनमार्क की झोली में गया है। सौंदर्य प्रतियोगिता का 73वां संस्करण शनिवार रात मेक्सिको सिटी एरिना में आयोजित किया गया, जिसमें 120 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। मिस नाइजीरिया चिडिम्मा एडेत्शिना दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि मिस मेक्सिको मारिया फर्नांडा बेल्ट्रान तीसरे स्थान पर रहीं। मिस यूनिवर्स के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर एक पोस्ट में लिखा गया, ' एक नए युग की शुरुआत! डेनमार्क को 73वीं मिस यूनिवर्स की बधाई।' वो सवाल, जिसका जवाब देकर विक्टोरिया ने इस चमचमाते ताज को अपने नाम किया. सवाल है- 'मिस यूनिवर्स ने कई पीढ़ियों की महिलाओं को प्रेरित किया है.आपको देखने वालों के लिए क्या संदेश है?' इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा- 'दुनिया के लोग मुझे देख रहे हैं। उनके लिए मेरा यही मैसेज है कि आप चाहे जहां से भी आए हों, आपका अतीत चाहे जो भी हो। आप हमेशा अपनी ताकत से खुद को बदल सकते हैं। आपको बस लड़ते रहना है। मैं आज यहां इसलिए खड़ी हूं क्योंकि मैं बदलाव चाहती हूं। मैं इतिहास बनाना चाहती हूं। यही मैं आज कर रही हूं। इसलिए कभी भी हिम्मत मत हारो। हमेशा अपने आप पर और अपने सपनों पर विश्वास रखो। यही वो है जो आपको और हमें करना है। विक्टोरिया का नाम जैसे ही जजों ने बतौर विनर अनाउंस किया तो वो पहले तो यकीन ही नहीं कर पाईं। अपनी जीत से वो इतनी ज्यादा खुश हुईं कि इमोशनल हो गईं. यहां तक कि उनके आंसू भी छलक पड़े। भारत की तरफ से मिस यूनिवर्स 2024 में इस बार रिया सिंघा गई थीं। वो टॉप 30 में तो जगह बनाने में कामयाब हो गई थीं। लेकिन टॉप 12 में नहीं आ पाईं। जिससे करोड़ों भारतीयों का सपना चकनाचूर हो गया।

स्पोर्ट्स राउंडअप

'डार्क डॉन' रेसिंग टीम के तिजिल राव रविवार को यहां सत्र के आखिरी रेस में तीसरा स्थान हासिल करने के बाद जेके टायर एफएमएससीआई राष्ट्रीय रेसिंग चैंपियनशिप के 27 वें सत्र में एलजीबी फॉर्मूला 4 श्रेणी में ड्राइवरों की चैंपियनशिप को अपने नाम करने में सफल रहे।

राहुल करेंगे ओपनिंग, बुमराह कप्तानी

रोहित पहले टेस्ट से बाहर, हर्षित राणा या प्रसिद्ध कृष्णा को मिलेगा मौका

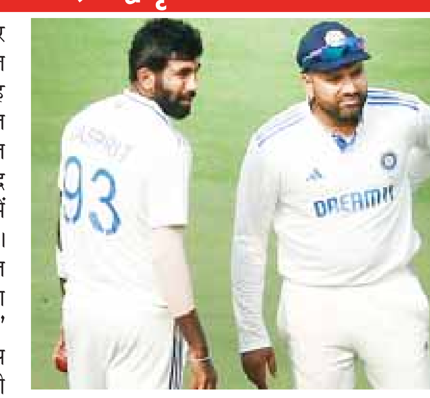

पर्थ, (भाषा) : केएल राहुल ने रविवार को नेट पर बल्लेबाजी की जिससे उनकी फिटनेस को लेकर चल रही चिंतायें दूर हो गईं जिससे संकेत मिलता है कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में पारी का आगाज करने के लिए तैयार हैं क्योंकि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अपने नवजात शिशु के साथ समय बिताने के बाद एडिलेड में ही टीम से जुड़ेंगे। रोहित की अनुपस्थिति में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टीम की अगुवाई करेंगे। तीसरे तेज गेंदबाज के तौर पर प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा में होड़ है और दिल्ली का लंबे कद का हर्षित राणा पर्थ में डेब्यू कर सकता है। वाका मैदान पर 'इंट्रा-स्क्वाड' (भारतीय खिलाड़ियों को दो टीम में विभाजित कर अभ्यास करना) अभ्यास मैच में राहुल शुक्रवार को बल्लेबाजी करते समय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद कोहनी पर लगने के बाद चिकित्सा के लिए मैदान से बाहर चले गए थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की पांच टेस्ट की श्रृंखला का पहला मैच 22 नवंबर से ऑप्टस स्टेडियम में शुरू होगा जबकि दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से एडिलेड में होगा। पूरी संभावना है कि टीम प्रबंधन राहुल और यशस्वी जायसवाल की जोड़ी से पारी का आगाज करायेगा। रविवार को 32 वर्षीय राहुल ने बिना किसी दिक्कत के बल्लेबाजी की और तीन घंटे के नेट सत्र के दौरान सभी तरह की 'ड्रिल्स' में हिस्सा लिया और काफी समय तक बल्लेबाजी भी की। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा 'एक्स' पर साझा किए गए वीडियो में राहुल ने कहा कि खेल के पहले दिन मुझे चोट लगी थी। आज मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं।

मैत्री फुटबॉल मैच में मलेशिया से भिड़ेगा भारत

हैदराबाद, (पंजाब केसरी) : मुख्य कोच मनोलो मारक्वेज के नेतृत्व में पहली और साल की भी पहली जीत की तलाश में जुटी भारतीय फुटबॉल टीम सोमवार को यहां अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में चिर-प्रतिद्वंद्वी मलेशिया से भिड़ेगी। सीनियर खिलाड़ी और सेंट्रल डिफेंडर संदेश झिंगन की वापसी से भारत को मजबूती मिलेगी। वह पिछली बार जनवरी में एएफसी एशियाई कप में राष्ट्रीय टीम की ओर से खेले थे। वह घुटने की चोट से उबर चुके हैं। भारतीय टीम ने 2024 में अब तक 10 मैच खेले हैं।

कार्लसन ने ब्लिट्ज खिताब जीता

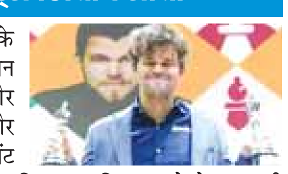

कोलकाता, (भाषा): दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक दौर रहते ब्लिट्ज खिताब जीत लिया और टाटा स्टील शतरंज इंडिया टूर्नामेंट में दूसरी ट्रॉफी हासिल की। रैपिड खिताब हासिल करने के कुछ ही दिन बाद नार्वे के 33 वर्षीय खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल से पहले 12 अंक हासिल कर लिये थे जहां कोई नहीं पहुंच सकता। कार्लसन ने अंतिम दौर में विदित गुजराती को हराकर टूर्नामेंट का शानदार समापन किया। लगातार तीन जीत और कुल 13 अंक के साथ कार्लसन ने 'ब्लिट्ज' का ताज हासिल किया। इस तरह कोलकाता में उन्होंने दूसरी बार दो खिताब जीत लिये हैं। इससे पहले 2019 की उन्होंने दो ट्रॉफी जीती थीं। ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने शानदार वापसी करते हुए लगातार छह बाजियां जीतीं और अपने आखिरी आठ में से सात मैच जीतकर 11.5 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

भारत ने जापान को 3-0 से हराया, लीग चरण में शीर्ष स्थान पर

राजगीर (बिहार), (भाषा): गत चैंपियन भारत ने रविवार को यहां महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) हॉकी टूर्नामेंट के अपने अंतिम लीग मैच में जापान को 3-0 से हराकर अजेय रहते हुए सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर दीपिका (47वें और 48वें मिनट) ने दो गोल किए जबकि उप-कप्तान नवनीत कौर ने 37वें मिनट में भारत के लिए गोल किया। पांच मैचों में पांच जीत के साथ भारत अधिकतम 15 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर है जबकि ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन (12) दूसरे स्थान पर है। भारत मंगलवार को सेमीफाइनल में चौथे स्थान पर काबिज जापान से भिड़ेगा जबकि चीन का सामना अंतिम-चार के दूसरे मैच में तीसरे स्थान पर काबिज मलेशिया से होगा। दिन के अन्य मैचों में मलेशिया ने थाईलैंड को 2-0 से हराया जबकि चीन ने दक्षिण कोरिया को समान अंतर से मात दी।